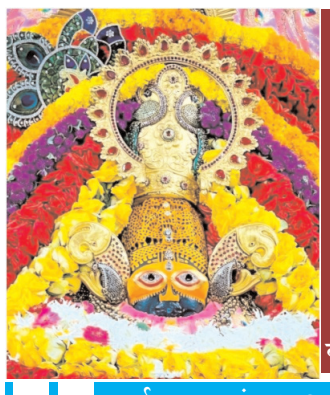

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:293। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 14 जून 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ नए सेना प्रमुख नियुक्त

वर्तमान COAS जन. द्विवेदी की जगह लेंगे

एजेंसी

हेलसिंकी । सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को अगला सेना प्रमुख नियुक्त किया है। वह वर्तमान में सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। धीरज सेठ 30 जून, 2026 की दोपहर से अपना पदभार संभालेंगे। वर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी उसी दिन सेवानिवृत्त होंगे। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। उन्हें दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में कमीशन मिला था। उनका सैन्य कॅरिअर लगभग चार दशकों तक फैला हुआ है। उन्होंने परिचालन, रणनीतिक और क्षमता विकास सहित कई क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त किया है। उन्होंने भारतीय सेना की युद्धक क्षमता और दीर्घकालिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण

योगदान दिया है। अधिकारी ने विभिन्न परिचालन वातावरणों में हर स्तर पर कमान संभाली है। उनके कमांड असाइनमेंट में डेजर्ट सेक्टर में एक आर्मर्ड रेजिमेंट शामिल है। उन्होंने पश्चिमी थिएटर में एक आर्मर्ड ब्रिगेड की भी कमान संभाली है। जम्मू-कश्मीर में एक काउंटर-इंसर्जेंसी फोर्स का नेतृत्व भी किया है। लेफ्टिनेंट जनरल के रूप में उन्होंने सुदर्शन चक्र कोर की कमान संभाली।

विभिन्न कमांड में अनुभव

उन्होंने दिल्ली एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में भी कार्य किया। इस दौरान उन्होंने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सैन्य गतिविधियों की देखरेख की। साथ ही कई औपचारिक जिम्मेदारियां भी निभाईं। सेना कमांडर के पद पर पदोन्नत होने के बाद उन्होंने दक्षिण पश्चिमी कमान संभाली। इसके बाद उन्होंने दक्षिणी कमान का नेतृत्व किया। यह दो परिचालन सेना कमानों की कमान संभालने का दुर्लभ सम्मान है। उन्होंने ढाई साल से अधिक समय तक महत्वपूर्ण थिएटरों में रणनीतिक निगरानी प्रदान की।

अमित शाह ने सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या में हो रहे बदलावों के अध्ययन का दिया निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के अध्ययन के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति को सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने का निर्देश दिया है।

उच्च स्तरीय समिति की शनिवार को यहां हुई बैठक में अमित शाह ने समिति को स्थिति का आकलन करने के लिए सीमावर्ती इलाकों, मेट्रो शहरों और औद्योगिक कस्बों का दौरा करने का भी निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने गत माह देश में असामान्य जनसंख्यिकी बदलाव और अवैध घुसपैठ के अध्ययन के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को इस समिति के गठन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के स्वरूप और प्रभावों का अध्ययन कर सरकार को नीतिगत सुझाव देना है।

महाराष्ट्र के धुले में बस ने बाइक को मारी टक्कर

महाराष्ट्र के धुले में बस ने बाइक को मारी टक्कर

एजेंसी

धुले । महाराष्ट्र के धुले जिले में रफ्तार ने एक बार फिर अपना घातक रूप दिखाया। तेज रफ्तार बस की टक्कर से बाइक पर सवार एक ही परिवार के तीन सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। धुले शहर के पारोळा रोड पर शनिवार तड़के हुए इस हृदयविदारक हादसे में वरखेडी गांव के निवासी मां-बेटे सहित तीन लोगों की जान चली गई। मृतकों की पहचान सुभाष धनगर, नंदू पाटिल और उनकी मां सिंधुबाई पाटिल के रूप में हुई है। तीनों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर कहीं जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार लग्जरी बस ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों और सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, नक्षत्र लॉन्स के समीप जब वे सड़क पार करने का प्रयास कर रहे थे, तभी धुले की ओर से आ रही एक अनियंत्रित बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर की तीव्रता इतनी अधिक थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वरखेडी गांव में इस घटना की सूचना

मिलते ही मातम छा गया। एक ही परिवार के तीन सदस्यों का अचानक मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। पड़ोसी और रिश्तेदार लगातार घर पहुंचकर परिवार को सांत्वना दे रहे हैं। गांव के लोगों का कहना है कि सुबह-सुबह यह खबर सुनकर किसी को समझ में नहीं आ रहा है कि कैसे एक पल में पूरा परिवार उजड़ गया।

असम में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए सीधे आधार नहीं : डॉ. हिमंत बिस्व सरमा

● हालांकि, 18 साल से अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को आधार कार्ड पाने के लिए एक खास वेरिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा।

एजेंसी

गुवाहाटी। अवैध प्रवासियों को आधार कार्ड लेने से रोकने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, असम कैबिनेट ने 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए रेगुलर एनरोलमेंट प्रोसेस के ज़रिए आधार कार्ड जारी करना बंद करने का फ़ैसला किया है।

इसके अलावा कैबिनेट बैठक में अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

नई सरकार की शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य सरकार यह पक्का करना चाहती है कि कोई भी अवैध प्रवासी आधार एनरोलमेंट सिस्टम का फ़ायदा न उठा सके। नई पॉलिसी के तहत, 18 साल से कम उम्र के बच्चों को आधार कार्ड जारी किए जाते रहेंगे। हालांकि, 18 साल से अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को आधार कार्ड पाने के लिए एक खास वेरिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा। ऐसे मामलों में, संबंधित डिप्टी कमिश्नर को सरकार को एक प्रस्ताव भेजना होगा, जो कार्ड जारी करने पर अंतिम फ़ैसला लेगी। मुख्यमंत्री ने साफ़ किया कि इस कदम का मकसद आधार एनरोलमेंट प्रोसेस में कमियों और गड़बड़ियों को रोकना है, साथ ही यह पक्का करना है कि असली भारतीय नागरिक इस दस्तावेज़ से वंचित न रहें। कैबिनेट ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और चाय बागान समुदाय के सदस्यों के लिए भी छूट दी है, जो मार्च 2027 तक आधार एनरोलमेंट के लिए पात्र बने रहेंगे।

राज्य सरकार के अनुसार, यह फ़ैसला पहचान की पुष्टि करने वाले सिस्टम को मज़बूत करने और अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों द्वारा धोखाधड़ी से आधार कार्ड हासिल करने पर रोक लगाने की व्यापक कोशिश का हिस्सा है। अधिकारियों ने कहा कि मकसद एनरोलमेंट प्रोसेस को और मज़बूत बनाना और यह पक्का करना है कि आधार कार्ड सही जांच-पड़ताल के बाद ही जारी किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि वयस्कों के लिए आधार एनरोलमेंट पूरी तरह से बंद नहीं किया जाएगा, लेकिन मौजूदा सिस्टम के ज़रिए कोई भी कार्ड अपने-आप जारी नहीं किया जाएगा और 18 साल से अधिक उम्र के हर आवेदन को मंज़ूरी मिलने से पहले कड़ी जांच-पड़ताल से गुज़रना होगा।

फर्जी हस्ताक्षर मामले में तृणमूल विधायक कुणाल घोष को सीआईडी का समन

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में कथित फर्जी हस्ताक्षर मामले की जांच तेज करते हुए राज्य की अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने अब बेलियाघाटा से तृणमूल कांग्रेस विधायक कुणाल घोष को पूछताछ के लिए तलब किया है। उन्हें रविवार को भवानी भवन स्थित सीआईडी मुख्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। इसी दिन तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ता दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ कर सकते हैं। जानकारी के अनुसार, कुणाल घोष को शुक्रवार को नोटिस जारी किया गया था। अभिषेक बनर्जी को रविवार दोपहर 12 बजे उपस्थित होने के लिए कहा गया है, जबकि कुणाल घोष को उसी दिन लगभग ढाई बजे सीआईडी मुख्यालय पहुंचने का निर्देश दिया गया है।

इससे पहले सीआईडी अधिकारियों ने साइन फर्जीवाड़ा मामले में कुणाल घोष के आवास पर जाकर उनका बयान दर्ज किया था। अब जांच एजेंसी दोनों नेताओं के बयानों का मिलान कर मामले की विभिन्न कड़ियों को जोड़ने का प्रयास करेगी।

● इस मामले में अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता उच्च न्यायालय से 21 दिनों का अंतरिम संरक्षण प्राप्त है। अदालत ने जांच में सहयोग करने की शर्त पर उन्हें यह राहत दी है। इससे पहले सीआईडी द्वारा तीन बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद वह पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुए थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आरोप -

अभिषेक बनर्जी के आवास का ताला तोड़कर घर में घुसी पुलिस

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को आरोप लगाया कि पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास का ताला तोड़कर प्रवेश किया और पूरे घर में तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे अभूतपूर्व बताया। अभिषेक बनर्जी के पाटुआपाड़ा स्थित आवास के बाहर पत्रकारों से बातचीत में ममता बनर्जी ने कहा कि पुलिस ने ताला तोड़कर पूरे घर की तलाशी ली। उनके अनुसार, अदालत के निर्देशों के बावजूद इस तरह की कार्रवाई की गई, जिसकी उनकी पार्टी कड़े शब्दों में निंदा करती है।

उडुपी दौरे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंदिरों में किए दर्शन

एजेंसी

गुवाहाटी। अवैध प्रवासियों को आधार कार्ड लेने से रोकने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, असम कैबिनेट ने 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए रेगुलर एनरोलमेंट प्रोसेस के ज़रिए आधार कार्ड जारी करना बंद करने का फ़ैसला किया है। इसके अलावा कैबिनेट बैठक में अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

नई सरकार की शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य

● 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण

सरकार यह पक्का करना चाहती है कि कोई भी अवैध प्रवासी आधार एनरोलमेंट सिस्टम का फ़ायदा न उठा सके। नई पॉलिसी के तहत, 18 साल से कम उम्र के बच्चों को आधार कार्ड जारी किए जाते रहेंगे। हालांकि, 18 साल से अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को आधार कार्ड पाने के लिए एक खास वेरिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा।

ऐसे मामलों में, संबंधित डिप्टी कमिश्नर को सरकार को एक प्रस्ताव भेजना होगा, जो कार्ड जारी करने पर अंतिम फ़ैसला लेगी। मुख्यमंत्री ने साफ़ किया कि इस कदम का मकसद आधार एनरोलमेंट प्रोसेस में कमियों और गड़बड़ियों को रोकना है, साथ ही यह पक्का करना है कि असली भारतीय नागरिक इस दस्तावेज़ से वंचित न रहें।

हारने के बाद से टीएमसी में बनी हुई है भगदड़ की स्थिति : हुमायूं कबीर

मुर्शिदाबाद । आम जनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी भगदड़ को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि टीएमसी में आज भगदड़ की स्थिति बनी हुई है। टीएमसी के ज्यादातर नेता इधर से उधर जा रहे हैं। सभी नेता अपने लिए एक महफूज ठिकाने की तलाश कर रहे हैं। इनमे से कई नेता एक अलग संगठन के रूप में तब्दील होते हुए एनडीए में शामिल करने का विचार कर रहे हैं। लेकिन, हम इस बात को खारिज नहीं कर सकते हैं कि गत लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की जनता ने जब टीएमसी के पक्ष में मतदान किया था।

राजस्थान में रेलवे स्टेशन का शेड उखड़कर ट्रैक पर गिरा

यूपी के वाराणसी में तूफान, हाथरस में सड़कें डूबीं

एजेंसी

कोलकाता। यूपी में प्री-मानसून एक्टिव हो गया है। शनिवार सुबह कानपुर-अयोध्या, उन्नाव समेत 25 शहरों में बारिश हुई। वाराणसी में दोपहर में तूफान आया। इससे होर्डिंग उड़ गई। लखनऊ में तेज आंधी आई, दिन में अंधेरा छा गया। हाथरस में बारिश के चलते कोतवाली सदर में पानी भर गया। सड़कें डूब गईं।

राजस्थान में शुक्रवार को बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर और चूरू के कई इलाकों में हवा के साथ बारिश हुई। चूरू के श्रीमकड़ीनाथ रेलवे स्टेशन पर लगा टिनशेड अंधड़ से रेलवे ट्रैक पर गिर गया। इससे ट्रेनें लेट हो गईं। दिल्ली में शनिवार सुबह बारिश के चलते कई फ्लाइट्स लेट हुईं। इंडिगो एयरलाइंस ने ङ्क पर पोस्ट करके कहा- खराब मौसम की वजह से उड़ानों के समय पर असर पड़ा है। मानसून की झारखंड और ओडिशा के

कुछ हिस्सों में एंट्री हो गई।। अगले 3 दिन में मानसून के छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश पहुंचने की संभावना है। 4 जून को केरलम में दस्तक देने के बाद मानसून 9 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है।

6 राज्यों में गर्मी का असर, पारा 40°C पार

राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश के कई शहरों में पारा 40°C से ज्यादा रहा। राजस्थान के श्रीगंगानगर में सबसे ज्यादा 44.2°C तापमान रहा। वहीं महाराष्ट्र के वर्धा और अकोला में 43.5°C और तेलंगाना के आदिलाबाद में 43.2°C दर्ज किया गया।

14 जून: दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ बारिश हो सकती है।

गिरिराज सिंह ने बाबा साहब बेडकर को अर्पित की श्रद्धांजलि

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर प्रवास के दौरान आज केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह आम्बेडकर चौक पहुँचे और भारत रत्न डॉ भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता मित्रों का शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया और उन्हें मेडिकल किट प्रदान की। स्वच्छता कर्मियों से संवाद करते हुए उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान में उनके समर्पण, परिश्रम और महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी से राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन ने देशभर में स्वच्छता के प्रति नई जागरूकता पैदा की है। इसके बाद केंद्रीय मंत्री सिंह कलेक्ट्रेट परिसर के समीप स्थित ऑक्सीजोन पहुंचे और सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं विधायक पुरंदर मिश्रा के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। पौधरोपण के पश्चात उन्होंने ऑक्सीजोन परिसर में उपस्थित महिलाओं से पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी के महत्व पर चर्चा की।

अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी करने वालों को सीएम योगी की कड़ी चेतावनी, एफआईआर दर्ज

'बेटी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं होनी चाहिए'

एजेंसी

आजमगढ़ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी करने वालों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि पिछले दिनों कुछ लोगों ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ गलत टिप्पणी की थी। जैसे ही यह मेरे संज्ञान में आया, मैंने तत्काल पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। बेटी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं होनी चाहिए। हर बेटी का सम्मान होना चाहिए। हम उन संस्कार में पले-बढ़े हैं, जहां कहा जाता है कि गांव की बेटी-बहन, सबकी बेटी-बहन। अखिलेश यादव दूसरों को उपदेश देते हैं, वह अपने चेलों-चपाटों को भी उपदेश दें कि भाषा संयमित कर लें। उनके लोग बहन-बेटियों, बुजुर्गों, दिवंगत लोगों व वरिष्ठ नेताओं के प्रति कैसी टिप्पणी करते हैं, उन्हें अपने लोगों को संस्कारित करने की आवश्यकता है। अच्छा होगा कि उन्हें समझाएं, नहीं समझा सकते तो हमारे हवाले कर दें, हम समझा देंगे। सीएम योगी शनिवार को आजमगढ़ में 955 करोड़ से अधिक लागत की 39 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों की मांग पर सीएम ने घोषणा की कि महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय में उनकी भव्य अश्वारोही प्रतिमा लगेगी। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को पुरानी जेल को कन्वेंशन सेंटर के रूप में तैयार करने के लिए कार्ययोजना बनाने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजमगढ़ का गौरवशाली इतिहास रहा है। ऋषि-मुनियों की साधना से पवित्र यह धरती साहित्यिक साधना का केंद्रबिंदु रही है। देश को स्वतंत्र कराने का जज्बा इस

जनपद में रहा है। जिस जनपद में हस्तशिल्प, कारीगर, किसान, ऊर्जावान युवा हैं, वह जनपद पहचान के लिए क्यों मोहताज हुआ। यह प्रश्न/पीड़ा लेकर मैं बार-बार आजमगढ़ आता हूं। जिन्होंने हमें बांटा और विभाजित किया, वे लगातार आपका समर्थन पाते थे, लेकिन वे कभी आपके हितैषी नहीं थे। सीएम ने कहा कि 2017 के पहले आजमगढ़ पहचान के लिए मोहताज था। तब यहां विश्वविद्यालय, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, हरिहरपुर में संगीत महाविद्यालय नहीं था। एयरपोर्ट भी ठीक से काम नहीं कर पा रहा था। आजमगढ़ की साड़ी और मुबारकपुर की ब्लैक पॉटरी को मंच नहीं मिल पा रहा था। अभी प्रदर्शनी में सबने अपने नई कहानी सुनाई। ब्लैक पॉटरी और साड़ी से जुड़े कारीगरों ने कहा कि जबसे यूपी में डबल इंजन की भाजपा सरकार आई, तबसे हमारा कारोबार कई गुना बढ़ा है।

बुजुर्ग महिला को बातों में फंसाकर सोने के गहने चुराने वाली देहगाम की दो महिलाओं को 5 लाख रुपये के साथ पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। नदियाद क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है, जिसने खेड़ा से धोलका रोड पर राधु गांव में एक बुजुर्ग महिला को निशाना बनाया और 5 लाख रुपये के साथ सोने के गहने चुरा लिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राधु गांव में प्राथमिक विद्यालय के बगल में एक फालिया में एक बुजुर्ग महिला घर पर अकेली थी। इस समय का फायदा उठाकर दो महिलाएं अनाज और कपड़े मांगने के बहाने वहां आईं। इन चालाक महिलाओं ने बुजुर्ग व्यक्ति को अपनी बातों में इतना उलझाए रखा कि उसे गंध का भी पता नहीं चला। जब वह व्यक्ति बातों में व्यस्त था, तब इन महिलाओं ने बड़ी ही कुशलता से घर के बरामदे की लोहे की जाली खोली। फिर, उन्होंने अंदर के बैठक कक्ष का दरवाजा खोला, कमरे में अलमारी का ताला तोड़ा और कीमती सोने के गहने चुरा लिए और रफूचक्कर हो गईं। इस चौंकाने वाली घटना की जांच कर रही खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच टीम ने कुछ ही समय में ऑपरेशन पूरा कर दोनों आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान मधु बाबूभाई वाड़ी और गीता विक्रमभाई वाड़ी के रूप में हुई है, जो दहेगाम में साधी माता मंदिर के सामने रहती हैं।

महापर्दाफाश: आस्था पर चोट करने वाली 'ब्लैकमेली गैंग' का भंडाफोड़, सिर्फ वहम के दम पर जैन संत को बदनाम करने की साज़िश तार-तार!

राज कुंद्रा का केस देखकर जैन मुनि पर लगा दिए अश्लील वीडियो के घिनौने आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। क्या इस देश में किसी की सामाजिक प्रतिष्ठा, सदियों पुरानी धार्मिक आस्था और संतों की पवित्रता इतनी सस्ती हो चुकी है कि कोई भी एरा-गेरा उठकर उस पर कीचड़ उछाल दे? 'महानगर मेट्रो न्यूज़' आज एक ऐसी ही सनसनीखेज और रूह कंपा देने वाली साज़िश का लाइव पर्दाफाश कर रहा है, जिसका मकसद सिर्फ और सिर्फ 'सागर समुदाय' को ब्लैकमेल करना और उनसे मोटी रकम वसूलना था। इस कथित गैंग का मॉडस ऑपेरंडी (काम करने का तरीका) बेहद शातिर है। ये लोग पहले आधुनिक तकनीक और एडिटिंग टूल्स का इस्तेमाल करके फर्जी वीडियो और मॉर्फ्ड (झूठी) तस्वीरें तैयार करते हैं। इसके बाद शुरू होता है ब्लैकमेलिंग का गंदा धंधा। जब पीड़ित पक्ष इनकी अवैध उगाही और फिरौती के आगे नहीं झुकता, तो ये समाज में पूजनीय संतों का चरित्र हनन करने के लिए उन फर्जी पोस्ट्स को सोशल मीडिया पर वायरल कर देते हैं। जब इस पूरी साज़िश की कड़ियों को जोड़ा गया, तो इसके पीछे दो मुख्य चेहरे बेनकाब हुए:

1. **जगत पारेख (अहमदाबाद):** इस पूरी साज़िश का मुख्य स्क्रिप्टराइटर, जिस पर पहले से ही कई धोखाधड़ी (फ्रॉड) और क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जिसकी खुद की कानून की नज़र में कोई साख नहीं है, वो समाज की साख पर हमला कर रहा था।

2. **हार्दिक हुडिया (मुंबई):** मुंबई की चकाचौंध में बैठकर डिजिटल आईडी के पीछे छिपने और इस पूरे ब्लैकमेलिंग नेटवर्क को खाद-पानी देने का काम इसी शख्स का है। 'महानगर मेट्रो न्यूज़' ने इन्हें बंद कमरों से बाहर आकर खुले मैदान में सबूत पेश करने की चुनौती दी थी, जिसके बाद जो हुआ... उसने इस पूरी गैंग के झूठ के परखच्चे उड़ा दिए।

ऑन-फोन इंटरव्यू: तीखे सवालों के आगे सरगना का आत्मसमर्पण

'महानगर मेट्रो न्यूज़' के खोजी पत्रकारों ने जब सीधे इस साज़िश के मुख्य सूत्रधार जगत पारेख को फोन पर घेरा, तो उसके पैरों के नीचे से ज़मीन खिसक गई। हमारे रिपोर्टर ने जब उससे सणसणता हुआ सीधा सवाल दागा: 'आपने कोर्ट में अर्जी देकर जैन मुनि सागरचंद्र सागर आचार्य जी पर अश्लील वीडियो विदेशों में बेचने का इतना संगीन और घटिया आरोप लगाया... इसका ठोस फोरेंसिक या डिजिटल सबूत कहां है? दिखाइए! इस तीखे सवाल पर जगत पारेख हकबका गया। ऑन-रिकॉर्ड

बातचीत में उसने जो कहा, वो कानून और न्याय व्यवस्था के मुंह पर तमाचा है। उसने घुटने टेकते हुए कबूल किया कि उसके पास कोई पक्का सबूत नहीं है! उसने कहा– 'हमें ऐसा लगा कि शायद ऐसा हो सकता है। 'जब हमारे खोजी पत्रकार ने पूछा कि बिना सबूत के इतना घिनौना आरोप लगाने की हिम्मत कैसे हुई? तो उसका जवाब सुनिए–उसने कहा कि उस समय फिल्म इंडस्ट्री के राज कुंद्रा का अश्लील वीडियो वाला मामला मीडिया में छाया हुआ था, उसे देखकर मुझे लगा कि शायद आचार्य सागरचंद्र सागर भी ऐसा ही कुछ करते होंगे! यह सिर्फ एक आरोप नहीं, बल्कि देश की न्याय प्रणाली का मज़ाक उड़ाना और पूरे सागर समुदाय की धार्मिक भावनाओं को जानबूझकर लहूलुहान करने का अक्षम्य अपराध है। किसी टीवी न्यूज़ को देखकर, अपनी मानसिक विकृति और वहम के आधार पर एक तपस्वी संत पर इतना बड़ा लांछन लगा देना साफ करता है कि इस गैंग का मकसद न्याय पाना नहीं, बल्कि सिर्फ और सिर्फ ब्लैकमेलिंग के ज़रिए पैसे ऐंठना था। अदालतें सबूतों पर चलती हैं, किसी ब्लैकमेलर के घटिया अंदाज़े पर नहीं। यही वजह है कि अब इस गिरोह को कानून के शिकंजे से कोई नहीं बचा पाएगा।

महानगर मेट्रो न्यूज़ की खुली चुनौती

यह मामला बेहद गंभीर है। पैसों की हवस में अंधी हो चुकी यह गैंग समाज के लिए एक बड़ा खतरा है। जो जैन मुनि निस्वार्थ भाव से नंगे पैर विहार करते हैं, उनकी सुरक्षा पर भी ऐसे लोग पैसों के लिए हमला करवा सकते हैं। अब समय आ गया है कि पूरा जैन समाज एकजुट होकर ऐसे तत्वों का पूर्ण बहिष्कार करे। ऐसे ब्लैकमेलर्स की हरकतों के खिलाफ तुरंत पुलिस प्रशासन को इनपुट दिए जाएं ताकि इन्हें इनके सही ठिकाने–यानी जेल की कालकोठरी में भेजा जा सके।'महानगर मेट्रो न्यूज़' साफ कर देना चाहता है कि हम किसी की खोखली धमकियों या अदालती अर्जियों के पीछे छिपने वाले सियार से डरने वाले नहीं हैं। हम इस साज़िश की आखिरी कड़ी तक जाएंगे और इस फेक फैक्ट्री को पूरी तरह नेस्तनाबूद करके रहेंगे।

चुनाव प्रक्रिया पर राहुल गांधी का विवादित बयान: सहयोगियों से कहा- '100 परसेंट भरोसा रखें,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजों और राजनीतिक गतिविधियों के बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करके भारत गठबंधन के सहयोगियों को संबोधित किया है। इस संबोधन में उन्होंने चुनाव प्रक्रिया और उसकी निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अपने सहयोगी दलों के नेताओं का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने साफ शब्दों में कहा था, 'ममता दीदी को शायद 90 परसेंट यकीन है कि चुनाव चोरी हुआ है। उद्धव जी को 40 परसेंट यकीन है, और तेजस्वी यादव को भी 40 परसेंट यकीन है। लेकिन मैं गठबंधन के आप सभी सहयोगियों से कहना चाहता हूं कि 100 परसेंट यकीन रखें, पूरा चुनाव चोरी हो रहा है। इस बारे में अपने मन से सारे शक निकाल दें।' अलायंस के नेताओं को चुनाव लड़ने के पुराने तरीकों पर भरोसा न करने की सलाह देते हुए उन्होंने आगे कहा, 'आपके मन में यह बात हो सकती है कि पुरानी टेक्नीक और स्ट्रेटेजी से चुनाव जीते जा सकते हैं। लेकिन यह तभी मुमकिन होगा जब देश में पूरी तरह से फ्री और फेयर चुनाव का माहौल हो।' राहुल गांधी के इस अग्रेसिव बयान के बाद देश की पॉलिटिक्स गरमा गई है। इंडिया अलायंस की पार्टियों में इस मुद्दे पर नई स्ट्रेटेजी बनाने पर चर्चा शुरू हो गई है, वहीं दूसरी तरफ इस बयान को हार के डर से रूलिंग पार्टी का बहाना बनाने की कोशिश बताया जा रहा है।

काली कमाई का बड़ा खुलासा: CBI के छापे में फंसे भ्रष्ट IPS और इंस्पेक्टर!

CBI के छापे में फंसे भ्रष्ट IPS और इंस्पेक्टर इंसानी जिंदगी का सौदा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के इतिहास के सबसे बड़े नकली दवा स्कैम में से एक 5000 करोड़ रुपये के दवा स्कैम में, केंद्रीय जांच एजेंसी CBI ने कानून लागू करने वालों की अनदेखी की है। स्कैमर्स को सलाखों के पीछे डालने के बजाय, CBI ने उनसे करोड़ों रुपये की रिश्वत लेने वाले एक हाई-प्रोफाइल IPS अधिकारी और एक पुलिस इंस्पेक्टर के खिलाफ ऑफिशियल केस दर्ज किया है। भ्रष्टाचार की इस कड़वी सच्चाई के सामने आते ही, पूरे देश की पुलिस फोर्स और एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम में भारी हंगामा मच गया है। IPS को 3 करोड़ और इंस्पेक्टर को 1 करोड़: खाकी ने सिक्योरिटी को बूटलेगर-स्कैमर्स को बेच दिया जो लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं! मिली जानकारी के मुताबिक, यह 5,000 करोड़ रुपये का स्कैम नकली दवाओं के एक ऐसे नेटवर्क से जुड़ा है जो सीधे आम लोगों की सेहत और जान से खिलवाड़ करता है। इस पूरे नेटवर्क को दबाने और मुख्य साज़िश करने वालों को कानूनी पचड़ों से बचाने के लिए, खाकी वर्दी के बड़े अधिकारियों

ने करोड़ों की डील की। CBI जांच में पता चला है कि इस मामले में, संबंधित IPS अधिकारी ने सीधे 3 करोड़ रुपये की रिश्वत ली और जांच में शामिल लाइन इंस्पेक्टर ने घोटालेबाजों से केस रफा-दफा करने के नाम पर 1 करोड़ रुपये की रिश्वत ली। घूसखोर बाबुओं पर CBI की कार्रवाई, करोड़ों की काली कमाई का खुलासा CBI ने इन भ्रष्ट अधिकारियों के घरों और दफ्तरों समेत कई जगहों पर छापे मारे हैं, जिसमें सूत्रों का कहना है कि सर्च ऑपरेशन के दौरान कई चौंकाने वाले दस्तावेज और बेनामी संपत्ति के सबूत जब्त किए गए हैं। खाकी वर्दी एक बार फिर इन IPS और इंस्पेक्टरों के कारनामों से दागदार हो गई है, जिन्होंने लोगों के विश्वास और कानून की इज्जत को बदनाम किया है। अगर जनता की सुरक्षा और अपराधियों को पकड़ने की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारी ही करोड़ों रुपये में बिक जाएंगे, तो देश के आम नागरिक किसके सहारे जिएंगे? इन रिश्वतखोर अधिकारियों को, जिन्होंने नकली दवाइयां बेचकर हजारों मासूमों की जान खतरे में डालने वाले राक्षसों को पनाह दी, कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए।

ट्रक ड्राइवर की लापरवाही की सज़ा बेगुनाह जानवरों को मिली! गुरु गोबिंद लिमडी में गोधरा रोड पर भयानक हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। दाहोद ज़िले के गुरु गोबिंद लिमडी कस्बे में गोधरा रोड पर शाम को एक दुखद और चिंताजनक हादसा हुआ। पता चला है कि तेज़ रफ़्तार से दौड़ रही भारी गाड़ी (ट्रक) की चपेट में आने से बेगुनाह जानवरों की मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से भाग गया, जिससे स्थानीय लोगों में बहुत गुस्सा है। मिली जानकारी के मुताबिक, गाड़ियों के आने-जाने के साथ-साथ गोधरा रोड इलाके में जानवरों का भी लगातार आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में भले ही ड्राइवरों को ज़्यादा सावधान रहने की ज़रूरत हो, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ भारी गाड़ी वाले लापरवाही से गाड़ी चला रहे हैं, स्पीड लिमिट का उल्लंघन कर रहे हैं। जिससे हादसों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इस हादसे में बेगुनाह जानवरों की मौत से स्थानीय लोगों में बहुत दुख और गुस्सा है। लोगों का कहना है कि सड़कों पर लापरवाही से चलने वाले भारी वाहनों के खिलाफ कोई असरदार कार्रवाई न होने की वजह से ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। एक्सीडेंट करने के बाद ड्राइवर का फरार हो जाना भी उसकी गंभीर लापरवाही दिखाता है। इस घटना ने एक बार फिर ट्रांसपोर्ट सिस्टम और रोड सेफ्टी सिस्टम के कामकाज पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि भारी वाहनों की रेगुलर जांच, GPS मॉनिटरिंग, फिटनेस सर्टिफिकेट का वेरिफिकेशन और ड्राइवरों के ड्राइविंग रिकॉर्ड की सख्त जांच की जाए। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि जिम्मेदार गाड़ी ड्राइवर को तुरंत ढूंढकर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही, उन्होंने गोधरा रोड पर स्पीड कंट्रोल, ट्रैफिक मॉनिटरिंग और रोड सेफ्टी के लिए जरूरी कदम उठाने का भी प्रस्ताव रखा है। बेगुनाह जानवरों की मौत की यह घटना सिर्फ एक एक्सीडेंट नहीं है, बल्कि लापरवाही से गाड़ी चलाने और रोड सेफ्टी के प्रति लापरवाही का एक गंभीर उदाहरण है। स्थानीय लोग डर जता रहे हैं कि अगर समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में और भी मौतें होंगी।

हथियारबंद शराब तस्करों ने मातर में रिटायर्ड PSI के घर पर हमला किया, पिस्तौल से फायरिंग की!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। खेड़ा जिले में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, मानो खाकी का डर खत्म हो गया हो। मातर में खोडियार चौकड़ी के पास हथियारबंद शराब तस्करों के एक ग्रुप ने एक रिटायर्ड PSI के घर पर हमला कर दिया और पिस्तौल से फायरिंग की, जिससे पूरे जिले में भारी सनसनी फैल गई। बदमाशों के इस आतंक से रिटायर्ड पुलिस अधिकारी के परिवार में भगदड़ मच गई। मिली जानकारी के मुताबिक, दो-तीन दिन पहले अहमदाबाद के एक मशहूर शराब तस्कर की कार मातर में शराब उतारने आई थी। इस दौरान शराब तस्कर की कार का एक रिटायर्ड PSI के पोते मुकुंदभाई की कार से एक्सीडेंट हो गया। एक्सीडेंट के बाद शराब तस्कर ने भागने की कोशिश की और मुकुंदभाई से उसकी जमकर लड़ाई हुई। इसी रंजिश को लेकर असामाजिक तत्वों ने एक रिटायर्ड PSI के घर को निशाना बनाया। हमलावरों ने मुकुंदभाई की मां को पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और घर के बाहर खड़ी कार में तोड़फोड़ की, हवा में फायरिंग की और भाग गए। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस घटना के बाद भी पुलिस के तथाकथित एडमिनिस्ट्रेटर पीड़ित परिवार पर सुलह करने का काफी दबाव बना रहे हैं। खेड़ा जिले में शराब और जुए का प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि शराब तस्कर अब सीधे कानून लागू करने वालों पर हमला कर रहे हैं।

राजकोट वालों के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी: हर्ष सांघवी ने जामनगर रोड पर नए बने संध्या ब्रिज ओवरब्रिज का उद्घाटन किया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट के जामनगर रोड पर लंबे समय से जिस नए बने हाई-टेक संध्या ब्रिज ओवरब्रिज का बेसब्री से इंतज़ार था, उसका आखिरकार शानदार तरीके से उद्घाटन हो गया है। जनता के लिए इस अल्ट्रा-मॉडर्न ओवरब्रिज का उद्घाटन राज्य के डिप्टी चीफ मिनिस्टर हर्षभाई सांघवी ने ऑफिशियली किया। ब्रिज के खुलते ही लोकल लोगों और गाड़ी चलाने वालों में बहुत खुशी की लहर दौड़ गई। जामनगर रोड और उसके आस-पास के इलाकों में ट्रैफिक का लोड लगातार बढ़ रहा था, जिससे गाड़ी चलाने वालों को पीक आवर्स में घंटों ट्रैफिक जाम की समस्या का

सामना करना पड़ता था। राजकोट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा तैयार यह नया ओवरब्रिज शहर के ट्रैफिक सिस्टम को और स्मूथ, फास्ट और सेफ बनाएगा। यह ब्रिज माधापार चौकड़ी, जामनगर रोड और रेलवे क्रॉसिंग की ओर जाने वाले हजारों गाड़ी चलाने वालों का समय और फ्यूल दोनों बचाएगा। डेवलप्ड राजकोट की तरफ एक मज़बूत कदम उद्घाटन के मौके पर बोलते हुए, डिप्टी चीफ मिनिस्टर हर्ष सांघवी ने कहा कि रंगीन राजकोट अब तेज़ी से एक स्मार्ट और डेवलप्ड शहर की तरफ बढ़ रहा है। लोगों की सुविधा के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करना सरकार की प्रायोरिटी है और यह ओवरब्रिज डेवलप्ड राजकोट के ग्रोथ इंजन में एक और मज़बूती जोड़ेगा। इस मौके पर लोकल MP, MLA, मेयर, राजकोट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सीनियर अधिकारी और बड़ी संख्या में नेता मौजूद थे।

अगर अधिकारी के पास कोई पावर नहीं है, तो परमिशन क्यों दी गई?

राजभा गढ़वी के शेर डांस के मामले में रिटायर्ड फॉरेस्ट ऑफिसर लालधुम ने गिर के अस्तित्व पर सवाल उठाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जूनागढ़। मशहूर लोकगीतकार राजभा गढ़वी के शेरों की मौजूदगी में हुए डांस को लेकर विवाद अब बड़ा रूप ले चुका है। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के एक रिटायर्ड सीनियर ऑफिसर इस मामले को लेकर काफी गुस्से में हैं और उन्होंने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के काम पर तीखे हमले किए हैं। उन्होंने सवाल उठाया है, 'जब संबंधित ऑफिसर के पास ऐसी परमिशन देने की कोई पावर नहीं है, तो डांस की परमिशन कैसे दी गई?' उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर एडमिनिस्ट्रेशन इसी तरह लापरवाह रहा, तो पवित्र गिर एक दिन खत्म हो जाएगा। गिर को टूरिस्ट प्लेस बना दिया गया है, शेरों का अस्तित्व खतरे में है! गिर जंगल की मौजूदा हालत पर गहरी चिंता जताते हुए एक रिटायर्ड फॉरेस्ट ऑफिसर ने कहा, 'आज गिर सिर्फ एक टूरिस्ट प्लेस बनकर रह गया है। जंगल की सीमाएं और शेरों की शांति खतरे में पड़ रही है। हर जगह होटल, होम-स्टे और शानदार रिसॉर्ट बेतरतीब ढंग से बन गए हैं। कानून तोड़कर किया जा रहा यह कमर्शियल डेवलपमेंट गिर में बड़ी दिक्कतें पैदा कर रहा है।' उन्होंने आगे कहा कि गिर के राजा शेर, गिर के आसपास जिस तरह से गैर-जरूरी कंस्ट्रक्शन बढ़ रहे हैं, उससे होने वाले शोर और इंसानी दखल से परेशान हो रहे हैं। अपने ही घर में असुरक्षित महसूस करते हुए शेर अब सुरक्षित जगह की तलाश में अपना असली इलाका छोड़ रहे हैं, जिससे इंसान-जानवरों के बीच टकराव बढ़ रहा है। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट भले ही राजभा गढ़वी के दिया के वायरल वीडियो की जांच करने की पूरी कोशिश कर रहा हो, लेकिन एक रिटायर्ड फॉरेस्ट ऑफिसर के इस सनसनीखेज खुलासे ने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के बड़े अधिकारियों और लोकल नेताओं के बीच मिलीभगत पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। 'पाको गुजरात' अखबार ने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट से पूछा है कि वाइल्डलाइफ की कीमत पर इस कमर्शियलाइजेशन को कब तक जारी रहने दिया जाएगा?

गुजरात के स्कूलों में प्रिंसिपलों की भारी कमी, शिक्षक महासंघ ने सरकार को दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। के सरकारी प्राइमरी स्कूलों में शिक्षा की बिगड़ती व्यवस्था को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। राज्य में लंबे समय से एच-टैट पास प्राचार्यों के हजारों पद खाली होने के कारण, वर्तमान में 7 हजार से अधिक सामान्य शिक्षकों पर प्रशासनिक कामकाज का अतिरिक्त बोझ डाल दिया गया है। इस गंभीर मुद्दे पर अब गुजरात राज्य प्राथमिक शिक्षक महासंघ ने शिक्षा मंत्री और सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए तुरंत स्थायी भर्ती करने की उग्र मांग की है। शिक्षक महासंघ ने सरकार की नीतियों पर तीखे प्रहार करते हुए सवाल उठाया है कि एक ही प्रिंसिपल दो या तीन स्कूलों का कामकाज कैसे संभाल सकता है? प्राचार्यों की भारी कमी के कारण इस समय स्कूलों में सिर्फ इंचार्ज के भरोसे काम चलाया जा रहा है। इसके चलते जिन शिक्षकों का मुख्य काम बच्चों को पढ़ाना है, वे दिनभर सरकारी मिड-डे मील, डाटा एंट्री और अन्य कागजी कार्रवाई पूरी करने में ही उलझे रहते हैं। इसका सीधा नकारात्मक असर गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। राज्य में हजारों उम्मीदवार एच-टैट परीक्षा पास करके नौकरी का इंतजार कर रहे हैं, फिर भी सरकार नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करने में आनाकानी कर रही है। महासंघ ने चेतावनी दी है

बंधु बेलड़ी मुनिश्री पीयूषचन्द्र विजयजी म.सा.मुनिश्री रजतचन्द्र विजयजी म.सा.का श्री मोहनखेड़ा महातीर्थ में आगमन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

परोपकार सम्राट मोहनखेड़ा महातीर्थ विकास प्रेरक पूज्य आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय ऋषभचन्द्र सूरीश्वरजी महाराजा साहेब के सुशिष्य अष्टम वर्षीतप तपस्वी पूज्य मुनिराज श्री पीयूषचन्द्र विजयजी म.सा. प्रवचनदक्ष मुनिराजश्री रजतचन्द्र विजयजी म.सा.बंधु बेलड़ी का मोहनखेड़ा महातीर्थ में 14 जुन को मंगल प्रवेश होगा। बांसवाड़ा शहर में बन्धु बेलड़ी का 6 माह बाद मिलन समारोह के साथ 1 जुन को भव्य नगर मंगल प्रवेश हुआ 2 से 4 जुन तक सुरि ऋषभ गुरुदेव का 69वां जन्मोत्सव व पुण्यतिथि स्मरण मनाया गया। मुनिश्री पीयूषचन्द्र विजयजी म.सा.ने कहा मेरे जीवन के उपकारी सुरि ऋषभ गुरुदेव ने सभी संतों को आगे बढ़ाया,स्वयं के पास आये शासन प्रभावना के कार्य अलग-अलग प्रांतों में उनसे करायें, इतने उदारमना थे मेरे गुरुदेव। मुनिश्री रजतचन्द्र विजयजी ने कहा सुरि ऋषभ ने पुरुषार्थ कर तीर्थ भूमि में ऐसा कार्य किया कि आज सभी उस सुरक्षा और कुशलता को महसूस कर रहे है। मुनिश्री ने बताया बड़े भ्राता पीयूषचन्द्र विजयजी की सहमति से रानीबैन्नुर नगरे नागेश्वर मोहनखेड़ा तीर्थधाम अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव एवं रानीबैन्नुर गांव में चल प्रतिष्ठा महोत्सव, बेलगांव में मुनिसुव्रत दादा का महामहोत्सव एवं कराड श्रीसंघ में नवपद औलीजी आराधना सह सिद्धाचल तीर्थ भावयात्रा त्रिदिवसीय उत्सव किया। तलेगांव दाभाड़े में अक्षय तृतीया का सामुहिक वर्षीतप पारणोत्सव आयोजन एवं पुणे के समिप दौन्ड नगरे श्री विमलनाथ दादा का रजत पंचान्हिका महोत्सव आदि शासन प्रभावना के कार्य करते हुए। सात माह में पांच राज्यों की विहार यात्रा कर 14 जुन को प्रातः 8 बजे मोहनखेड़ा महातीर्थ में मंगल प्रवेश करेंगे।

संक्षिप्त न्यूज

सिग्नल फनिया गैंग पर गुजसीटोक का शिकंजाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोधरा। गोधरा की कुख्यात 'सिग्नल फनिया गैंग' पर पुलिस ने गुजसीटोक के तहत शिकंजा कसते हुए 6 और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि 2 अभी भी फरार हैं। इस गैंग के खिलाफ अब तक लूट और पथ्थरबाजी के 54 गंभीर मामले सामने आ चुके हैं। सबसे चौंकाने वाला खुलासा गैंग के मुख्य सरगना खालिद उर्फ चकला की पूछताछ में हुआ है, जिसका 'पाकिस्तान कनेक्शन' सामने आया है। इस खुलासे के बाद देश और राज्य की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं

अधिकारी आशीष नायक पर करोड़ों के भ्रष्टाचार का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सामाजिक कार्यकर्ता उधनावाला ने नगर निगम के अधिकारी आशीष नायक पर बड़ा आरोप लगाते हुए आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज कराने की चेतावनी दी है। मामला नासीरनगर का है, जहां हकीकत में कोई तोड़फोड़ नहीं हुई, लेकिन कागजों पर 'घोस्ट डिमोलिशन' दिखाकर करोड़ों रुपये का गबन किया गया। उधनावाला ने भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने पर सवाल उठाए हैं।

सूरत 'घोस्ट डिमोलिशन' विवाद में पूर्व मंत्री का नाम उछला,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। नासीरनगर के 'घोस्ट डिमोलिशन' घोटाले के बाद सूरत की राजनीति में गरमाहट आ गई है। सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या सामाजिक कार्यकर्ता काजल हिंदुस्तानी ने पूर्व मंत्री और भाजपा नेता विनुभाई मोरडिया को निशाना बनाने की राजनीतिक सुपारी ली है। वरिष्ठ पत्रकार पवन माकन के साथ एक विशेष बातचीत में काजल हिंदुस्तानी ने इस पर बड़ा बयान दिया है। काजल हिंदुस्तानी ने स्पष्ट किया कि उनकी किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है और न ही उन्होंने किसी की सुपारी ली है। उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष से नहीं, बल्कि जनता के टैक्स का पैसा लूटने वाले भ्रष्टाचार और पूरी भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ है।

युवक की बेरहमी से हत्या, मुख्य आरोपी दर्शन मारवाड़ी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। संस्कारी नगरी वडोदरा के कलाली इलाके में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। एक सामाजिक समारोह में शामिल होने गए 30 वर्षीय युवक की उसकी पत्नी के सामने ही धारदार हथियारों से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। गंभीर रूप से लहूलुहान युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

एयर इंडिया विमान हादसे की बरसी पर रोए परिवार,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 दुर्घटना की पहली बरसी पर पीड़ितों के परिवारों का दर्द छलक उठा। 12 जून 2025 को हुए इस हादसे में 260 मासूम लोगों की जान चली गई थी, जिनमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री भी शामिल थे। आज एक साल बीत जाने के बाद भी उड्डयन मंत्रालय और जांच एजेंसी एएआईबी के पास कोई ठोस जवाब नहीं है।

भरूच जामा मस्जिद विवाद: जैन संत ने 700 साल पुराने 'समाधि विहार' का दावा कर एएसआई सर्वे की मांग की, ऐतिहासिक साक्ष्यों के साथ गहराया विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। गुजरात के ऐतिहासिक और औद्योगिक शहर भरूच से इस वक्त एक बहुत बड़ा धार्मिक और आर्कियोलॉजिकल विवाद सामने आ रहा है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि से सटे शाही ईदगाह मामले की तर्ज पर अब गुजरात के भरूच की ऐतिहासिक जामा मस्जिद को लेकर भी एक बेहद चौंकाने वाला और बड़ा दावा पेश किया गया है। शहर के एक प्रतिष्ठित और जाने-माने जैन संत ने प्राचीन इतिहास के हवाले से यह दावा ठोक दिया है कि भरूच की वर्तमान जामा मस्जिद वास्तव में कोई मूल ढांचा नहीं है, बल्कि यह करीब 700 साल पुराने अत्यधिक पवित्र जैन मंदिर 'समाधि विहार' और दो अन्य महत्वपूर्ण ऐतिहासिक जैन तीर्थों के अवशेषों व मलबे पर बनाई गई है। इस सनसनीखेज

दावे के सामने आने के बाद से पूरे क्षेत्र के धार्मिक और राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छिड़ गई है। जैन संत ने मामले की गहराई से जांच के लिए आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया को शामिल करने की पुरजोर मांग की है। इस बड़े विवाद के केंद्र में जैन संत द्वारा प्रस्तुत किए गए वह तमाम दस्तावेज और प्राचीन पुरातात्विक साक्ष्य हैं, जिन्हें लेकर यह दावा किया जा रहा है। जैन संत के अनुसार, यदि वर्तमान मस्जिद की वास्तुकला, उसके विशाल खंभों और दीवारों पर की गई नक्काशी को ध्यान से देखा जाए, तो वहां पुरानी भारतीय जैन स्थापत्य शैली और प्राचीन मूर्तियों की कलात्मक छाप आज भी साफ तौर पर दिखाई देती है। उनके मुताबिक, मस्जिद के नीचे कई ऐसे बंद तहखाने मौजूद हैं जिन्हें सालों से खोला नहीं गया है। यदि आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की टीम आधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों और ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार जैसी तकनीकों का उपयोग करके इस बंद परिसर का पूरी निष्पक्षता से सर्वे करे, तो सदियों पुराना छिपा हुआ ऐतिहासिक सच पूरी दुनिया के सामने आ जाएगा। इसी मांग को लेकर अब कानूनी और प्रशासनिक स्तर पर भी हलचल बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। दूसरी तरफ, जैसे ही यह ऐतिहासिक दावा सार्वजनिक हुआ, इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी इस मुद्दे को लेकर जबरदस्त सरगर्मी देखी जा रही है। डिजिटल स्पेस में इस विवाद से जुड़े हैशटैग तेजी से ट्रेंड कर रहे हैं, जहां इतिहासकार, कानूनी विशेषज्ञ और आम लोग अपनी-अपनी राय साझा कर रहे हैं। वर्षों से पूरी तरह शांत माने जाने वाले भरूच के इस प्राचीन स्थापत्य के पीछे का वास्तविक इतिहास क्या है, इसे जानने के लिए स्थानीय निवासियों और बौद्धिक वर्ग में भारी उत्सुकता और कौतूहल का माहौल बन गया है। इस संवेदनशील मामले को देखते हुए स्थानीय प्रशासन भी पूरी स्थिति पर सतर्कता से नजर बनाए हुए है।

सार समाचार...

कमर्शियल जहाजों पर हमले बर्दाश्त नहीं, 3 भारतीयों की मौत पर अमेरिकी विदेश मंत्री से बोले एस. जयशंकर

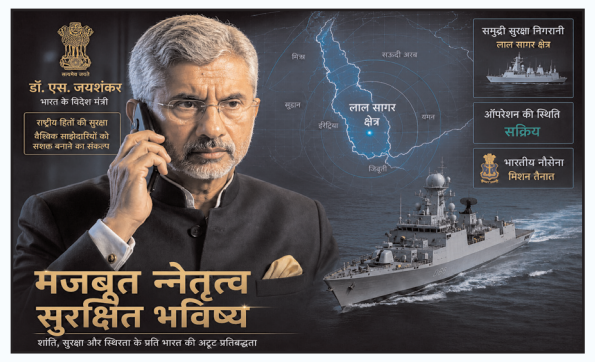

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय समुद्री मार्ग पर कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों में 3 भारतीय नागरिकों की मौत पर भारत सरकार ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया है। इस घटना से नाराज विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने तुरंत अमेरिकी विदेश मंत्री को फोन कर वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था पर कड़े सवाल उठाए। जयशंकर ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि निर्दोष कमर्शियल जहाजों और उनके चालक दल के सदस्यों को निशाना बनाने का यह खेल किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होगा। पश्चिम एशिया और लाल सागर के पास चल रहे सैन्य तनाव के बीच एक व्यापारिक जहाज पर भयानक हमला हुआ था, जिसमें चालक दल में शामिल 3 भारतीय जवानों की जान चली गई। विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री से बातचीत में जोर देकर कहा कि जो जहाज युद्ध का हिस्सा नहीं हैं, उन पर ऐसे कायरतापूर्ण हमले वैश्विक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं। भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। इस घटना के बाद भारतीय नौसेना भी अरब सागर और हिंद महासागर क्षेत्र में हाई-अलर्ट पर आ गई है।

तन से सेवा, मन से समर्पण, धन से सहयोग निभाया है, प्रकाश और सुनील ने समाजहित का नया इतिहास बनाया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसके भवनों, संसाधनों अथवा आर्थिक उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उन व्यक्तित्वों में निहित होती है जो अपने जीवन का समय, अनुभव, परिश्रम और संसाधन समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। ऐसे व्यक्तित्व समाज के लिए केवल पदाधिकारी नहीं होते, बल्कि वे संगठन, विश्वास, संस्कार और प्रेरणा के जीवंत स्तंभ बन जाते हैं। अगर एक नजर मे देखा जाय तो विगत अनेक वर्षों से स्थानकवासी श्रावक संघ के अध्यक्ष के रूप में तथा दिगम्बर जैन समाज संघ के अध्यक्ष के रूप में समाज की विभिन्न गतिविधियों का सफल नेतृत्व कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में अनेक धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और जनकल्याणकारी कार्यों को नई गति और नई पहचान मिली है। उन्होंने समाज को केवल संगठित ही नहीं किया, बल्कि समाज के प्रत्येक

वर्ग को साथ लेकर चलने की प्रेरणादायी परंपरा भी स्थापित की है। इन समाजसेवियों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी पद को प्रतिष्ठा का साधन नहीं बनाया, बल्कि समाज सेवा का माध्यम माना। समाज के किसी भी आयोजन, कार्यक्रम अथवा आवश्यकता के समय वे सदैव अग्रिम पंक्ति में खड़े दिखाई देते हैं। चाहे धार्मिक आयोजन हो, सामाजिक उत्थान की योजना हो, युवा पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने का प्रयास हो या समाज में सौहार्द और एकता का वातावरण निर्मित करना हो–हर क्षेत्र में उनका योगदान अनुकरणीय रहा है। समाज को एक सूत्र में बांधकर रखना किसी भी नेतृत्व की सबसे बड़ी परीक्षा होती है। विभिन्न विचारों, अपेक्षाओं और परिस्थितियों के बीच संतुलन स्थापित करना सरल नहीं होता, किंतु श्री प्रकाशचन्द्र जैन एवं श्री सुनील जैन ने अपनी व्यवहार कुशलता, सरलता और मिलनसार व्यक्तित्व के बल पर यह कार्य अत्यंत सफलतापूर्वक किया है। उन्होंने सदैव संवाद, सहयोग और समन्वय की भावना को प्रोत्साहित किया, जिसके परिणामस्वरूप समाज में एकता और आत्मीयता का वातावरण मजबूत हुआ है। समाजहित के अनेक कार्यों में विभिन्न सामाजिक संगठनों और पदाधिकारियों का भी समय-समय पर सहयोग प्राप्त होता रहा है। इसी क्रम में मूर्तिपूजक संघ अध्यक्ष श्री मनीष जैन सहित समाज के अनेक जिम्मेदार कार्यकर्ताओं ने भी विभिन्न अवसरों पर सहयोग और समन्वय की भूमिका निभाई है, जिससे समाज के सामूहिक प्रयास और अधिक प्रभावी बन सके हैं। श्री मनीषजैन अपने सौम्य व्यवहार, सहज उपलब्धता एवं समाजहित की सकारात्मक सोच के लिए विशेष रूप से पहचाने जाते हैं। समाज के अनेक आयोजनों, सेवा कार्यों तथा जनहितकारी कार्यक्रमों में उनका सहयोग सदैव प्रेरणादायी रहा है। श्री प्रकाशचन्द्र जैन एवं श्री सुनील जैन का जीवन इस बात का सशक्त उदाहरण है कि सच्ची सेवा केवल शब्दों से नहीं, बल्कि निरंतर कर्म और समर्पण से सिद्ध होती है। उन्होंने तन से सेवा, मन से समर्पण और मार्गदर्शन और सेवा का लाभ समाज को निरंतर मिलता रहे तथा समाज प्रगति और संगठन के नए आयाम स्थापित करता रहे। जानकारी नागदा से **जीवनलाल जैन** -9179662633

PM मोदी की लीडरशिप के 12 साल पूरे होने पर महाआरती, झंडा फहराना और पेड़ लगाना हुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। जिले के झालोद तालुका में गोविंद गुरु लिमड़ी में पवित्र हनुमान टेकरी मंदिर आज भक्ति और राष्ट्रीय चेतना के रंगों में रंग गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सफल लीडरशिप के 12 साल पूरे होने के ऐतिहासिक मौके पर यहां 'विश्वास, विकास और जनकल्याण' कैंपेन के तहत एक बड़ा धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम रखा गया। इस मौके पर दाहोद के पॉपुलर MP जशवंत सिंह भाभोर और झालोद के MLA महेश भूरिया खास तौर पर मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत में MP जशवंत सिंह भाभोर के पहुंचने पर ढोल-नगाड़ों की गड़गड़ाहट के साथ उनका जोरदार स्वागत किया गया। बच्चों का कुमकुम तिलक लगाकर भारतीय संस्कृति के अनुसार स्वागत किया गया। इसके बाद, संतों और महंतों की मौजूदगी में हनुमानजी महाराज की भव्य महाआरती और खास पूजा की गई, जिसमें प्रधानमंत्री की लंबी उम्र और देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई। महाआरती के बाद, नेताओं ने मंदिर में पारंपरिक झंडा फहराया और पर्यावरण को बचाने का संकल्प लेकर पेड़ लगाए। पेड़ लगाने के बाद, महामंडलेश्वर जगदीश प्रसाद महाराज ने आयोजित बड़ी जनसभा को आशीर्वाद दिया और आए हुए लोगों को पगड़ी और शॉल देकर सम्मानित किया। MLA महेश भूरिया ने कहा कि पिछले 12 सालों में प्रधानमंत्री मोदी के सुशासन में देश ने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। वहीं, MP जशवंत सिंह भाभोर ने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आज समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुंच रही हैं.

'भगवान कोई ट्रस्ट नहीं, भक्तों का अधिकार हैं

सालंगपुर कष्टभंजन देव के ट्रेडमार्क और कॉपीराइट विवाद ने पकड़ा तूल, सनातन धर्म के संतों में भारी गुस्सा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोटाड । दुनिया भर में मशहूर तीर्थस्थल सालंगपुर कष्टभंजन देव हनुमानजी मंदिर एक बार फिर बड़े विवाद के भंवर में फंस गया है। सालंगपुर मंदिर के एडमिनिस्ट्रेटिव स्वामियों ने जैसे ही हनुमानजी दादा की मूर्ति, लोगो और धार्मिक निशानों का ट्रेडमार्क और कॉपीराइट लेने की प्रक्रिया शुरू की, विवाद और बढ़ गया है। इस मामले को लेकर सनातन धर्म के संत और भक्त गुस्से में आ गए हैं। सोशल मीडिया से लेकर धार्मिक संगठनों तक, एक ही आवाज़ उठी है कि, 'भगवान किसी की प्राइवेट प्रॉपर्टी नहीं हैं, भगवान कोई ट्रस्ट नहीं बल्कि भक्तों का अधिकार हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, सालंगपुर मंदिर के एडमिनिस्ट्रेशन की तरफ से हनुमानजी दादा की बड़ी मूर्ति के

नाम, फोटो, डिजाइन और धार्मिक निशानों पर कानूनी हक जताने के लिए ट्रेडमार्क और कॉपीराइट एप्लीकेशन फाइल की गई हैं। इस कानूनी प्रोसेस के पीछे तर्क यह है कि कोई भी भगवान के नाम का कमर्शियल गलत इस्तेमाल न करे। हालांकि, सनातन धर्म के संत इस तर्क को खारिज कर रहे हैं। संतों का कहना है कि अगर भगवान का ट्रेडमार्क ले लिया जाता है, तो भविष्य में अगर आम भक्त या दूसरे संगठन दादा की फोटो या भजन इस्तेमाल करते हैं, तो क्या उन पर केस होगा? पहले सालंगपुर में हनुमानजी दादा को सहजानंद स्वामी को प्रणाम करते हुए दिखाने वाले म्यूरल्स पर विवाद अभी मुश्किल से थमा है, लेकिन इस नए विवाद ने सनातनियों को गुस्सा दिला दिया है। हिंदू संगठन आरोप लगा रहे हैं कि भगवान के नाम पर करोड़ों रुपये का डोनेशन इकट्ठा करने वाले ट्रस्ट अब भगवान को अपनी पीढ़ी समझने लगे हैं। 'पाको गुजरात' अखबार ने सवाल उठाया है कि कोई संगठन या ट्रस्ट हनुमानजी महाराज पर अपना कानूनी दावा कैसे कर सकता है, जो पूरे ब्रह्मांड के मालिक हैं? अगर यह विवाद जल्द ही नहीं सुलझा तो इस बात की पूरी संभावना है

हिंदू सेना संगठन के विस्तार को लेकर शिव संस्कार धाम में बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

दल्ली राजहरा। हिंदू सेना संगठन के विस्तार एवं मजबूती को लेकर शिव संस्कार धाम मंदिर परिसर में जिला अध्यक्ष श्रीमती नंदा पसीने के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विस्तार, नई इकाइयों के गठन तथा विभिन्न पदों पर नियुक्तियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि नगर में मातृशक्ति एवं युवाओं के लिए अलग-अलग संगठनात्मक इकाइयों का गठन किया जाएगा, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके अंतर्गत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संगठन सचिव, मीडिया प्रभारी सहित अन्य महत्वपूर्ण दायित्वों पर नियुक्तियां की जाएंगी। जिला अध्यक्ष श्रीमती नंदा पसीने ने कहा कि संगठन को अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए व्यापक स्तर पर विस्तार अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से संगठन की विचारधारा और सामाजिक गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में विभिन्न पदों पर नियुक्तियों की घोषणा कर संगठन के विस्तार की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा।

डभोई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी रोड पर अधिकारियों और कॉन्ट्रैक्टर की बड़ी लापरवाही, हादसों को खुला न्योता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' से जोड़ने वाली मेन रोड पर, डभोई नांदोडी बागोल नर्मदा कैनाल के पास, लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और कॉन्ट्रैक्टर की एक बड़ी और जानलेवा लापरवाही सामने आई है। सड़क के किनारे लगाए जाने वाले बड़े-बड़े पाइप (पाइप) बिना किसी साइन बोर्ड या रेडियम के सीधे सड़क पर रख दिए गए हैं। लोकल गाड़ी चलाने वालों में बहुत गुस्सा है और सवाल उठ रहा है कि अगर कोई बड़ा हादसा होता है, तो उसके लिए कौन ज़िम्मेदार होगा? रात के अंधेरे में 'मौत का जाल'। दिन में तो गाड़ी चलाने वाले इन पाइपों को देख लेते हैं और बच जाते हैं, लेकिन असली मुसीबत रात में होती है। कोई रेडियम नहीं। पाइपों पर कोई लाल रेडियम की पट्टियां नहीं लगाई गई हैं। कोई लाइट या सिग्नल नहीं: न तो लाल लाइट (ब्लिंकर) हैं और न ही कोई चेतावनी देने वाले बोर्ड। अंधेरे में हादसों का खतरा। रात के अंधेरे में तेज़ रफ़्तार गाड़ी चलाने वाले ड्राइवरों को ये लाइटें नहीं दिखतीं, इसलिए यहां कभी भी कोई बड़ा और जानलेवा हादसा हो सकता है। देश-विदेश से टूरिस्ट का आना-जाना, फिर भी सिस्टम बेजान! यह कोई आम गांव की सड़क नहीं, बल्कि स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी की ओर जाने वाला मेन हाईवे है। यहां से रोज़ाना हज़ारों लोकल गाड़ियों के साथ-साथ देश-विदेश से टूरिस्ट भी गुज़रते हैं। लापरवाही की ऐसी घटनाएं डभोई तालुका में बार-बार सामने आती रहती हैं

सोचो ये कैसा रिटायरमेंट है?' धमकी के बाद रिटायर्ड जज ने कानून-व्यवस्था पर उठाए गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई/अहमदाबाद। एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जो दिखाता है कि देश में कानून-व्यवस्था की हालत कितनी खराब हो गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट के गुजराती मूल के एक बहुत सम्मानित और रिटायर्ड जज को जान से मारने की गंभीर धमकी मिली है। इस धमकी को दाऊदी बोहरा समुदाय के धार्मिक नेता (दाई-उल-मुतलक) की स्थिति के बारे में पहले दिए गए एक ऐतिहासिक और संवेदनशील फैसले से जोड़ा जा रहा है। 'सोचो ये कैसा रिटायरमेंट है? रिटायरमेंट के बाद हम सब देश के आम नागरिक बन जाते हैं। अब हमारे पास क्या पावर है? मैंने अपनी ड्यूटी के तौर पर बेंच पर बैठकर सही फैसला दिया। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि अपनी ड्यूटी ईमानदारी से निभाने के बाद मेरे रिटायरमेंट का मतलब इतना बुरा होगा... '

क्या है पूरा मामला और फैसला?

सूत्रों के मुताबिक, अपने कार्यकाल

के दौरान इस रिटायर्ड जज ने दाऊदी बोहरा समुदाय के धार्मिक नेता के उत्तराधिकार और पद के विवाद को लेकर बहुत अहम फैसला दिया था। इस फैसले से गुस्साए कुछ असामाजिक तत्व या कट्टरपंथी अब रिटायर्ड जजों को सत्ता और सरकारी सुरक्षा से हटते ही निशाना बना रहे हैं और उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

तीखे सवाल:

अगर देश की सबसे बड़ी अदालतों के जज भी फैसला देने के बाद सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता का क्या होगा? क्या न्याय की बेंच पर बैठकर कानून लागू करना गुनाह है? क्या अब जजों को फैसला सुनाने से पहले गुंडों और धार्मिक नेताओं के समर्थकों से डरना पड़ेगा? सरकार रिटायरमेंट के बाद ऐसे हाई-प्रोफाइल केस देख चुके जजों की सुरक्षा की जिम्मेदारी ठीक से क्यों नहीं ले रही है? इस घटना ने सिर्फ मुंबई या गुजरात ही नहीं, बल्कि पूरे देश की न्यायिक व्यवस्था को झकझोर दिया है। यह लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है कि एक जज रिटायरमेंट के बाद खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। पुलिस और इंटेलिजेंस एजेंसियां मामले की जांच में जुटी हैं.

फिर सुलग रही खाड़ीः होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, दुनियाँ में हड़कंप

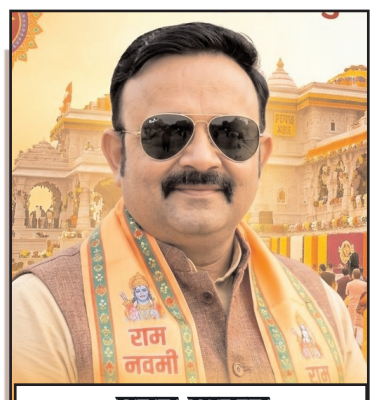

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> पाकिस्तान ने तथाकथित विधानसभा और संविधान का ढांचा तो खड़ा किया, लेकिन असली सत्ता हमेशा इस्लामाबाद और रावलपिंडी के हाथों में रही। वहां की विधानसभा महज कठपुतली संस्था बनकर रह गई है। हाल ही में आरक्षित सीटों को लेकर आए फैसले ने जनता के गुस्से को और भड़का दिया।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अब हालात सिर्फ बिगड़ नहीं रहे हैं बल्कि यह इस्लामाबाद के खिलाफ खुले जनविद्रोह का रूप ले चुके हैं। जिन लोगों को पाकिस्तान दशकों से अपने कब्जे का हिस्सा बताकर दुनिया के सामने कश्मीर का झूठा राग अलापता रहा, वही लोग आज सड़कों पर उतरकर उसके दमनकारी चेहरे को बेनकाब कर रहे हैं। आटे पर सब्सिडी, बिजली दरों में कमी, रोजगार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और नागरिक अधिकारों जैसी बुनियादी मांगों को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब पाकिस्तान की औपनिवेशिक नीतियों के खिलाफ व्यापक जनआक्रोश में बदल चुका है।

जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट आवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में चल रहे इस आंदोलन को कुचलने के लिए पाकिस्तानी सेना, रेंजर्स और पुलिस ने जिस बर्बरता का प्रदर्शन किया है, उसने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाई गईं, लाठीचार्ज हुआ, आंसू गैस के गोले दागे गए और इंटरनेट सेवाएं बंद कर पूरे क्षेत्र को अंधेरे में धकेल दिया गया। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार अब तक दर्जनों नागरिक मारे जा चुके हैं और हजारों गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। रावलाकोट, मीरपुर, कोटली, भीमबर और पुंछ जैसे क्षेत्रों में हालात विस्फोटक बने हुए हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन लोगों की जमीनों को डुबोकर मंगला बांध बनाया गया, उन्हीं लोगों को आज आसमान छूते बिजली बिल थमाए जा रहे हैं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को ऊर्जा देने वाला यह विशाल बांध स्थानीय जनता के लिए अभिशाप बन चुका है। हजारों परिवार उजड़ गए, लेकिन पुनर्वास तक नहीं मिला। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन पाकिस्तान करता है, लेकिन उसका लाभ स्थानीय जनता को नहीं मिलता। यही कारण है कि यह आंदोलन अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि अस्तित्व और सम्मान की लड़ाई बन गया है।

पाकिस्तान ने तथाकथित विधानसभा और संविधान का ढांचा तो खड़ा किया, लेकिन असली सत्ता हमेशा इस्लामाबाद और रावलपिंडी के हाथों में रही। वहां की विधानसभा महज कठपुतली संस्था बनकर रह गई है। हाल ही में आरक्षित सीटों को लेकर आए फैसले ने जनता के गुस्से को और भड़का दिया। इन सीटों के जरिये पाकिस्तान अपनी पसंद की सरकारें थोपता है और कश्मीरी आवाजों को कुचल देता है। यही कारण है कि लोग अब खुलकर कह रहे हैं कि पाकिस्तान उन्हें नागरिक नहीं, गुलाम समझता है।

स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि पाकिस्तान ने संयुक्त आवामी एक्शन कमेटी को प्रतिबंधित कर दिया है। इसके नेताओं के सिर पर इनाम घोषित किए गए हैं। पत्रकारों को गिरफ्तार किया जा रहा है, मीडिया पर सेंसरशिप थोप दी गई है और इंटरनेट बंद कर सच्चाई छिपाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन दमन जितना बढ़ रहा है, जनआक्रोश उतना ही उग्र हो रहा है। ब्रिटेन और अमेरिका में बसे कश्मीरी प्रवासियों ने भी पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। यह वही प्रवासी समुदाय है जिसे पाकिस्तान वर्षों तक भारत विरोधी प्रचार के लिए इस्तेमाल करता रहा। मगर अब वही लोग इस्लामाबाद के दमन के खिलाफ दुनिया को सच बता रहे हैं। पाकिस्तानी सेना ने पीओके के लोगों के साथ जो बर्बरता की है उसके खिलाफ गुस्सा इतना ज्यादा है कि लोग नारे लगा रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना को कुत्ता कहना कुत्ते की तौहीन है। चाहा।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह पाकिस्तान के लिए बेहद खतरनाक स्थिति है। यह संकट उसे सीधे 1971 की याद दिला रहा है, जब दमन और सैन्य बल के सहारे पूर्वी पाकिस्तान को दबाने की कोशिश ने अंततः बांग्लादेश के निर्माण का रास्ता खोला था। आज पीओके में भी वही हालात दिखाई दे रहे हैं। जनता का भरोसा टूट चुका है और पाकिस्तान केवल बंदूक के दम पर कब्जा बनाए रखना चाहता है। लेकिन इतिहास गवाह है कि भय के सहारे किसी क्षेत्र को लंबे समय तक नियंत्रित नहीं रखा जा सकता।

उधर, भारत के लिए यह स्थिति सामरिक और कूटनीतिक दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। जमीनी हकीकत यह है कि वैसे तो पूरा जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है लेकिन पीओके में पाकिस्तान का कब्जा अवैध है। अब जब वहां की जनता खुद पाकिस्तान के खिलाफ उठ खड़ी हुई है और भारत के साथ मिलने की बातें मुखर होने लगी हैं तो सवाल उठता है कि भारत को क्या पीओके में सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए? इस सवाल पर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ बंटे हुए नजर आ रहे हैं। कई विश्लेषकों का कहना है कि सीधे हस्तक्षेप की बजाय भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के मानवाधिकार उल्लंघनों को और आक्रामक तरीके से उठाना चाहिए। उनका कहना है कि भारत को संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय देशों और वैश्विक मानवाधिकार संगठनों के सामने यह प्रश्न मजबूती से रखना होगा कि आखिर पाकिस्तान किस नैतिक आधार पर कश्मीर की बात करता है, जब उसके कब्जे वाले क्षेत्र में जनता को जीने तक का अधिकार नहीं है।

कुछ विश्लेषकों का यह भी कहना है कि यदि भारत ने पीओके में सीधे हस्तक्षेप किया तो यह सीधे सैन्य दखल के रूप में देखा जाएगा और यह दो परमाणु शक्तियों के बीच संघर्ष का खतरा बढ़ा सकता है। वैसे भी पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद और उकसावे की नीति अपनाता रहा है इसलिए वह किसी भी प्रत्यक्ष कार्रवाई को युद्ध का बहाना बना सकता है। इसलिए भारत को अत्यंत संतुलित लेकिन दृढ़ रणनीति अपनानी होगी।

विश्लेषकों का कहना है कि भारत के पास कई विकल्प हैं। जैसे पीओके की जनता के साथ मानवीय और सामाजिक संपर्क बढ़ाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को घेरना, सीमा पर सुरक्षा और सतर्कता बढ़ाना क्योंकि पाकिस्तान ध्यान भटकाने के लिए आतंकवादी घुसपैठ बढ़ा सकता है। साथ ही पीओके के लोगों के लिए राजनीतिक संदेश देना होगा कि भारत उन्हें अपना नागरिक मानता है और उनके अधिकारों के साथ खड़ा है। विश्लेषकों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पीओके के लिए आरक्षित 24 सीटों को सक्रिय राजनीतिक प्रक्रिया से जोड़ने पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

बहरहाल, फिलहाल भारत के लिए सबसे प्रभावी रास्ता यही है कि वह धैर्य, कूटनीति और रणनीतिक दबाव का संयोजन अपनाए। पीओके में जो आग भड़की है, वह केवल आर्थिक संकट का परिणाम नहीं, बल्कि दशकों के दमन, शोषण और राजनीतिक अपमान का विस्फोट है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी समस्या यह है कि अब उसका झूठ उसके अपने कब्जे वाले क्षेत्र में ही टूट रहा है। जिस जमीन को वह कश्मीर की आजादी का प्रतीक बताता था, वहीं की जनता आज उसके खिलाफ आजादी की आवाज बुलंद कर रही है। हालात साफ संकेत दे रहे हैं कि आने वाले समय में पीओके का भारत के साथ स्वाभाविक जुड़ाव और तेज हो सकता है। स्थानीय जनता जिस तरह पाकिस्तान के खिलाफ आरपार की लड़ाई के मूड में दिखाई दे रही है, उससे स्पष्ट है कि इस्लामाबाद के लिए अब केवल बंदूक और दमन के सहारे वहां अपनी पकड़ बनाए रखना आसान नहीं रहेगा। स्थानीय जनता के भीतर पाकिस्तान विरोधी भावना लगातार गहरी हो रही है। यदि पाकिस्तान ने अपनी दमनकारी नीतियां नहीं बदलीं, तो वह दिन दूर नहीं जब पीओके की जनता खुद पाकिस्तान के कब्जे को खुली चुनौती देते हुए भारत के साथ खड़े होने का रास्ता चुन सकती है।

संपादकीय

निरंकुशता के निशाने

खाड़ी में ईरान की नाकेबंदी की कवायद के दौरान अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों का मारा जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। जिसको लेकर देश में गम व गुस्सा व्याप्त है। यूं तो कहा जाता रहा है कि भारत अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है और क्वॉड जैसे संगठनों में भूमिका निभा रहा है, तो फिर लगातार भारत के हितों पर कुठाराघात क्यों किया जा रहा है? भले ही अमेरिका ईरान की तेल निर्यात से होने वाली आय रोकने व युद्ध समाप्त करने हेतु समझौते के लिये दबाव बनाने हेतु ये आक्रामक नीति अपना रहा हो। लेकिन जिन देशों का युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है, उनके नागरिकों को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? हाल में भारतीय चालक दल वाले तीन टैंकरों को अमेरिकी सेना द्वारा निशाना बनाया गया है। इसमें से, ओमान की खाड़ी में एक जहाज पर हुए हमले में भारतीय चालक दल के तीन सदस्य मारे गये हैं। जिससे भारत व अमेरिका के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। वैसे औपचारिक विरोध दर्ज करते हुए भारत ने दिल्ली में एक अमेरिकी राजनयिक को तलब भी किया है। इसके बावजूद भारत के खिलाफ लगातार नकारात्मक रवैया दर्शाने वाले अमेरिका के खिलाफ सख्त स्टैंड लेने की मांग की जा रही है। इसके बावजूद कि भारत क्वॉड में अमेरिका का साझेदार है। विडंबना यह भी है कि जो सूत्रधार संगठन के जरिये समुद्री आवाजाही को स्वतंत्र बनाने की बात करता है, वही अमेरिका इसमें बाधक बना है। भले ही अमेरिका इन जहाजों के प्रतिबंधित होने की बात कहे, या जहाज भारतीय न हों, लेकिन उनमें चालक दल के सदस्य तो भारतीय थे। इसकी जानकारी स्वाभाविक रूप से अमेरिका के खुफिया तंत्र को जरूर रही होगी। अमेरिका को सार्वजनिक रूप से भारतीय नाविकों के मारे जाने पर खेद जताना चाहिए। निश्चय ही भारत के निकट के समुद्री क्षेत्र में अमेरिका का निरंकुश व्यवहार निंदनीय है। कूटनीतिज्ञ विशेषज्ञ कह रहे हैं कि भारत को इस मुद्दे को सख्ती से अमेरिका के सामने उठाना चाहिए था।

चिंतन-मनन

धर्म का मूल केंद्र है वर्तमान

धर्म जगत ने धर्म को केवल परलोक के साथ जोड़कर भारी भूल की है। इसका परिणाम यह हुआ कि धर्म का असली प्रयोजन तिरोहित हो गया। वह स्वर्ग-सुखों के प्रलोभन और नरक-दुख के भय से जुड़ गया। हर धर्म-प्रवर्तक ने धर्म को जीवन से जोड़ा, किंतु धर्म-परंपराओं ने उसे स्वर्ग और नरक से जोड़ दिया। धर्म का मूल केंद्र वर्तमान है न कि भूत और भविष्य। हम वर्तमान क्षण को कैसे जियें, धर्म का सारा दर्शन इसी पर टिका हुआ है। वर्तमान विषम है तो भविष्य भी विषम होगा। यदि वर्तमान सम और सुखमय है तो भविष्य भी सम और सुखमय ही होगा। यानी भविष्य वैसा ही होगा जैसा वर्तमान है। इसीलिए धर्म का असली प्रयोजन वर्तमान को सजाने-संवारने का है।

इस केंद्रीय विचार से भटक जाने के कारण धर्म भूत और भविष्य में उलझ गया। वर्तमान को उसने बिल्कुल ही भुला दिया। इसलिए लोगों ने वर्तमान को केवल अतीत का परिणाम मान लिया। इससे भाग्यवाद की विचारधारा का जन्म हुआ। भाग्य को बदला नहीं जा सकता, इसलिए वे वर्तमान से विमुख हो गए और भविष्य की चिंता में पड़ गए। जिसके पास कोठी, महंगी कार और विदेशों में छुट्टी मनाने के साधन हैं, वे अतीत के परिणाम हैं। जो वैभव-संपन्न नहीं हैं, वे जप-तप में इसलिए लगे हैं ताकि भविष्य में भी साधन-संपन्न बन सकें। ऐसे में धर्म का पूरा उद्देश्य ही बदल गया। जो आत्म-केंद्रित था, वह वस्तु-केंद्रित हो गया। जो वस्तु-विमुख था, वह वस्तु-सम्मुख बन गया। इसी विचार के फलस्वरूप धर्म के नाम पर व्यापार और सौदेबाजी चलने लगी। जहां भी प्रलोभन और भय है वहां धर्म नहीं है। धर्म है आत्म उज्ज्वलता का साधन। धर्म है सोई हुई शक्तियों के पुनर्जागरण का उपादान। वह है आत्म-स्वभाव में रमण। धर्म ही है आत्म शांति और विश्व शांति का एकमात्र साधन। वर्तमान जीवन को आनंदपूर्ण बनाने का गुर। भगवान महावीर ने कहा है- आत्मा ही नरक है, आत्मा में ही स्वर्ग है, आत्मा में ही बंधन है, आत्मा में ही मोक्ष है। जिसके भीतर नरक नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी नरक नहीं। जिसके भीतर स्वर्ग नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी स्वर्ग नहीं। महावीर ने भीतर पर जोर दिया जबकि हम बाहर पर जोर दे रहे हैं। बाहर के स्वर्ग और नरक की चिंता में उलझे हैं। इसी चिंतन का दुष्परिणाम यह हुआ कि बाहर से जप-तप, पूजा-पाठ चल रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ छल-कपट, झूठ, शोषण, राग-द्वेष, नफरत भी चल रहे हैं। यानी धर्म करते हुए भी जीवन में कोई परिवर्तन नहीं है, कोई क्रांति नहीं है। इसी वजह से जीवन की शांति गायब हो गई। शांति वर्तमान में ही घटित हो सकती है। इसलिए हम अपने को वर्तमान से जोड़ें, उसे सजाएं-संवारें, संगीतमय और आनंदमय बनाएं। यही धर्म है।

घर के कामकाज और जिम्मेदारी को संभालेंगे रोबोट

रतन जैन

तकनीकी अब घर-घर में पहुंचने की तैयारी में है। दुनिया में इस समय एआई का बोलबाला है। सारी दुनिया के देशों में एआई तकनीकी पर आधारित रोबोट बनाए जा रहे हैं। हर देश में यह रोबोट अपने-अपने तरीके से परंपरागत रूप से काम करने की तकनीकी सीख रहे हैं। इन्हें इंसानों के बीच में किस तरह से किस देश में काम होते हैं उसकी जानकारी देकर रोबोट को इस बात के लिए तैयार कर रहे हैं कि वह समाज की जरूरत पर पूरी तरह से कारगर हो। भारत में जो रोबोट तैयार किये जा रहे हैं उन्हें कारखाने और घरेलू कामकाज के लिए तैयार किया जा रहा है। कारखाने में जिस तरह से मजदूर काम करते हैं उन्हीं कामों को अब रोबोट से कराने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके साथ ही घरेलू कामकाज में परंपरागत तरीके से रोबोट अपना काम कर सकें इसके लिए उन्हें रोटी बनाना, सब्जी बनाना, यहां तक कि किस सब्जी में कितने मसाले का उपयोग करना है, घर के कामकाज में कपड़े धोने से लेकर वैक्यूम चलाकर घर की साफ सफाई करना, साइकिल चलाना, सड़क पार करना, कपड़ों पर प्रेस करना और पौधों को पानी देने के साथ ही साथ पौधों का रखरखाव करने जैसे काम करने वाले रोबोट तैयार किए जा रहे हैं। इसके लिए लगातार प्रयास शुरू हो गए हैं। इसे देखते हुए संभावना व्यक्त की जा रही है कि साल-दो-साल में भारत के प्रमुख शहरों में कामकाजी रोबोट के शोरूम खुल जाएंगे।

रोबोटिक में इमिटेशन लर्निंग के सटीक कार्यों की जानकारी के लिए जो कुशल मजदूर हैं और गृहणी के रूप में जो महिलाएं काम कर रही हैं वह अपने वीडियो तैयार करके कंपनियों को उपलब्ध करा रहे हैं। इससे उन्हें कमाई भी हो रही है और रोबोट तैयार करने वाले इंजीनियरों को रोबोट और सॉफ्टवेयर तैयार करने में मदद मिल रही है। इस कार्य को करने के लिए जो वीडियो बनाकर कमाई शुरू हुई है उसमें कामगार को अपने काम को व्यवस्थित रूप से करने और बारीकी से उसे समझाने में मदद मिल रही है। इसी तरह से घरेलू काम के लिए घरेलू महिलाओं और घरेलू कामकाज करने वाली कामगार की सहायता ली जा रही है। रील और वीडियो के माध्यम से यह एक नया रोजगार बन रहा है जो सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी तेजी के साथ प्रचलित होता चला जा रहा है। घरेलू कामगारों के लिए कम से कम 30 मिनट का वीडियो तैयार करना होता है, इस वीडियो का उपयोग जो भी कंपनी करती है, वो उसका भुगतान भी करती है। इसी तरह से मजदूर जो भवन निर्माण एवं अन्य कार्मों में लगे हुए हैं वह अपने-अपने काम और अनुभव के आधार पर वीडियो तैयार कर रहे हैं, इससे उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी कमाई हो रही है।

सबसे बड़ी बात यह है अलग-अलग क्षेत्र के लिए अलग-अलग भाषा में काम करने वाले कामगार रोबोट तथा घरेलू कामकाज के लिए रोबोट तैयार करने का सिलसिला भारत में बड़ी तेजी के साथ चल पड़ा है। आने वाले दिनों में अब एआई तकनीकी से तैयार रोबोट बड़ी मात्रा में बिकने के लिए उपलब्ध होंगे, जो कंपनियां रोबोट तैयार कर रहे हैं वह इस बात पर विशेष ध्यान दे रही हैं। जो रोबोट तैयार हों वह विभिन्न भाषा में, विभिन्न संस्कृति के अनुसार, कारखाने और घरेलू कामकाज के लिए पूरी तरह से काम कर सकें। आने वाले दिनों में झाड़ू-पोछा से लेकर रोटी बनाने, बुजुर्गों को टहलाने, बच्चों को खिलाने, बागवानी करने और अन्य काम अब घर घर में रोबोट करते हुए देखे जा सकेंगे। जिस तरह से एआई तकनीकी के माध्यम से परिवर्तन आ रहे हैं उसको देखते हुए यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि करोड़ों लोग जो मजदूरी और घरों के कामकाज में रोजगार प्राप्त करते थे वह बेरोजगार हो सकते हैं।

यह एक बड़ी आशंका भारत सहित दुनिया के सभी देशों को परेशान कर रही है। लेकिन तकनीकी का विकास अपनी जगह है, इसके साथ तालमेल बिठाकर काम करने की जरूरत है। यह सबसे बड़ी चुनौती है, जिसके कारण सारी सामाजिक व्यवस्था और संस्कृति प्रभावित होने जा रही है। भारत सरकार अभी इस संबंध में कोई कानून लेकर नहीं आई है। किस तरह से सामाजिक, आर्थिक रूप से यह परिवर्तन लोगों को प्रभावित करेगा इसको लेकर भारत से दुनिया के सभी देशों में चिंता देखने को मिल रही है। तकनीकी का विकास पारिवारिक एवं आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। तकनीकी का अंधाधुंध विकास सामाजिक व्यवस्था को पूरी तरह से प्रभावित कर सकता है। इसका ध्यान रखने की जरूरत है।

श्रीमद्भगवद्गीता श्रृंखलाः अध्याय - 5 (कर्मसंन्यास योग)

घर छोड़ना या अहंकार छोड़ना? जब श्री कृष्ण ने सुलझाई त्याग और कर्म की कशमकश!

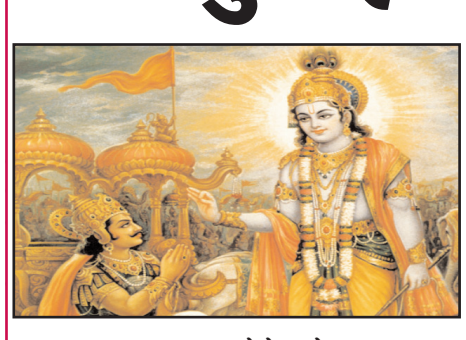

महानगर मेट्रो ब्यूरो

क्या सच्चा साधु बनने के लिए हिमालय जाना जरूरी है? क्या संसार की जिम्मेदारियों को छोड़ देना ही मुक्ति का एकमात्र रास्ता है? पछले अध्याय में हमने देखा कि ज्ञान की तलवार से संशय (शंका) को काट देना है। लेकिन अर्जुन, हमारी ही तरह, फिर से उलझन में पड़ जाता है। उसके मन में सवाल उठता है, 'हे कृष्ण! एक तरफ आप कर्मों का त्याग (संन्यास) करने को कहते हैं और दूसरी तरफ कर्म करने की बात करते हैं। इन दोनों में से श्रेष्ठ क्या है? हम भी अक्सर ऐसी ही दुविधा में जीते हैं। सोशल मीडिया पर दूसरों का 'वेकेशन मोड' देखकर या ऑफिस के काम के बोझ से तंग आकर हमें लगता है कि 'सब कुछ छोड़कर कहीं भाग जाएं!' लेकिन श्रीकृष्ण इस अध्याय में समझाते हैं कि सच्चा संन्यास भागने की प्रवृत्ति (पलायनवाद) नहीं, बल्कि एक आंतरिक कला है। कृष्ण अर्जुन से बहुत स्पष्ट शब्दों में कहते हैंः 'कर्म का संन्यास (सब कुछ छोड़ देना) और कर्मयोग (अनासक्त होकर कर्म करना) ये दोनों ही परम कल्याण करने वाले हैं। लेकिन इन दोनों में कर्मसंन्यास की तुलना में कर्मयोग श्रेष्ठ है। भगवान समझाते हैं कि जो व्यक्ति न तो किसी से द्वेष करता है और न ही कोई आकांक्षा (इच्छा) रखता है, वह घर में रहकर, संसार के सारे कार्य करते हुए भी नित्य संन्यासी ही है। सच्चा त्याग कपड़े बदलने में नहीं, बल्कि मन का दृष्टिकोण बदलने में है। दीये की लौ और हवाः तटस्थता का नया गणित जब हम संसार में काम करते हैं, तो हमारा मन इच्छाओं और उम्मीदों की हवा से लगातार डगमगाता रहता है। मान लीजिए कि एक कांच की लालटेन के अंदर दीया जल रहा है। बाहर चाहे कितनी भी तेज आंधी या तूफान चल रहा हो, लेकिन कांच की दीवार के कारण अंदर की लौ स्थिर रहती है, वह जरा भी नहीं डगमगाती। हमारा जीवन भी ऐसा ही होना चाहिए। आस-पास कितनी भी भागदौड़, नकारात्मकता या प्रशंसा की हवा चल रही हो, लेकिन हमारी आंतरिक शांति परमात्मा के स्मरण रूपी 'कांच के कवच' से सुरक्षित होनी चाहिए। कर्म कीजिए, लेकिन बाहर के वातावरण को अपनी आंतरिक स्थिरता डिगाने मत दीजिए।

समदर्शी बुद्धिः सोने की जंजीर और लोहे की बेड़ी

इस अध्याय में कृष्ण समदृष्टि की बात करते हैं। हम अक्सर अच्छे परिणाम से बहुत खुश हो जाते हैं और बुरे परिणाम से टूट जाते हैं। बेड़ी (हथकड़ी) लोहे की हो या सोने की, वह इंसान को बांधकर ही रखती है। लोहे की बेड़ी यानी दुःख और सोने की बेड़ी यानी सुख और अहंकार। सच्चा ज्ञानी वही है जो समझता है कि दोनों **अंततः** बंधन ही हैं। इसीलिए, कृष्ण कहते हैं कि सच्चा ज्ञानी पुरुष एक विद्वान ब्राह्मण, गाय, हाथी, कुत्ते और चांडाल सब में एक ही परमात्मा के अंश को देखता है। जब आप सामने वाले व्यक्ति के पद, प्रतिष्ठा या जाति को नहीं, बल्कि उसके भीतर की इंसानियत को देखते हैं, तब आपके आधे प्रश्न अपने आप सुलझ जाते हैं।

काम-क्रोध के वेग को जीतनाः समुद्र और नदियों का गूढ़ रहस्य

इस अध्याय के 23वें श्लोक में कृष्ण कहते हैं कि जो व्यक्ति इस शरीर में रहते हुए ही, शरीर छूटने (मृत्यु) से पहले काम और क्रोध से उत्पन्न होने वाले वेग को सहन करने में समर्थ हो जाता है, वही सुखी है। विचार कीजिए, मानसून में देश भर की नदियां अपने पूरे उफान और वेग के साथ समुद्र में जाकर मिलती हैं। लेकिन समुद्र उन सभी नदियों के वेग को अपने भीतर समाहित कर लेता है, फिर भी वह अपनी मर्यादा नहीं छोड़ता और न ही उफनकर बाहर आता है। हमारा मन भी इसी समुद्र की तरह गंभीर होना चाहिए। दैनिक जीवन में अपमान, गुस्सा या इच्छाओं की नदियां हमारे मन में बहकर आएंगी, लेकिन हमें समुद्र की तरह शांत रहकर उस वेग को पचा लेना है, बाहर उफनकर किसी का नुकसान नहीं करना है। सुख का सच्चा सोर्स कहां है? हम सभी बाहरी चीजों में सुख ढूंढ रहे हैं। लेकिन कृष्ण कहते हैं कि बाहरी विषयों से मिलने वाला सुख तो क्षणभंगुर (नष्ट होने वाला) है और वही दुःख का कारण भी है। सच्चा और स्थायी सुख तो हमारे भीतर ही है। अध्याय के अंत में कृष्ण हमें आंतरिक शांति का परम मंत्र देते हैं कि भगवान को अपना परम मित्र (सुहृद) मानकर सब कुछ उन्हें अर्पित कर देना चाहिए। सब कुछ छोड़कर जंगल में जाने की जरूरत नहीं है। घर में रहकर, अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाते हुए, बस परिणाम की चिंता ईश्वर पर छोड़ देना ही सच्चा 'कर्मसंन्यास' है। (क्रमशःआगामी अध्याय 6 में हम समझेंगे 'आत्मसंयम योग'– मन को कंट्रोल कैसे करें? सोशल मीडिया और डिस्ट्रैक्शन के जमाने में मन की एकाग्रता का साइंस।)

दर्शना पटेल स्पोर्ट्स टीचर।
(नेशनल अवार्ड से सम्मानित)

कानपुर जेल में बंदी से मारपीट, डिप्टी जेलर और हेड वार्डर पर हुई कार्रवाई, दोनों सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। जेल से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जेल में बंद बंदी से मारपीट के मामले में डिप्टी जेलर और हेड वार्डर को निलंबित कर दिया गया। डीजी जेल प्रेमचंद्र मीणा ने दोनों के खिलाफ यह कार्रवाई की है। जेल अधीक्षक राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि बंदी सिराज को पिछले महीने प्रशासनिक आधार पर फतेहपुर जिला कारागार से कानपुर जेल भेजा गया था। आरोप है कि बुधवार को डिप्टी जेलर राजेंद्र कुमार मिश्रा और जेल हेड वार्डर श्याम किशोर तिवारी ने सिराज के साथ गाली गलौच करते हुए उसके साथ मारपीट की थी। घटना को छिपाया गया, जिसकी जानकारी उन्हें अन्य कर्मचारियों से मिली। उन्होंने मामले की जांच कराई।

डिप्टी जेलर-हेड वार्डर निलंबित

जिसमें प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए। जेल अधीक्षक ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर डीजी जेल ने डिप्टी जेलर राजेंद्र कुमार मिश्रा और हेड वार्डर श्याम किशोर त्रिपाठी को निलंबित कर दिया गया। निलंबन के दौरान दोनों कर्मचारियों को विभागीय नियमों के अनुसार मुख्यालय से संबद्ध रखा जाएगा।

विभागीय जांच शुरू

इस मामले में विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस प्रकरण को को शासन ने गंभीरता से लिया है। जिम्मेदारों की तरफ से इस तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक इस मामले की एक रिपोर्ट फतेहपुर जेल भी भेजी जाएगी।

पुलिस कस्टडी में मर्डर! शिवपुरी की युवती की होटल में हत्या, आरोपी प्रेमी ने खुद का भी काटा गला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। जिले से जुड़े एक प्रेम प्रसंग ने दर्दनाक मोड़ ले लिया. घर से भागे प्रेमी-प्रेमिका को पुलिस ने गुजरात के राजकोट से बरामद कर लिया था, लेकिन उन्हें वापस शिवपुरी लाने के दौरान ऐसी घटना हुई जिसने सभी को स्तब्ध कर दिया. आरोप है कि प्रेमी ने होटल के कमरे में प्रेमिका का गला काटकर हत्या कर दी और बाद में खुद का भी गला काट लिया. दरअसल, यह मामला शिवपुरी जिले के देहात थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरसमा का है. यहां रहने वाली रजनी धाकड़ 8 जून 2026 को संतोष जाटव नामक युवक के साथ घर छोड़कर चली गई थी. युवती के परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट देहात थाने में दर्ज कराई थी गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की. मोबाइल फोन की लोकेशन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को पता चला कि दोनों गुजरात में हैं. इसके बाद शिवपुरी पुलिस की टीम गुजरात के राजकोट पहुंची और दोनों को बरामद कर लिया. पुलिस के साथ युवती का भाई भी गुजरात गया था. बरामदगी के बाद पुलिस टीम दोनों को अपने साथ शिवपुरी लेकर लौट रही थी. लंबा सफर होने के कारण रास्ते में रुकने का फैसला किया गया. जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम गुजरात के गांधीनगर क्षेत्र में उदयपुर एक्सप्रेस-वे पर स्थित एक होटल में ठहरी थी. देर रात सभी लोग अपने-अपने कमरों में चले गए. बताया जा रहा है कि 11 जून की रात करीब 2 बजे अचानक होटल से चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनाई दीं. आवाज सुनकर पुलिसकर्मी और अन्य लोग मौके की ओर दौड़े. कमरे का दरवाजा खुलते ही सामने आया खौफनाक मंजर जब पुलिस टीम कमरे में पहुंची तो वहां का दृश्य बेहद भयावह था. रजनी धाकड़ खून से लथपथ हालत में पड़ी थी और उसका गला कटा हुआ था. वहीं, संतोष जाटव भी गंभीर रूप से घायल मिला. प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, संतोष ने किसी धारदार हथियार से पहले रजनी पर हमला किया और उसका गला काट दिया. इसके बाद उसने खुद का भी गला काटकर आत्महत्या का प्रयास किया. घटना के बाद दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया. डॉक्टरों ने रजनी को मृत घोषित कर दिया, जबकि संतोष की हालत गंभीर होने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया. गुजरात पुलिस कर रही मामले की जांच घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई. होटल और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं. मामले की जांच गुजरात पुलिस द्वारा की जा रही है. शिवपुरी के एडिशनल एसपी संजीव मूल ने बताया कि देहात थाना पुलिस टीम गुमशुदा युवक-युवती की बरामदगी के लिए राजकोट गई थी. वापसी के दौरान होटल में यह गंभीर घटना घटित हुई. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है.

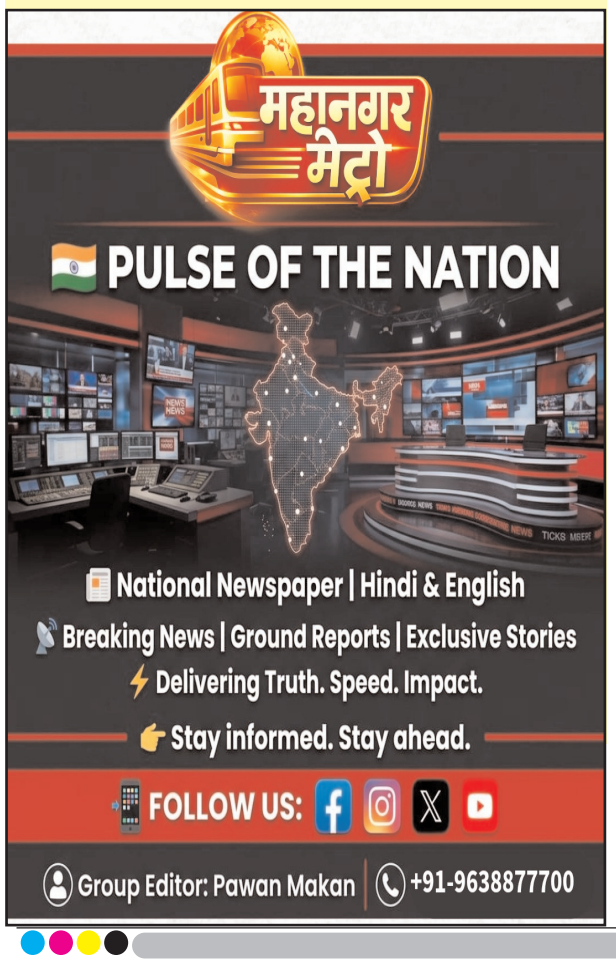

खरगोन में फूटी मुख्य पानी की पाइपलाइन, 40 फीट ऊंचा उठा फव्वारा, 15 हजार लोग परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। शहर में जलावर्धन योजना के तहत पेयजल आपूर्ति करने वाली मुख्य पाइपलाइन शुक्रवार शाम अचानक फूट गई। औरंगपुरा मार्ग पर स्थित कुंदा नदी पुल के पास हुए इस हादसे के बाद करीब 40 फीट ऊंचा पानी का फव्वारा छूटने लगा। तेज दबाव के कारण लगभग एक घंटे तक लाखों लीटर शुद्ध पेयजल व्यर्थ बह गया। इस घटना से शनिवार को शहर के कई प्रमुख इलाकों में जलापूर्ति पूरी तरह बाधित रहने की आशंका है।

150 हॉर्सपावर के पंपिंग सिस्टम में आया रिसाव

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब 4:30 बजे रहीमपुरा ओवरहेड टैंक को पानी सप्लाई करने वाली मुख्य राइजिंग पाइपलाइन अचानक क्षतिग्रस्त हो गई। यह पाइपलाइन 150 हॉर्सपावर की भारी-भरकम पंपिंग प्रणाली से जुड़ी हुई है, जिसके कारण पानी का प्रेशर बेहद तेज था। घटना की सूचना मिलते ही नगर पालिका और जेएमसी कंपनी के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर पंपिंग बंद कराई और स्थिति पर काबू पाया।

इन 4 प्रमुख इलाकों में मचेगा हाहाकार

इस मुख्य पाइपलाइन के जरिए रहीमपुरा स्थित ओवरहेड टैंक में पानी भरा जाता है, जहां से शहर के ओरंगपुरा, रहीमपुरा, सुखपुरी और दमखेड़ा क्षेत्रों में पेयजल का वितरण होता है। पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त होने से इन क्षेत्रों के करीब 15 हजार रहवासियों के सामने पानी का संकट खड़ा हो गया है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि शनिवार को इन सभी इलाकों में पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी। कपलिंग जॉइंट की रबर शीट फटने से हुआ हादसा नगर पालिका खरगोन के जलप्रदाय शाखा प्रभारी संजय सोलंकी ने बताया कि पुराने कुंदा पुल के पास स्थित लगभग 173 मीटर लंबी मुख्य पाइपलाइन के कपलिंग जॉइंट के पास लगी रबर शीट डैमेज हो गई थी, जिसकी वजह से यह बड़ा रिसाव हुआ। उन्होंने बताया कि शुक्रवार का कोटा टैंक में भर दिया गया था.

'प्यार साबित करने के लिए लड़कों को जान देनी पड़ती है', GF समेत 5 का नाम बता युवक ने की खुदकुशी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। इंदौर के नंदा नगर क्षेत्र से एक बेहद दुखद और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां किराए के मकान में रहने वाले एक 25 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। आत्मघाती कदम उठाने से पहले युवक ने एक बेहद भावुक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने समाज और व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज के दौर में लड़के सुरक्षित नहीं हैं और उन्हें अपना प्यार साबित करने के लिए जान तक गंवानी पड़ती है। घटना की सूचना मिलते ही परदेशीपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

उज्जैन का रहने वाला था मृतक

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान लविश लश्करी के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उज्जैन

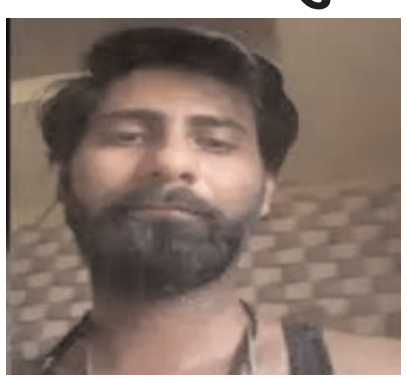

का निवासी था और इंदौर में रहकर ड्राइवर के रूप में काम करता था। शुरुआती जांच और परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक, लविश का खंडवा की रहने वाली एक युवती के साथ पिछले दो साल से प्रेम संबंध चल रहा था। दोनों के बीच रिश्ता काफी गहरा था।

मोबाइल छीनने का आरोप

लविश ने अपने आखिरी वीडियो में बताया कि वह करीब डेढ़ साल तक अपनी प्रेमिका के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहा था। हालांकि, कुछ समय पहले युवती के परिजनों को इस रिश्ते की भनक लग गई, जिसके बाद वे युवती को जबरन अपने साथ घर ले गए। युवक का आरोप है कि परिजनों ने प्रेमिका का मोबाइल फोन भी छीनकर अपने पास रख लिया था, जिससे दोनों के बीच बातचीत और संपर्क पूरी तरह टूट गया। इस अचानक आई दूरी के कारण लविश गंभीर मानसिक तनाव का शिकार हो गया था। लविश ने फंदा लगाने से ठीक पहले रिकॉर्ड किया गया यह वीडियो अपने भाई को व्हाट्सएप पर भेजा था। वीडियो में उसने अपनी प्रेमिका, उसकी बहन, भाई और दो अन्य रिश्तेदारों के नाम साफ तौर पर लिए हैं और उन्हें अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है

दो पत्नियां, गोलियों की आवाज और किले में अफरा-तफरी... सतना के राजघराने में बवाल की कहानी

एक राजघराना, दो पत्नियां, सालों पुराना विवाद और फिर गढ़ी के भीतर गूंजती गोलियां... मध्य प्रदेश के सतना में नागौद राजघराने की परसमनिया गढ़ी से ऐसी कहानी सामने आई है,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सतना। राजघरानों की कहानियां आमतौर पर शानो-शौकत, विरासत और सत्ता की चर्चा से शुरू होती हैं. लेकिन मध्य प्रदेश के सतना जिले की परसमनिया गढ़ी में 12 जून की दोपहर जो हुआ, उसकी कहानी कुछ और है. यहां चर्चा किसी समारोह की नहीं, बल्कि गोलियों की आवाज, चीख-पुकार और एक ऐसे पारिवारिक विवाद की हो रही है, जो अचानक खूनी संघर्ष में बदल गया. पुलिस के मुताबिक, घटना नागौद राजघराने से जुड़ी परसमनिया गढ़ी में हुई. दोपहर का वक्त था. गढ़ी के भीतर लोग अपने-अपने काम में लगे थे. यहां रूपेंद्र सिंह उर्फ बाबा राजा की पत्नी योगिता सिंह और कथित दूसरी पत्नी सुनीता सिंह के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था. योगिता सिंह अपने परिजनों के साथ गढ़ी पहुंची थीं. परिवार के भीतर चल रहे विवाद को सुलझाने की कोशिश हो रही थी. लेकिन बातचीत के दौरान माहौल बिगड़ गया. बहस बढ़ी, आरोप-प्रत्यारोप हुए और फिर हालात कंट्रोल से बाहर चले गए. इसी दौरान गोली चलने की घटना हुई और योगिता सिंह गंभीर रूप से घायल हो गईं.

एक के बाद एक गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी. कुछ लोग आवाज की दिशा में दौड़े, कुछ सहम गए और कुछ को समझ ही नहीं आया कि आखिर हुआ क्या है. कुछ ही देर में खबर फैल गई कि राजघराने से जुड़े परिवार में चल रहा पुराना विवाद अब गोलीकांड में बदल चुका है. कुछ लोगों ने घायल महिला को संभालने की कोशिश की तो कुछ ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी. दरअसल, यह कहानी 12 जून की दोपहर से शुरू नहीं होती. इसकी शुरुआत कई साल पहले हो चुकी थी. पुलिस और परिवार से मिली जानकारी के मुताबिक, नागौद राजघराने से जुड़े रूपेंद्र सिंह उर्फ बाबा राजा के परिवार में लंबे समय से तनाव चल रहा था. परिवार के भीतर रिश्तों को लेकर खींचतान, आरोप-प्रत्यारोप और विवाद की चर्चा पहले भी होती रही थी. इसी तनाव के बीच योगिता सिंह दो दिन पहले अपने परिजनों के साथ परसमनिया गढ़ी पहुंची थीं. मकसद था बातचीत के जरिए विवाद का कोई हल निकालना. लेकिन टकराव का माहौल बन गया था. परिजनों के मुताबिक, दोपहर करीब तीन बजे बातचीत शुरू हुई. कुछ लोग बीच-बचाव की कोशिश कर रहे थे.

अखिलेश यादव की बेटी पर सोशल पर जहर तो एक्शन में सीएम योगी, आदेश दिया- FIR दर्ज करो, ये बर्दाश्त नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी के मामले में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का बयान सामने आया है। आजमगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि बेटी का सम्मान होना चाहिए।

अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीः सीएम

सीएम ने आगे कहा कि बेटी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नही है,बेटी बेटी होती है,हम तो उस संस्कार में पले हैं,जहां कहा जाता है गांव की बेटी सबकी बेटी। सीएम योगी ने इसके साथ ही अखिलेश को नसीहत देते हुए कहा कि अखिलेश जी दूसरों को तो उपदेश देते हो,अपने चेले चपाटों को भी थोड़ा उपदेश देदो की अपनी भाषा को संयम कर लें।

अखिलेश को भी नसीहत

सीएम योगी ने कहा कि दूसरों के ऊपर टिप्पणी करने के पहले स्वयं भी सोचा करो कि उनके लोग किस प्रकार की भाषा का प्रयोग करते हैं,अपने लोगो को संस्कारित करें, उन्हें समझाओ,नही कर सकते तो उन्हें हमारे हवाले कर दो। बता दें कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी पुत्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभ्रद टिप्पणी का मामले में उत्तर प्रदेश के कानपुर के साइबर क्राइम थाने में FIR भी दर्ज की गई है। अदिति यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट किए जा रहे थे। अब पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को नामजद करते हुए जांच शुरू कर दी है।

AS सौम्या पांडेय बनीं बरेली विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष, कोरोना काल में बेटी को ऑफिस लाकर निपटाती थीं फाइलें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश सरकार अधिकारियों का लगातार तबादले कर रही है। इसी क्रम में बरेली विकास प्राधिकरण में उपाध्यक्ष और संभागीय खाद्य नियंत्रक के पद पर तैनात मणिकंदन ए. को वेटिंग लिस्ट में डाल दिया गया है। उनकी जगह कानपुर में अपर श्रमायुक्त रहीं सौम्या पांडेय को तैनात किया गया है। आईएएस मणिकंदन ए. अपनी सख्त कार्यशैली और शहर में अवैध निर्माण पर एक्शन के लिए जाने जाते थे। उन्होंने सीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट नाथ कारिडोर, रामायण वाटिका और ग्रेटर बरेली आवासीय योजना समेत अन्य प्रमुख विकास योजनाओं को बेहद कम समय में धरातल पर उतारा।2017 बैच की आईएएस हैं सौम्या पांडेय दूसरी ओर, सौम्या पांडेय 2017 बैच की आईएएस अफसर हैं। वह प्रयागराज की रहने वाली हैं। उन्होंने दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज से राजनीति विज्ञान से स्नातक की डिग्री ली। इसके बाद उन्होंने नेशनल लॉ ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी बेंगुलरु से पब्लिक पॉलिसी में मास्टर डिग्री ली। 2016 में उन्होंने यूपीएससी परीक्षा में ऑल इंडिया चौथी रैंक हासिल की।

सर्वश्रेष्ठ कलेक्टर का मिल चुका है पुरस्कार

सौम्या पांडेय की पहली नियुक्ति मथुरा जिले में सहायक कलेक्टर के रूप में हुई। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुण्वत्ता सुधारने पर विशेष जोर दिया। लोक प्रशासन में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 2020 में सर्वश्रेष्ठ कलेक्टर का पुरस्कार मिला। सौम्या पांडेय 2020 में गाजियाबाद के मोदीनगर में एसडीएम पद पर भी तैनात रह चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने एक बेटी को जन्म दिया। कोरोना महामारी के दौरान अपनी जिम्मेदारी समझते हुए उन्होंने महज 22 दिन बाद ही कार्यालय पहुंचकर ड्यूटी जॉइन कर ली। उनकी एक फोटो सामने आई थी जिसमें वह अपनी बेटी को गोद में लेकर काम करती दिखी थीं।

सहारनपुर में गोगा म्हाड़ी पर नया संग्राम... हिंदू संगठनों ने गोमूत्र फव्वारे लगाने की दी चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुर। जाहरवीर गोगा म्हाड़ी परिसर में स्थित गोरक्ष गंगा सरोवर को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है. गोगा म्हाड़ी सुधार सभा के अध्यक्ष अनिल प्रताप सैनी ने आज तक से बातचीत में कहा कि सरोवर को धार्मिक स्थल के बजाय मनोरंजन स्थल की तरह विकसित किया जा रहा है. उनका आरोप है कि इससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं. अनिल प्रताप सैनी ने कहा कि इस मामले को लेकर वह जिलाधिकारी से मिल चुके हैं और ज्ञापन भी सौंपा गया है. उनके अनुसार प्रशासन ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उचित कार्रवाई नहीं हुई तो गोगा म्हाड़ी के दोनों प्रवेश द्वारों पर गोमूत्र के फव्वारे लगाने की तैयारी की जाएगी. साथ ही गांव-देहात और आसपास के जिलों में बैठकों का दौर भी शुरू कर दिया गया है. गोमूत्र फव्वारे के साथ आंदोलन की चेतावनी सभा अध्यक्ष ने दावा किया

कि गोरक्ष गंगा एक ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व का सरोवर है, जहां वर्षों से मेला लगता आ रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि सरोवर की वर्तमान व्यवस्था से धार्मिक स्थल की पवित्रता प्रभावित हो रही है. सैनी ने कहा कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो गोगा म्हाड़ी सुधार सभा और विभिन्न हिंदू संगठन मिलकर बड़ा आंदोलन करेंगे. वहीं नगर निगम के मेयर डॉ. अजय सिंह से इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने विस्तृत टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें मामले की पूरी जानकारी नहीं है. सहारनपुर के जाहरवीर गोगा म्हाड़ी पर बने गोरख गंगा सरोवर पर मुसलमानों की एंट्री को लेकर गोगा माली सुधार सभा के अध्यक्ष अनिल प्रताप सैनी आज तक से बातचीत करते हुए बोले जिस तरीके से सरोवर को फन प्वाइंट बढ़ाने का काम किया गया है, इन पर अगर प्रशासन की तरफ से कार्यवाही नहीं हुई, तो गोगा म्हाड़ी के जो दोनों गेट हैं वहां पर गोमूत्र के फव्वारा लगाने की पूरी तैयारी हो चुकी है.

मामले में नगर निगम का बोलने से इनकार

इस संबंध में हम जिलाधिकारी से मिले थे और विज्ञापन दिया है. जिसको लेकर जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया है कि इस पर जल्द कार्रवाई शुरू करूंगा. इसी को लेकर हमने गांव देहात और अन्य जनपदों में अपनी बैठक शुरू कर दी है. अगर कोई एक्शन नहीं हुआ तो जल्द हम गोगा म्हाड़ी सुधा सभा और हिंदू संगठन सभी मिलकर एक बड़ा आंदोलन करेंगे. वह स्वच्छ कुंड नहीं ऐतिहासिक कुंड है जहां पर हजारों साल से मेला लगता आ रहा है.

सपा जिलाध्यक्ष के बयान से मचा बवाल, पार्टी को भंग करनी पड़ी कार्यकारिणी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में समाजवादी पार्टी के भीतर चल रहा विवाद अब एक बड़े फैसले तक पहुंच गया है. सपा जिलाध्यक्ष शराफत अली के कथित वायरल वीडियो को लेकर मचे घमासान के बीच पार्टी ने बड़ा कदम उठाया है. हरदोई की कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है. समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की ओर से जारी आदेश में जिला अध्यक्ष समेत सभी जिला पदाधिकारियों और पार्टी के अलग-अलग विंग की टीमों को समाप्त करने की बात कही गई है. यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब पार्टी के अंदर कथित टिप्पणी को लेकर नाराजगी बहुत बढ़ रही थी. दरअसल, हरदोई में सपा जिलाध्यक्ष शराफत अली का एक कथित वीडियो-ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सारा विवाद खड़ा हुआ. वीडियो में उन पर अपनी ही पार्टी की पूर्व सांसद ऊषा वर्मा, पूर्व विधायक राजेश्वरी देवी समेत

महिला नेताओं को लेकर कथित तौर पर अभद्र बातें करने का आरोप लगा. इसके अलावा फौज में भर्ती होने वाली बेटियों को लेकर भी एक कथित बयान सामने आने के बाद मामला काफी गरमा गया वायरल वीडियो के बाद ऊषा वर्मा मीडिया से बातचीत के दौरान भावुक हो गईं. उन्होंने कहा कि उनका परिवार वर्षों से समाजवादी आंदोलन से जुड़ा रहा है, ऐसे में महिलाओं और देश की रक्षा कर रही बेटियों को लेकर इस तरह की भाषा बेहद दुखद है. ऊषा वर्मा ने साफ कहा कि राजनीतिक मतभेद अलग बात है, लेकिन किसी महिला के सम्मान पर ऐसी टिप्पणी स्वीकार नहीं की जा सकती. उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले को पार्टी के सामने उठाया जाएगा और राष्ट्रीय अध्यक्ष तक शिकायत पहुंचाई जाएगी. पूर्व विधायक राजेश्वरी देवी ने भी इस कथित टिप्पणी को महिलाओं की गरिमा पर हमला बताते हुए कार्रवाई की मांग की है. वहीं सोशल मीडिया पर भी इस मामले को लेकर लोगों की तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है. हालांकि, सपा जिलाध्यक्ष शराफत अली ने अपने ऊपर लगे आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है.

दिल्ली में ई-वेस्ट से जंग की तैयारी, अब इस नए प्लान पर होगा काम; सरकार ने मांगे प्रस्ताव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी की दिल्ली सरकार इलेक्ट्रॉनिक कचरे (ई-वेस्ट) के निपटारे के लिए बनने वाले ई-वेस्ट इको पार्क को अब पीपीपी मॉडल पर विकसित करेगी। सरकार को इसपर कोई पैसा खर्च नहीं करना होगा। दिल्ली सरकार की दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड ने टेंडर जारी कर इसके लिए निजी कंपनियों से प्रस्ताव मांगे है। सूत्रों की मानें तो चयनित कंपनी को यह परियोजना 30 साल के लिए लीज पर दी जा सकती है।

दिल्ली में हर साल 2 लाख टन इलेक्ट्रॉनिक कचरा निकलता है

राजधानी दिल्ली में हर साल 2 लाख टन इलेक्ट्रॉनिक कचरा निकलता है। यह देश में निकलने वाले कुल इलेक्ट्रॉनिक कचरे का 9.5 पर्सेंट है। इसलिए तत्कालीन सरकार ने वर्ष 2022 में होलंबी कलां में 21 एकड़ क्षेत्र में ई-वेस्ट इको पार्क बनाने का फैसला किया था। उस समय कई कोशिशों के बाद भी डीडीए की ओर से पूरी जमीन उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण यह योजना लटकी रही। अब मौजूदा सरकार ने इसे 11.4 एकड़ में विकसित करने का फैसला किया है। डीडीए ने इसके लिए जमीन भी उपलब्ध करा दी है। DSIIDC के दस्तावेजों के मुताबिक, यह परियोजना PPP मॉडल पर विकसित की जाएगी। इसके तहत चयनित कंपनी ई-वेस्ट 2 लाख टन ई-वेस्ट दिल्ली में हर साल निकलता है। ई-वेस्ट मैनेजमेंट नियमों के तहत, पुराने मोबाइल, टीवी, फ्रिज और कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक कचरे को सुरक्षित तरीके से नष्ट और अलग किया जाएगा। जो उपकरण ठीक किए जा सकते हैं, उनकी मरम्मत करके उन्हें दोबारा उपयोग के लिए तैयार किया जाएगा।

जमानत के लिए कड़कड़डूमा कोर्ट पहुंचे शरजील इमाम और उमर खालिद, दिल्ली दंगा केस में बड़ा अपडेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। शरजील इमाम और उमर खालिद ने दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में जमानत के लिए दिल्ली की एक अदालत का दरवाजा खटखटाया है। यह मामला कड़कड़डूमा कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज डॉ. सुमेध सेठी के सामने आया है। इस केस की सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि दोनों आरोपियों की जमानत याचिका पर 4 जुलाई को सुनवाई होगी।

4 जुलाई को मामले पर सुनवाई

शरजील इमाम और उमर खालिद ने जमानत याचिकाएं तब दायर कीं, जब सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने उस व्याख्या पर सवाल उठाए, जिसके आधार पर शीर्ष अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। कड़कड़डूमा कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज डॉ. सुमेध सेठी ने शरजील इमाम और उमर खालिद की जमानत याचिकाओं पर नोटिस जारी करते हुए दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। अब इस मामले 4 जुलाई को सुनवाई होगी।

शरजील इमाम ने अर्जी में क्या कहा

शरजील इमाम की अर्जी में यह भी बताया गया है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से जमानत न देने के फैसले को 6 महीने से ज्यादा समय बीत गया है। इसके बावजूद, मुकदमे की कार्यवाही में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है और आरोपों पर बहस अभी भी अधूरी है। उन्होंने दलील दी है कि वे इस मामले में लगभग 6 साल से जेल में हैं। दिल्ली पुलिस ने सितंबर 2020 में उमर खालिद को गिरफ्तार किया था। उस पर आरोप है उमर खालिद के साथ शरजील इमाम और कई अन्य लोगों पर भी इसी मामले में साजिशकर्ता होने का आरोप है।

लोकसभा में टारगेट 360, शिंदे की शिवसेना में जा सकते हैं BT के छह सांसद, उद्धव ठाकरे की बढ़ी चिंता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

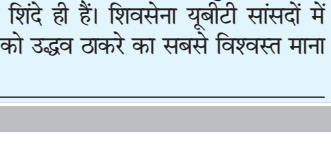

मुंबई। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस में बगावत ने महाराष्ट्र में पहले शिवसेना और फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की टूट के पुराने घटनाक्रमों को ताजा कर दिया है। चर्चा है कि कोलकाता से नई दिल्ली तक गरमाई राजनीति के बीच उद्धव ठाकरे को फिर से झटका लग सकता है। शिवसेना यूबीटी के 9 लोकसभा सदस्यों में करीब 6 सदस्य शिंदे के साथ जा सकते हैं। महाराष्ट्र में लंबे वक्त से ऑपरेशन टाइगर की चर्चा हो रही है लेकिन अब यह दावा किया जा रहा है कि मानसून सत्र से पहले ऐसा हो सकता है। ऐसा होने पर पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली एनडीए सरकार का संख्याबल लोकसभा में और मजबूत हो जाएगी। अगर एनडीए का संख्याबल 360 होता है तो वह बड़े फैसले ले सकेगी।

महायुति की मजबूती से बढ़ेगा एनडीए का संख्याबल

गौरतलब हो कि संसद के पिछले सेशन में संविधान में बदलाव को मंजूरी देने के लिए जूरूरी खास बहुमत न होने की वजह से ND को झटका लगा था। एनडीए के सूत्रों का कहना है कि जिन पार्टियों के साथ गठबंधन हो सकता है, उनमें से एक सेना BT भी हो सकती है। इस संभावना पर तब से बात हो रही है जब से गठबंधन ने महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल की है, लेकिन अब यह बात जोर पकड़ रही है। उद्धव ठाकरे की पार्टी के लोकसभा में नौ एमपी हैं और उनमें से छह को दूसरी पार्टी में मर्ज होना होगा। डिप्टी CM एकनाथ शिंदे की शिवसेना को सबसे संभावित विकल्प माना जा रहा है, ताकि दल-बदल विरोधी कानून के तहत अपनी सदस्यता खोने से बचा जा सके। हलकों में चर्चा है कि एक बार बगावत झेल चुके उद्धव ठाकरे भी सांसदों को साथ रखने की पूरी कोशिश में जुटे हैं। इंडिया ब्लॉक की दिल्ली में हुई मीटिंग में शिवसेना यूबीटी की तरफ से कोई मौजूद नहीं रहा था। उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और संजय राउत सभी ऑनलाइन जुड़े थे। ऐसी भी संभावना है कि टूट होने की स्थिति में उद्धव कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं। उनके फडणवीस से रिश्ते अच्छे बने हुए है। महाराष्ट्र में उनके दुश्मन नंबर-1 एकनाथ शिंदे ही हैं। शिवसेना यूबीटी सांसदों में अरविंद सांवत और अनिल देसाई को उद्धव ठाकरे का सबसे विश्वस्त माना जाता है।

'ऐसा मजाक समाज के लिए खतरनाक', प्रणित मोरे के शो में '370 की बिरयानी' वाले कमेंट पर भड़कीं अमृता फडणवीस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणित मोरे के शो के दौरान की गई विवादित टिप्पणियों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनकी पत्नी अमृता फडणवीस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। महिलाओं को लेकर की गई 370 रुपये की बिरयानी वाली टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए अमृता ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां महिलाओं को एक वस्तु की तरह पेश करती हैं और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं।

अमृता बोलीं- यह खतरनाक है

एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में अमृता फडणवीस ने कहा कि महिलाओं की सहमति और सम्मान को इस तरह मजाक का विषय बनाना समाज के लिए बेहद खतरनाक है। उनका मानना है कि इस तरह के कंटेंट से खासकर युवाओं के बीच गलत सोच और गलत संदेश फैलता है। उन्होंने साफ कहा कि अभिव्यक्ति की आज़ादी का मतलब यह नहीं है कि किसी की गरिमा को ठेस पहुंचाई जाए या महिलाओं के प्रति अपमानजनक सोच को सामान्य बना दिया जाए।

महाराष्ट्र के सीएम ने क्या कहा

वहीं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का अधिकार है, लेकिन यह अधिकार किसी की इज्जत और सम्मान की कीमत पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। इस मुद्दे ने अब राजनीतिक रंग भी ले लिया है। शिवसेना यूबीटी की नेता किशोरी पेंडेकर ने मुंबई में विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। उन्होंने इस मामले में सख्त आपराधिक कार्रवाई की मांग की है। अगर आप खुद को कॉमेडियन कहते हैं, तो कीजिए। आपको किसी ने नहीं रोका है। लेकिन, कॉमेडी करते समय आपको एक बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि महिलाओं के सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। शाइना एनसी शिवसेना नेता शाइना एनसी ने कॉमेडियन प्रणित मोरे के कॉमेडी शो में महिलाओं पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर आपत्ति जताते हुए कड़ी कार्रवाई की बात कही। उन्होंने कहा कि अगर आप खुद को कॉमेडियन कहते हैं, तो कीजिए। आपको किसी ने नहीं रोका है। लेकिन, कॉमेडी करते समय आपको एक बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि महिलाओं के सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

नेहरू से नरसिम्हा राव तक का जिक्र, फिर PM मोदी पर औरंगजेब अटैक, सीमा लांघ गए उद्धव ठाकरे सांसद संजय राउत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने पीएम नरेंद्र मोदी की तुलना औरंगजेब से की है। पुणे में पश्चिम बंगाल में टीएमसी में बगावत और वहां 4000 ईवीएम जलने पर बोलते हुए संजय राउत ने विवादित बयान दिया। संजय राउत ने जवाहर लाल नेहरू से लेकर पीवी नरसिम्हा राव का जिक्र करते हुए कहा है कि भारतीय राजनीति में ऐसा 'अघोरी' व्यक्ति कभी पैदा नहीं हुआ। इतना क्रूर व्यक्ति कभी पैदा नहीं हुआ। राउत के हमले पर शिवसेना और बीजेपी ने पलटवार किया और कहा है कि वह अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। उन्हें डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

संजय राउत की विवादित टिप्पणी

संजय राउत ने कहा कि इसी मिट्टी से पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री, पी.वी. नरसिम्हा राव, राजीव गांधी, बाबासाहेब अंबेडकर, बालासाहेब ठाकरे जैसे महान नेता पैदा हुए। लेकिन जब हम मोदी जी के पूरे व्यक्तित्व को देखते हैं, तो हमें डर लगता है। वे कहां से आए हैं? वे उसी मिट्टी से आए हैं जहां से औरंगजेब पैदा हुआ था। औरंगजेब गुजरात में ही पैदा हुआ था, है ना? एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना की नेता शाइना एनसी ने राउत की टिप्पणी पर कहा है कि उन्हें काउंसलिंग की जरूरत है। जब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह सत्ता में रहेंगे, तब तक यह स्थिति बनी रहेगी। देश की मौजूदा हालत देखिए। आप TMC से सांसदों को तोड़ रहे हैं, फिर शिवसेना को तोड़ने की बात करते हैं, और फिर NCP को। आप और कितनी पार्टियां तोड़ेंगे क्या आपके पास करने के लिए संजय राउत ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता के अलीपुर करीब 4,000 ईवीएम जलकर खाक होने पर भी निशाना साधा है। राउत ने कहा कि मेरा मानना है कि यह जानबूझकर किया गया था। बीजेपी सरकार ने चुनावों के बाद कोलकाता में जानबूझकर 4,000 ईवीएम कि टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी चुनाव नहीं हार सकती थीं। राउत ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में इस्तेमाल की गई 4,000 ईवीएम पर छेड़छाड़ का शक था। वे एक सरकारी इमारत में जलकर राख हो गईं। एक साथ 4,000 ईवीएम कैसे जल सकती हैं? मेरा कहना है कि वे जली नहीं थीं, बल्कि उनमें आग लगाई गई थी। बीजेपी सरकार ने ही उनमें आग लगाई थी। आज देश में यह सबसे गंभीर मुद्दा है।

'हर दिन बेइज्जती, करियर बर्बाद करने की धमकी...', सहकर्मियों से तंग TCS कर्मचारी ने दी जान

महाराष्ट्र राज्य के पुणे के हिंजवड़ी में 48 वर्षीय आईटी इंजीनियर अमित अभय ब्राह्मे ने कथित मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। आईटी हब हिंजवड़ी से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है. यहां 48 वर्षीय आईटी इंजीनियर अमित अभय ब्राह्मे ने कथित मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली. मरने से पहले लिखे गए सुसाइड नोट में उन्होंने अपनी दो वरिष्ठ महिला सहकर्मियों और एक करीबी दोस्त पर गंभीर आरोप लगाए हैं. इस मामले में भोसरी पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी है. पुणे में आईटी सेक्टर को झकझोर देने वाली यह घटना 2 जून की है. 48 वर्षीय आईटी इंजीनियर अमित अभय ब्राह्मे ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मौत के बाद पुलिस को अमित का दो पन्नों का सुसाइड नोट मिला, जिसमें उन्होंने अपनी ऋष्टस कंपनी की दो वरिष्ठ महिला अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं. सुसाइड नोट के मुताबिक दोनों अधिकारी अमित को दिए गए अच्छे प्रोजेक्ट वापस ले लेती थीं और जानबूझकर कठिन प्रोजेक्ट सौंपती थीं. काम में दिक्कत आने पर उन्हें सहकर्मियों के सामने अपमानित किया जाता था और नौकरी छोड़ने का दबाव बनाया जाता था. अमित ने अपने सुसाइड नोट में यह भी लिखा है कि उन्हें खराब फीडबैक देने और करियर बर्बाद करने की धमकियां भी दी जाती थीं. मामले में एक अन्य कर्मचारी का भी नाम सामने आया है. बताया जाता है कि दोनों की पहले अच्छी दोस्ती थी. लेकिन कुछ निजी कारणों से दोनों के रिश्तों में खटास आ गई थी. आरोप है कि दोस्त ने अमित के खिलाफ कई शिकायतें कीं और उनकी छवि खराब करने की कोशिश की. अमित की पत्नी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं. सुसाइड नोट में यह भी उल्लेख किया गया है कि अमित के पिता के निधन के समय शाश्वती और अर्चना ने छुट्टी देने में टालमटोल की थी. उस दौरान भी अमित को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, जिससे वह काफी परेशान थे. पुलिस के मुताबिक लंबे समय से चल रही इस कथित प्रताड़ना और मानसिक तनाव से परेशान होकर अमित ने आखिरकार आत्महत्या जैसा कदम उठाया. सुसाइड नोट और अन्य सबूतों के आधार पर भोसरी पुलिस ने तीन के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है. हालांकि, अभी तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है.

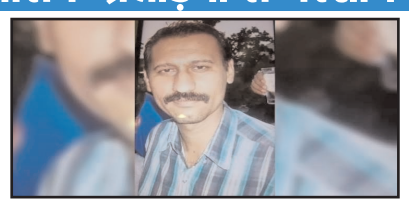

अनिल अंबानी के करीबी सतीश सेठ को ED ने किया गिरफ्तार

ईडी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से जुड़े 114.98 करोड़ रुपये के लोन फ्रॉड मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए अनिल अंबानी के करीबी सतीश सेठ और गौतम दोशी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार अनिल अंबानी के करीबी और रिलायंस ग्रुप के पूर्व ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के वाइस-चेयरमैन सतीश सेठ को मुंबई में गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद उन्हें एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया है, जहां से ईडी को ट्रांजिट रिमांड मिल गई है. अब उन्हें दिल्ली लाया जा रहा है. समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को मुंबई में रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप के दो पूर्व अधिकारियों को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार किया. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार के बाद सतीश को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 48 घंटे की ट्रांजिट रिमांड पर भेज दिया गया है. चूंकि ये मामले दिल्ली में दर्ज है तो जांच एजेंसी की टीम रिमांड अवधि में सतीश को दिल्ली लाकर अदालत में पेश करेगी और आगे की पूछताछ-जांच के लिए हिरासत की मांग करेगी. केंद्रीय जांच ब्यूरो ने इस साल मार्च महीने में ही सतीश सेठ और गौतम दोशी के खिलाफ मामला दर्ज किया था. सीबीआई की टीम ने इस जांच के हिस्से के रूप में दोनों अधिकारियों के परिसरों और ठिकानों पर छापेमारी भी की थी. सीबीआई की इसी शिकायत को आधार बनाकर ईडी ने दोनों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के तहत अपनी जांच शुरू की है. सीबीआई के अनुसार, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कुल 11 बैंकों के उस कंसोर्टियम (समूह) का एक प्रमुख सदस्य था, जिसने रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड को कुल 735 करोड़ रुपये की टर्म लोन सुविधा मंजूर की थी. इसी स्वीकृत लोन में से 114.98 करोड़ रुपये की राशि में भारी धोखाधड़ी और वित्तीय हेरफेर करने का गंभीर आरोप इन दोनों अधिकारियों पर लगा है. बता दें कि सतीश सेठ को लंबे समय तक अनिल अंबानी का बेहद करीबी और भरोसेमंद सहयोगी माना जाता रहा है जो रिलायंस ग्रुप के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के वाइस-चेयरमैन के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं. अब प्रवर्तन निदेशालय इस पूरे बैंक लोन फ्रॉड मामले में सतीश सेठ और गौतम दोशी दोनों की वास्तविक भूमिकाओं की गहराई से जांच कर रहा है.

दिल्ली में महंगी होने जा रही बिजली! 500 यूनिट से ज्यादा खर्च करने पर लगेगा तगड़ा झटका,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

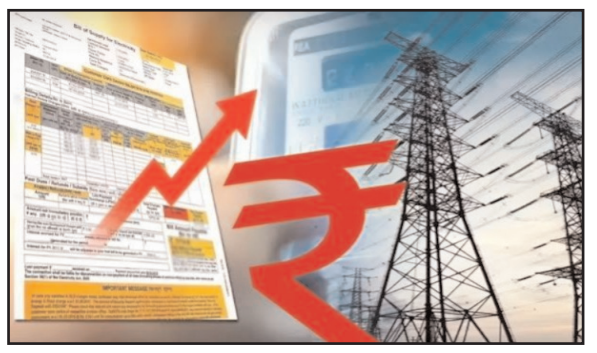

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बिजली के बिल बढ़ने वाले हैं, इसका सीधा असर हजारों विद्युत उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने बिजली वितरण कंपनियों को 'फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज' वसूलने की अनुमति दे दी है। ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार जिसे आमतौर पर PPAC भी कहा जाता है। DERC के इस फैसले का सीधा असर उन ग्राहकों पर होगा, जो 500 यूनिट से ज्यादा बिजली खर्च करते हैं।

DERC का फैसला, बढ़ जाएगा बिजली बिल

दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) ने वैश्विक तनाव के कारण पैदा हुए ऊर्जा संकट और बिजली खरीद लागत में वृद्धि के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी बिजली बिल बढ़ाने की तैयारी कर रही है। DERC ने बिजली वितरण कंपनियों को उपभोक्ताओं से अधिक ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार वसूलने की अनुमति दे दी है। अधिकारियों ने बताया कि इस फैसले का असर उन उपभोक्ताओं पर पड़ेगा जो बिजली सब्सिडी योजना के दायरे में नहीं आते हैं। हालांकि पूर्ण या 50 फीसदी सब्सिडी प्राप्त करने वाले विद्युत उपभोक्ताओं पर इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा। एफपीपीएएस बिजली उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले ईंधन और बिजली खरीद लागत में बदलाव के आधार पर लगाया जाने वाला अधिभार है। यह कुल ऊर्जा और स्थायी लागत के पर्सेंट के रूप में वसूला जाता है .

निजामुद्दीन स्टेशन पर होने जा बड़ा बदलाव, नमो भारत के नए FOB से एंट्री, बढ़ाई जाएंगी ये सुविधाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन को आधुनिक बनाने की दिशा में एक और कदम उठाया गया है। स्टेशन के सराय काले खां की ओर मौजूद एंट्री गेट के रीडिवेलपमेंट का काम शुरू हो गया है। इसकी वजह से सराय काले खां की ओर से स्टेशन में सड़क मार्ग द्वारा एंट्री अस्थायी रूप से बंद कर दी है। यात्रियों की एंट्री अब नमो भारत के नए फुट ओवरब्रिज से होगी। शुक्रवार को नॉर्दन रेलवे ने इसकी जानकारी दी है। सराय काले खां की तरफ रीडिवेलपमेंट का काम शुरू हो गया है। इसमें नई सीढ़ी, एस्केलेटर, लिफ्ट का निर्माण, बुकिंग कार्यालय का पुनर्निर्माण, टॉयलेट्स और एफओबी-2 के डेक स्लैब का विस्तार शामिल है। रेलवे के अनुसार, यात्रियों की सुरक्षा के हित को देखते हुए सराय काले खां की ओर स्थित रेलवे स्टेशन का मौजूदा प्रवेश/निकास द्वार तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है।

नमो भारत से सीधी कनेक्टिविटी, 5 मिनट में स्टेशन

यात्रियों की सुविधा के लिए नमो भारत ट्रेन के फुटओवर ब्रिज को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के फुटओवर ब्रिज से जोड़ दिया गया है। इस नए हाई-टेक ब्रिज के शुरू होने से यात्री अब बिना किसी परेशानी के सीधे सराय काले खां स्थित नमो भारत स्टेशन के गेट नंबर 1 और 2 से मात्र 5 मिनट पैदल चलकर निजामुद्दीन स्टेशन पहुंच सकते हैं। हाल ही में खोला गया यह क्रॉस-बोर्ड (एफओबी) लगभग 300 मीटर लंबा है और रेलवे स्टेशन को सराय काले खान स्थित नमो भारत स्टेशन से सीधे जोड़ता है। इसके चलते यात्रियों को अब ट्रेन बदलने के लिए व्यस्त सड़क पर बाहर आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

CBSE 12th स्टूडेंट्स को झटका, दिल्ली हाईकोर्ट का रिवैल्यूएशन पोर्टल दोबारा खोलने से इनकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं बोर्ड परीक्षा में डिजिटल इवैल्यूएशन सिस्टम में हुई कथित गड़बड़ियों की जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने एनएसयूआई की उस मांग पर तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया, जिसमें रीवैल्यूएशन के लिए पोर्टल दोबारा खोलने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि यदि रीवैल्यूएशन पोर्टल फिर से खोला जाता है तो इसका असर लगभग 17 लाख छात्रों पर पड़ सकता है। अदालत ने कहा कि इस स्तर पर प्रक्रिया में बदलाव से पूरे मूल्यांकन और प्रवेश प्रक्रिया पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।

सॉलिसिटर जनरल बोले-अब नए आवेदन स्वीकार करने की कोई गुंजाइश नहीं बची

केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को बताया कि अब तक 1.67 लाख छात्र रीवैल्यूएशन के लिए आवेदन कर चुके हैं और नए आवेदन स्वीकार करने की कोई गुंजाइश नहीं बची है। उन्होंने कहा कि यदि पोर्टल दोबारा खोला गया तो पहले से आवेदन कर चुके छात्रों की काउंसलिंग और आगे की शैक्षणिक प्रक्रिया प्रभावित होगी। कोर्ट में केंद्र ने यह भी दलील दी कि रीवैल्यूएशन पोर्टल फिर से शुरू करने से परिणामों में देरी होगी, जिसका सीधा असर विभिन्न संस्थानों में दाखिले के लिए चल रही काउंसलिंग प्रक्रिया पर पड़ेगा। हालांकि, हाईकोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि यदि कोई छात्र या अभिभावक इस मामले से संबंधित अपनी व्यक्तिगत शिकायत को लेकर अदालत का रुख करना चाहता है तो वह स्वतंत्र रूप से याचिका दाखिल कर सकता है।

खराब मौसम के चलते एक घंटे तक आसमान में चक्कर लगाता रहा विमान

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में खराब मौसम का असर विमान उड़ानों पर भी पड़ा। चंडीगढ़ से जयपुर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट करीब एक घंटे तक आसमान में चक्कर लगाती रही। मौसम खराब होने के कारण विमान को लैंडिंग की इजाजत नहीं मिली। इंडिगो की फ्लाइट 6ई-7413 चंडीगढ़ से जयपुर के लिए रवाना हुई थी। फ्लाइट अपने तय समय से करीब 15 मिनट देरी से चल रही थी। फ्लाइट शुक्रवार रात करीब 11 बजकर 5 मिनट पर जयपुर पहुंची। इसके बाद भी खराब मौसम और प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग संभव नहीं हो सकी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट को एयर ट्रैफिक कंट्रोल के निर्देशानुसार जयपुर एयरपोर्ट के आस-पास होल्डिंग पैटर्न में रखा। इस दौरान विमान करीब एक घंटे तक आसमान में चक्कर लगाता रहा और मौसम की स्थिति सामान्य होने का इंतजार करता रहा। मौसम में सुधार और विजिबिलिटी बेहतर होने के बाद रात करीब 12 बजकर 10 मिनट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट के तय समय से काफी देर तक हवा में रहने के कारण पैसेंजर्स के बीच चिंता और बेचैनी का माहौल था। कई पैसेंजर्स लगातार फ्लाइट के लैंड नहीं होने से परेशान नजर आए। हालांकि एयरलाइन और एयर ट्रैफिक कंट्रोल की ओर से सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी जरुरी मानकों का पालन किया गया। फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग के बाद पैसेंजर्स ने राहत की सांस ली। बता दें पिछले कुछ दिनों से जयपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम लगातार बदल रहा है। तेज हवाओं, आंधी और बादलों की आवाजाही के कारण हवाई सेवाओं पर भी असर पड़ रहा है। मौसम खराब होने की स्थिति में फ्लाइट्स को होल्ड पर रखना या वैकल्पिक एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट करना फ्लाइट सुरक्षा प्रक्रिया का हिस्सा माना जाता है।

दिल्ली दंगा : शरजील इमाम ने फिर मांगी जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली दंगा मामले के आरोपी शरजील इमाम ने कड़कड़डूमा अदालत में नई जमानत याचिका दायर की है। अदालत ने याचिका पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगकर अगली सुनवाई 4 जुलाई को तय की है। शरजील इमाम ने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि वह पिछले करीब छह वर्षों से न्यायिक हिरासत में हैं और उनकी पिछली जमानत अर्जी सुप्रीम कोर्ट द्वारा 5 जनवरी, 2024 को खारिज करने के बाद से मुकदमे की सुनवाई में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने इमाम की जमानत याचिका को अस्वीकार किया था। उस फैसले के बाद अब उन्होंने निचली अदालत का दरवाजा खटखटाया है, इसमें लंबी अवधि की हिरासत और मुकदमे में हो रही देरी को जमानत का मुख्य आधार बनाया है। कड़कड़डूमा कोर्ट ने उनकी याचिका को स्वीकार कर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर मामले में अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। पुलिस के जवाब और दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर अदालत 4 जुलाई को आगे की सुनवाई करेगी। बात दें कि इमाम दिल्ली दंगों से संबंधित मामलों में लंबे समय से जेल में बंद हैं। उनकी ओर से लगातार यह दलील दी है कि मुकदमे में हो रही देरी को देखकर उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। वहीं, अभियोजन पक्ष लगातार गंभीर आरोपों का हवाला देकर उनकी जमानत का विरोध कर रहा है। इस नई याचिका पर अदालत का फैसला दोनों पक्षों की दलीलों और मामले की वर्तमान प्रगति के आकलन के बाद ही सामने आएगा, जो इस हाई-प्रोफाइल मामले में महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

एयर अरबिया की फ्लाइट की कोच्चि में इमरजेंसी लैंडिंग

कोच्चि (एजेंसी)। शारजाह से कोझिकोड जा रही एयर अरबिया की एक फ्लाइट में शनिवार तड़के तकनीकी खराबी आने के बाद कोच्चि के कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में सवार सभी 179 यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। एयरपोर्ट अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है, कि एयर अरबिया की फ्लाइट जी9-454 में इंजन के रिवर्स थ्रस्ट सिस्टम से जुड़ी तकनीकी समस्या का पता चला था। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सुबह 3:19 बजे 'लोकल स्टैंडबाय' घोषित किया गया। इसके कुछ ही मिनट बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सुबह 3:34 बजे 'फुल इमरजेंसी' लागू कर दी गई, जिससे सभी आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट पर रखा जा सके। विमान के सुरक्षित उतरने के बाद तकनीकी टीम ने खराबी की जांच और मरम्मत का कार्य किया। आवश्यक परीक्षण पूरे होने के बाद विमान को दोबारा उड़ान भरने की अनुमति दी गई। इसके बाद फ्लाइट सुबह 7:15 बजे कोझिकोड के लिए रवाना हो गई। एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि पूरे घटनाक्रम के दौरान सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया गया और किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। समय रहते तकनीकी समस्या का पता चल जाने और त्वरित कार्रवाई के कारण एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई।

गैस रिसाव से चार युवकों की मौत

रामगढ (एजेंसी)। रामगढ़ जिले के गिद्दी-रामगढ़ सीमावर्ती वन क्षेत्र में एक बंद खदान में गैस रिसाव से चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना तब हुई, जब ये लोग खदान के भीतर उत्खनन कार्य कर रहे थे। मृतकों की पहचान आशीष रजवार (25), किशोर रवानी (35), देवा कुमार बेदिया (25) और डब्लू बेदिया (30) के रूप में हुई है। घटना के वक्त सबसे पहले एक युवक गैस रिसाव की चपेट में आया और वहीं बेहोश होकर गिर गया। उसके बाकी तीन साथी उसे बचाने के लिए खदान में उतरे तो वो भी जहरीली गैस की चपेट में आकर वहीं गिर। उनके एक अन्य साथी ने गांव वालों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंचे। चारों युवकों को तत्काल पुलिस की मदद से अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने इनमें से दो को अस्पताल पहुंचने पर मृत बताया। वहीं अन्य दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

सीएम सतीशन को जान से मारने की धमकी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल पुलिस ने मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में सोनी थॉमस को गिरफ्तार किया है। जबकि एक अन्य विधायक टी.के. गोविंदन ने भी इसी तरह की धमकी मिलने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार शामएक अज्ञात व्यक्ति ने तिरुवनंतपुरम शहर जिला पुलिस कमान एवं नियंत्रण केंद्र को फोन किया और मुख्यमंत्री और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। एफआईआर के अनुसार, कारण पूछे जाने पर, फोन करने वाले ने कथित तौर पर कहा कि वह मुख्यमंत्री सतीशन को पसंद नहीं करता। एफआईआर में कहा गया है कि फोन उठाने वाले पुलिस अधिकारी को गाली देने के बाद, आरोपी ने कथित तौर पर पूछा कि क्या मुख्यमंत्री के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

भारत अपनी आत्मा खो रहा है: शशि थरूर का आत्ममंथन

-लेख लिखकर बढ़ते भेदभाव और विभाजनकारी माहौल पर जताया दुख

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने देश में बढ़ते भेदभाव और विभाजनकारी माहौल पर गहरा दुख जाहिर किया है। सोशल मीडिया पर कांग्रेस नेता थरूर ने लिखा कि जब किसी देश को धीरे-धीरे अपनी आत्मा खोते हुए महसूस किया जाता है, तब एक गहरा और टीस भरा दुख होता है। जो लोग भारत को अनेकता में एकता के शानदार समावेशी प्रयोग के तौर पर देखते आए हैं, उन्हें हाल के वर्षों में निराशा मिली है। उनका मानना है कि कभी-कभी कोई एक घटना रोजमर्रा की राजनीति के शोर-शराबे को चीरकर हमारे नैतिक पतन की गहराई को उजागर करती है।

ऐसी ही एक घटना हाल ही में सामने आई, जिसकी हेडलाइन थी कि होटल से बाहर निकाला गया अल्पसंख्यक बीजेपी नेता। यह घटना सज्जाद यूसुफ शाह से जुड़ी है, जो भाजपा के जम्मू-कश्मीर मीडिया सह-प्रभारी हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में यात्रा के दौरान बीजेपी नेता शाह को होटल से यह कहकर जाने को कहा गया कि उनकी मुस्लिम और कश्मीरी पहचान समस्याग्रस्त है। कांग्रेस नेता थरूर ने सवाल किया कि भारत के सबसे प्रगतिशील राज्यों में शामिल महाराष्ट्र में ऐसा कैसे हो सकता है?

शशि थरूर ने गंभीर आत्ममंथन का आह्वान कर कहा, हमें आइने में देखना चाहिए और खुद से एक सीधा, दुखद सवाल पूछना चाहिए, हम किस हाल में पहुंच गए हैं? उन्होंने तर्क दिया कि किसी महान सभ्यता को उसकी जीडीपी ग्रोथ या रक्षा ताकत से नहीं, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि वह अपने सबसे कमजोर लोगों और अल्पसंख्यकों के साथ कैसा बर्ताव करती है। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि इस घटना का उपयोग छोटी-मोटी राजनीतिक बढ़त के लिए नहीं, बल्कि सामूहिक आत्ममंथन के मौके के तौर पर होना चाहिए, ताकि हम नफरत की राजनीति को नकार सकें और सभी को साथ लेकर चलने वाली विविधता को फिर से अपना सकें, जिसने कभी हमारी पहचान बनाई थी।

कांग्रेस नेता थरूर ने विडंबना जाहिर की कि सत्ताधारी पार्टी के लिए काम करने वाला व्यक्ति भी उन्हीं पूर्वाग्रहों का शिकार हुआ, जो उसकी पार्टी की बयानबाजी से पैदा हुए हैं। जब भेदभाव संस्थागत हो जाता है, तब वह राजनीतिक वफादारी नहीं देखता, बल्कि सीधे पहचान को निशाना बनाता है। उन्होंने भारत की पहचान रहे अतिथि देवो भव और गंगा-जमुनी तहजीब जैसे गहरे सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण पर चिंता व्यक्त की।

कांग्रेस नेता ने कहा कि एक मुस्लिम नागरिक का अतिथि के तौर पर भी सुरक्षित रूप से होटल का कमरा किराए पर नहीं ले पाना बेहद दुखद है। यह सिर्फ एक कारोबारी विवाद नहीं, बल्कि गहरी समस्या का लक्षण है, जहां भेदभाव रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। कांग्रेस नेता थरूर ने सत्ताधारी भाजपा को अपनी नीतियों पर सोचने की सलाह दी। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावी फायदे के लिए ध्रुवीकरण को हथियार बनाना एक ऐसा राक्षस पैदा करता है जो आखिरकार अपने बनाने वालों के ही काबू से बाहर हो जाता है। ऐसी बयानबाजी का असर आम लोगों तक पहुंचता है, जो सामाजिक स्थिरता को कमजोर करता है।

थरूर ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और उस्ताद बिस्मिल्लाह खान जैसे महान मुसलमानों और सच्चे

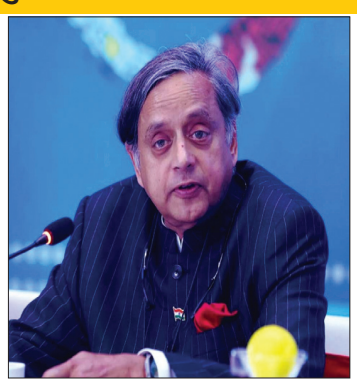

भारतीयों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि अपनी ही आने वाली पीढ़ियों को अपने ही देश में अनचाहे अजनबी जैसा महसूस कराना एक बहुत बड़ी नैतिक विफलता है। यह ढांचागत और सामाजिक अलगाव इंसान की गरिमा को कमजोर करता है और मिल-जुलकर नागरिक होने की खुशी की जगह बेचैनी और बचाव की भावना पैदा करता है जो धीरे-धीरे सब कुछ खत्म कर देती है।

विदेशी ताकतों ने देश को कमजोर किया : योगी

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विज्ञान भारती के 7वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन कर विदेशी शक्तियों और वामपंथी विचारधारा पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लंबे समय तक हमारे देश में यह गलत धारणा रही कि भारतीय किसी काम के नहीं और केवल विदेशी ही श्रेष्ठ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन विदेशी शक्तियों, वामपंथी विचारधारा और भारत-विरोधी तत्वों ने देश को कमजोर करने की कोशिश की है और आज भी ऐसी ताकतें सक्रिय हैं जो हमारी प्रगति में बाधा डालना चाहती हैं। गंगा नदी के महत्व पर प्रकाश डालकर सीएम योगी ने अपने बचपन का एक मार्मिक अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी मां पौधों पर कीड़े लगने या फूल न आने की स्थिति में गंगाजल का छिड़काव करती थीं, और आश्चर्यजनक रूप से कुछ ही दिनों में वे पौधे फिर से खिल उठते थे। इस घटना ने उन्हें गंगा के पावन जल के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक महत्व का गहरा एहसास कराया। मुख्यमंत्री ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के स्वतंत्रता भवन में आयोजित महत्वपूर्ण अधिवेशन का उद्घाटन किया। इस मौके पर बीएचयू कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत और सम्मान किया। विज्ञान भारती का यह दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 13 और 14 जून को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश से लगभग 1200 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इन प्रतिभागियों में वैज्ञानिक, शोधकर्ता, शिक्षाविद, नीति-निर्माता और उद्योग जगत के विशेषज्ञ सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल हैं।

अमेरिकी हमलों में भारतीयों की मौत: स्वामी ने मोदी सरकार पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदू राष्ट्रवादी नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी ने ओमान तट पर अमेरिकी सेना द्वारा तीन भारतीय नाविकों की हत्या को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। पूर्व राज्यसभा सांसद स्वामी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में रीढ़ की हड्डी बची है, तब उन्हें सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति को फोन करके विरोध जताना चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी जेसन मीक्स को तलब करने के बाद की।

बीजेपी नेता स्वामी ने विदेश मंत्रालय के अमेरिकी दूतावास से बात करने पर सवाल उठाकर स्पष्ट रूप से कहा, हालांकि, मुझे पता है कि मोदी ऐसा क्यों नहीं करने वाले है। भारत ने अमेरिकी दूतावास के अधिकारी को दो बार तलब किया, और कहा कि भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर अमेरिकी सेना के घातक और जानलेवा हमले अस्वीकार्य हैं।

यह पहली बार था जब मोदी सरकार ने सार्वजनिक रूप से माना कि अमेरिकी नौसेना ने भारतीय चालक दल वाले जहाजों को निशाना बनाया था। विदेश मंत्रालय ने बताया कि अमेरिकी कार्रवाई में 10 जून को पलाऊ के ध्वज वाले टैंकर सेंटेबेलो पर सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गई थी। विदेश मंत्रालय ने इन हमलों को संवेदनशील क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करने वाला बताया और तत्काल रोकने की मांग की।

विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी अधिकारी से भारत की चिंताओं को वाशिंगटन तक पहुंचाने और यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य बल नागरिकों के जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पुष्टि की कि 8 जून को मैरीवेक्स (24 भारतीय नाविक सुरक्षित) और गुरुवार को जलवीर (20 भारतीय नाविक) पर हुए हमले भी अमेरिकी नौसेना की ओर से किए गए थे।

नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर छात्र सम्मेलन करेंगे राहुल गांधी, 17 जून से होगी शुरुआत

वेणुगोपाल बोले- यह आंदोलन छात्रों को राजनीतिक जुड़ाव से ऊपर उठकर एकजुट करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी नीट-यूजी और कई अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले को लेकर छात्र सम्मेलन करेंगे, जिसकी शुरुआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से होगी। इसके बाद प्रयागराज, पटना और दिल्ली में भी वह इन सम्मेलनों के जरिए छात्रों से संवाद करेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि इन छात्र सम्मेलनों के जरिए से नीट के विकेंद्रीकरण, परीक्षा शुल्क खत्म करने, पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई जाएगी।

कांग्रेस ने 8 जून को अपने महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक में यह फैसला किया था कि नीट मामले, चुनावों से पहले सीट चोरी किए जाने, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाएगा। वेणुगोपाल ने शनिवार को कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के सशक्त नेतृत्व में कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, बेरोजगारी और मोदी सरकार द्वारा भारत के युवाओं के साथ किए जा रहे विश्वासघात के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के बड़े सम्मेलन करेंगे, जिसकी शुरुआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से होगी और फिर 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में यह सम्मेलन होंगे। उनके मुताबिक इन सम्मेलनों में छात्र, परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा, युवा संगठन, शिक्षक और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित, सभी लोग शामिल होंगे। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि उन लाखों युवा भारतीयों की मुश्किलों को सामने लाया जाएगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती और शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण बार-बार खतरे में पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत कांग्रेस देश भर में एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, जिला कांग्रेस कमेटी और स्थानीय इकाइयों के जरिए बड़े पैमाने पर छात्रों तक पहुंचने और उन्हें एकजुट करने के राहुल गांधी के आह्वान को आगे बढ़ाएगी। वेणुगोपाल ने कहा कि लोगों के बीच मौजूदगी और डिजिटल माध्यम, कैंपस में संपर्क, कोचिंग सेंटरों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों और युवा केंद्रों पर बातचीत, सोशल मीडिया अभियान, लाइव स्क्रीनिंग और छात्रों के साथ सीधे संवाद जैसे कार्यक्रम बड़े पैमाने पर किए जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का मानना है कि युवा भारतीयों की उम्मीदों की बलि भ्रष्टाचार, अक्षमता या राजनीतिक उदासीनता की भेंट नहीं चढ़नी चाहिए। इसी सोच के साथ यह आंदोलन छात्रों को राजनीतिक जुड़ाव से ऊपर उठकर एकजुट करेगा और प्रभावित युवाओं को अपने अनुभव साझा करने और बार-बार परीक्षा में विफलता और पेपर लीक घोटालों के लिए जवाबदेही की मांग करने का मंच प्रदान करेगा। वेणुगोपाल ने कहा कि यह आंदोलन विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पहले उठाई गई मांगों को सड़कों पर ले जाएगा।

अमित की आत्महत्या के बाद फिर सामने आया कॉर्पोरेट क्रूरता का भयावह चेहरा

पुणे (एजेंसी)। 2 जून को टीसीएस इंजीनियर अमित ब्रह्मे की आत्महत्या ने कॉर्पोरेट जगत में बढ़ते मानसिक दबाव और उत्पीड़न पर सवाल उठा दिए है। सामने आए सुसाइड नोट ने मामले में बड़ा खुलासा किया है, जिसमें दो वरिष्ठ सहयोगियों पर मानसिक प्रताड़ना और अपमान का आरोप लगा है। दोपहर करीब 4 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या करने से पहले लिखे गए नोट में ब्रह्मे ने अपनी आर्थिक बदहाली और मानसिक उत्पीड़न के लिए सीधे तौर पर कई लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। अपनी मौत से पहले लिखे नोट में ब्रह्मे ने टीसीएस हिंजवड़ी की अपनी वरिष्ठ सहयोगियों, अर्चना और शाश्वती पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीते दो महीनों से उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया और खराब फीडबैक देने की धमकी देकर अंततः प्रोजेक्ट से बाहर किया गया। ब्रह्मे के अनुसार, उन्हें कम वेतन पर नौकरी दी गई थी, लेकिन बिना उचित प्रशिक्षण के ही उनसे काम की अपेक्षा की जाती थी। नोट में कहा गया है कि पत्नी की गंभीर बीमारी और पिता के निधन के दौरान छुट्टी मांगने पर भी उन्हें परेशान किया गया, इससे उनका जीवन बर्बाद हो गया। उन्होंने अपील की है कि इन दोनों के खिलाफ कार्रवाई की जाए ताकि वे अन्य कर्मचारियों को भी इसी तरह प्रताड़ित न कर सकें। कार्यस्थल के उत्पीड़न के साथ ही, ब्रह्मे ने विनोद पालीचा नामक एक व्यक्ति पर भी परिवार को मानसिक रूप से परेशान करने और झूठे आरोप लगाकर छवि खराब करने का आरोप लगाया है। विनोद द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत में ब्रह्मे को निर्दोष पाया गया था, फिर भी विनोद ने टीसीएस के एचआर को झूठे ईमेल भेजकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश की। ब्रह्मे ने विनोद को धूर्त और झूठा व्यक्ति बताकर भविष्य में अपने परिवार के लिए उससे खतरे की आशंका जाहिर की है। इस गंभीर मामले में, भोसरी पुलिस ने ब्रह्मे को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में अर्चना, शाश्वती और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तक पहुँच चुका है, और नेशनल इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सीनेट के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सलूजा ने निष्पक्ष और गहन जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने की मांग की है। संगठन ने आईटी क्षेत्र में बढ़ते मानसिक दबाव और कार्यस्थल पर उत्पीड़न जैसे गंभीर मुद्दों की विस्तृत जांच की आवश्यकता पर भी जोर दिया है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। भोसरी पुलिस ने बताया कि टीसीएस के एचआर अधिकारियों ने जांच में पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया है।

मीनाक्षी नटराजन मामला : चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जिम्मेदारी त्यागी

-शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा का नामांकन रद्द होने के मामले में पूर्व राज्यसभा सांसद और शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उनका कहना है कि इन सर्वोच्च संवैधानिक संस्थाओं ने मामले में अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं निभाई हैं।

दरअसल शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने नटराजन का राज्यसभा नामांकन रद्द होने के खिलाफ सुनवाई की मांग वाली याचिका खारिज की थी। इसके बाद शनिवार को प्रियंका चतुर्वेदी ने पोस्ट कर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने पूरे प्रकरण को सीधे-सीधे

सत्ता हथियाने की चाल बताया। वह यहीं नहीं रुकीं, बल्कि उन्होंने चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट दोनों पर उंगली उठाकर कहा, सबसे खराब बात ये है कि चुनाव आयोग और पूरे सम्मान के साथ माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जिम्मेदारियों का त्याग किया है।

इतना ही नहीं प्रियंका चतुर्वेदी ने रिटर्निंग ऑफिसर की भूमिका पर तीखे सवाल उठा दिए। उन्होंने लिखा कि सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद खबर आई कि हैदराबाद कोर्ट ने शिकायतकर्ता की याचिका यह कहकर लौटा दी कि यह उसके अधिकार क्षेत्र का मामला नहीं है। शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी ने हैरानी जताकर कहा कि जब कोई एफआईआर नहीं थी और हाई कोर्ट भी याचिका लौटा चुका था, तब फिर रिटर्निंग ऑफिसर ने केंद्रीय चुनाव आयोग से विचार-विमर्श किए बिना ही कमजोर आधार पर नामांकन रद्द क्यों किया। उद्धव ठाकरे की पार्टी की नेता ने लिखा, इस बात पर बहस हो सकती है कि फॉर्म भरने में गलती किसने की, किसने किसको जानकारी दी, इस पर भी बात की जा सकती है, लेकिन मूल बात ये है कि एक निश्चित सीट उन एजेंसियों के चलते हाथ से चली गई, जिनके पास संविधान और लोकतंत्र बचाने की जिम्मेदारी है।

जेन-जी की नई सोच: न पूंजीवाद पर पूरा भरोसा, न पारंपरिक वामपंथ का आकर्षण

-महंगाई, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा को लेकर युवाओं की बढ़ी चिंता

-दुनिया भर में उभर रहा व्यावहारिक 'जेन-जी समाजवाद'

नई दिल्ली(एजेंसी)। दुनिया भर में जेनरेशन-जेड (जेन-जी) की आर्थिक और राजनीतिक सोच पारंपरिक विचारधाराओं से अलग दिशा में विकसित हो रही है। वर्ष 2000 के बाद जन्मी यह पीढ़ी न तो पारंपरिक पूंजीवाद पर पूरी तरह भरोसा करती है और न ही पुराने वामपंथी मॉडल से खुद को जोड़ना चाहती है। इसके बजाय वह ऐसी नीतियों की समर्थक बनकर उभर रही है, जो आम लोगों को महंगाई, बढ़ते किराए और जीवन-यापन की बढ़ती लागत से तत्काल राहत प्रदान कर सकें। इस तरह मनोवैज्ञानियों के लिए भी जेन-जी की सोच शोध का विषय बन गई है।

विश्लेषकों के अनुसार, युवाओं के बीच उभर रही यह सोच पारंपरिक समाजवाद से भिन्न है। इसे एक व्यावहारिक और मिश्रित आर्थिक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें मुक्त बाजार और सरकारी हस्तक्षेप दोनों की भूमिका स्वीकार की जाती है। जेन-जी की प्राथमिकता वैचारिक बहसों से अधिक रोजमर्रा की आर्थिक चुनौतियों का समाधान है। इस पीढ़ी की प्रमुख मांगों में भ्रष्टाचार रोकें, आवास किराए पर नियंत्रण, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर निगरानी और आम नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना शामिल है। बढ़ती महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता के बीच युवा वर्ग सरकारों से अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा कर रहा है।

तकनीकी बदलावों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने भी युवाओं की चिंताओं को बढ़ाया है। कई युवाओं को आशंका है कि स्वचालन और एआई के कारण भविष्य में रोजगार के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। यही कारण है कि नौकरी सुरक्षा, कौशल विकास और रोजगार गारंटी जैसी अवधारणाओं को समर्थन मिल रहा है। आर्थिक असमानता का मुद्दा भी जेन-जी की सोच के केंद्र में है। यह वर्ग अत्यधिक संपन्न लोगों और लक्ज़री उपभोग पर अधिक कर लगाने की वकालत कर रहा है। उनका मानना है कि ऐसे करों से प्राप्त संसाधनों का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने में किया जा सकता है।

भारत में भी जेन-जी आर्थिक और सामाजिक मुद्दों को लेकर पहले की तुलना में अधिक जागरूक दिखाई दे रही है। यह पीढ़ी केवल अधिक वेतन वाले रोजगार की तलाश तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसे संस्थानों और कंपनियों को प्राथमिकता दे रही है जो सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक प्रभाव को महत्व देते हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक जेन-जी भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा उपभोक्ता और प्रभावशाली कार्यबल बन सकती है।

हालांकि, यह पीढ़ी पारंपरिक समाजवादी मॉडल को भी पूरी तरह स्वीकार नहीं करती।

सोवियत संघ जैसे पुराने प्रयोगों की विफलताओं और सीमाओं को देखते हुए जेन-जी निजी संपत्ति और मुक्त बाजार के महत्व को मानती है। लेकिन साथ ही वह 'क्रोनी कैपिटलिज्म' और कुछ हाथों में संपत्ति के अत्यधिक केंद्रीकरण का विरोध करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जेन-जी की यह नई आर्थिक सोच आने वाले वर्षों में वैश्विक राजनीति और आर्थिक नीतियों को प्रभावित कर सकती है, जहां वैचारिक कट्टरता की बजाय व्यावहारिक समाधान और सामाजिक संतुलन को अधिक महत्व मिलेगा।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

रुपया में सप्ताहिक तौर पर डॉलर के मुकाबले मामूली कमजोरी रही

भू-राजनीतिक तनाव में कमी और तेल कीमतों में नरमी ने दी कुछ राहत

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह भारतीय रुपये का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा। डॉलर के मुकाबले रुपये में सप्ताह भर में 0.18 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई, हालांकि सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इसमें अच्छी मजबूती देखने को मिली, जिससे हुई कुल साप्ताहिक गिरावट में कुछ सुधार आया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन रुपया डॉलर के मुकाबले 0.68 फीसदी की तेजी के साथ 95.11 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह गुरुवार के 95.76 प्रति डॉलर के मुकाबले एक महत्वपूर्ण सुधार था, जब रुपये में उल्लेखनीय कमजोरी देखी गई थी। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.94 के स्तर तक भी पहुंचा था, जो बाजार के बेहतर माहौल को दर्शाता है। रुपये में आई इस मजबूती की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में युद्ध थमने की उम्मीद के बीच कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, बाजार का बेहतर होता माहौल और अमेरिका-ईरान के बीच कूटनीतिक सफलता की संभावनाओं से डॉलर का कमजोर होना रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के विदेशी मुद्रा विनियम के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने इस बात पर जोर दिया कि रुपये ने गुरुवार को हुए नुकसान की काफी हद तक भरपाई की है। रुपया फिलीपींस के पेसो, दक्षिण कोरियाई वॉन और इंडोनेशियाई रुपिया के बाद एशिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक रहा। हालांकि, फरवरी के अंत में पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से डॉलर के मुकाबले रुपये में कुल 4.35 फीसदी की गिरावट आ चुकी है, जो लंबी अवधि की चुनौतियों को दर्शाता है।

रिलायंस अनिल अंबानी समूह के दो पूर्व अधिकारियों को ईडी ने किया गिरफ्तार

पीएमएलए के तहत हुई गिरफ्तारी, बैंक लोन धोखाधड़ी की जांच जारी

मुंबई ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह पर अपना शिकंजा कसते हुए प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत दो पूर्व अधिकारियों सतीश सेठ और गौतम दोषी को मुंबई से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई कथित बैंक लोन फ्रॉड से संबंधित सीबीआई की जांच के बाद हुई है। इसी के साथ नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के खिलाफ व्यक्तिगत दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की याचिका को स्वीकार कर लिया है, जिससे समूह की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सेठ और दोषी रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड के पूर्व निदेशक रह चुके हैं। उन पर भारतीय स्टेट बैंक को 114.98 करोड़ रुपए के कथित लोन फ्रॉड का आरोप है, जिसके संबंध में सीबीआई ने पहले मामला दर्ज किया था। ईडी ने सीबीआई की इसी शिकायत का संज्ञान लिया है। उन्हें आगे की कस्टडी के लिए दिल्ली की अदालत में पेश किया जाएगा। एसबीआई उन 11 बैंकों के कंसोर्टियम का हिस्सा था, जिन्होंने रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड को कुल 735 करोड़ रुपए की टर्म लोन सुविधा मंजूर की थी। दूसरी ओर एनसीएलटी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस इन्फ्राटेल लिमिटेड को दिए गए ऋणों के लिए व्यक्तिगत गारंटर के रूप में अनिल अंबानी की भूमिका को लेकर एसबीआई की याचिका मंजूर कर ली है। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने इस फैसले को कानूनी रूप से चुनौती देने की बात कही है। उल्लेखनीय है कि जून में सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशंस के पूर्व ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर अमिताभ झुनझुनवाला को भी इसी तरह के एक बड़े लोन फ्रॉड के आरोप में गिरफ्तार किया था।

बॉन्ड बाजार में लौटी रौनक कंपनियों व संस्थानों ने जुटाए 27,000 करोड़

अगले हफ्ते भी जारी रहेगा बॉन्ड जारी करने का सिलसिला

नई दिल्ली ।

इस हफ्ते भारतीय कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में जबरदस्त तेजी देखी गई, जहां कंपनियों और संस्थानों ने करीब 27,000 करोड़ रुपये जुटाए। बॉन्ड यील्ड में आई गिरावट के कारण उधार लेने की लागत कम होने से कंपनियों ने बड़े पैमाने पर बॉन्ड जारी करना शुरू कर दिया है।

यह तेजी प्रारंभिक वित्त वर्ष में देखी गई सुस्ती के बाद आई है, जब ऊंची यील्ड ने उधारकर्ताओं को बैंक ऋण का सहारा लेने पर मजबूर किया था। इस सप्ताह अच्छी रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड पर यील्ड लगभग 50 से 70 आधार अंक तक कम हुई, जबकि 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में करीब 9 आधार अंक की गिरावट दर्ज की गई।

यील्ड में इस अनुकूल कमी ने कंपनियों के लिए बॉन्ड बाजार से पूंजी जुटाना अधिक आकर्षक बना दिया है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हालिया नीतिगत समर्थन और पूंजी जुटाने के लिए उठाए गए कदमों, जैसे विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक (बी) जमा और बाह्य वाणिज्यिक उधारी को बढ़ावा देने से भी पूंजी जुटाने की स्थिति में सुधार हुआ है और रुपये को स्थिर करने में मदद मिली है। बाजार में यह उत्साह अगले हफ्ते भी जारी रहने की उम्मीद है। हाउसिंग ऐंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (हडको), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन (आरईसी) जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान अगले हफ्ते बॉन्ड से कुल 13,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहे हैं। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती दो महीनों (अप्रैल और मई) में प्राथमिक बाजारों में काफी कम गतिविधियां देखी गई थीं, जब भारतीय कंपनियों ने घरेलू बॉन्ड बाजार से केवल 1.07 लाख करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई थी।

यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले लगभग 58 फीसदी कम थी और वित्त वर्ष 2023 के बाद से किसी भी वित्त वर्ष के शुरुआती दो महीनों में जुटाई गई सबसे कम रकम थी। इस सप्ताह नेशनल बैंक फॉर फाइनैंसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर ऐंड डेवलपमेंट (नैबफिड) ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के जरिये 5,000 करोड़ रुपये जुटाए।

पीएनबी, उज्जीवन ने बढ़ाईं एफसीएनआर जमा दरें

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) ग्राहकों के लिए विदेशी मुद्रा प्रवासी बैंक (एफसीएनआर-बी) अमेरिकी डॉलर जमा पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं।

इस कदम का उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को विदेशी मुद्रा में अपनी आय बढ़ाने का अवसर देना तथा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के जोखिम से सुरक्षा प्रदान करना है। बैंक के अनुसार विशेष एफसीएनआर (बी) जमा योजना के तहत तीन से चार वर्ष की अवधि के लिए छह प्रतिशत, जबकि चार से पांच वर्ष की अवधि के लिए 6.05 प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा। पांच वर्ष की सावधि जमा पर पीएनबी 6.1 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने भी एफसीएनआर (बी) जमा दरों में वृद्धि की है। बैंक ने तीन से पांच वर्ष की अवधि के लिए अधिकतम 7.13 प्रतिशत तक ब्याज दर की घोषणा की है।

मोगावीरा सहकारी बैंक पर आरबीआई का शिकंजा, निकासी सीमा तय

छह महीने के लिए लागू हुआ प्रतिबंध, खाताधारक केवल 1 लाख रुपये तक ही निकाल सकेंगे

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई के मोगावीरा सहकारी बैंक की गंभीर होती वित्तीय स्थिति पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन निर्देशों के तहत अब कोई भी खाताधारक अपने विभिन्न खातों से अधिकतम 1 लाख रुपये तक ही निकाल पाएगा।

यह कदम ग्राहकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

आरबीआई का यह आदेश शुक्रवार को बैंकिंग कार्य समाप्त होने के बाद से लागू हो गया है और अगले छह महीने तक प्रभावी रहेगा, जिसकी केंद्रीय बैंक समय-समय पर समीक्षा करेगा। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि बैंक की बिगड़ती वित्तीय स्थिति के कारण यह कदम उठाना पड़ा है। आरबीआई लगातार मोगावीरा बैंक के बोर्ड और वरिष्ठ प्रबंधन के संपर्क में था ताकि कमियों को दूर कर खाताधारकों के पैसों की रक्षा की जा सके, लेकिन बैंक ने कोई ठोस प्रयास नहीं किए। जमाकर्ताओं के हितों को सुरक्षित रखने के लिए अंततः आरबीआई को यह सख्त कार्रवाई करनी पड़ी। इस अवधि में बैंक नए ऋण जारी नहीं कर सकेगा और न ही कोई नया निवेश कर पाएगा।

शेयर बाजार ने निराशा से ऐतिहासिक छलांग तक का तय किया सफर

वैश्विक नकारात्मक रुझानों और भू-राजनीतिक तनाव से प्रमुख सूचकांकों में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर राइड से कम नहीं रहा। वैश्विक नकारात्मक रुझानों और भू-राजनीतिक तनाव के चलते सोमवार को भारी बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिससे प्रमुख सूचकांक धड़ाम हो गए। हालांकि सप्ताह के अंत में निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी ने बाजार में तूफानी वापसी दर्ज कराई और सेंसेक्स-निफ्टी नए ऐतिहासिक उच्च स्तरों पर बंद हुए, जो बाजार के लचीलेपन को दर्शाता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को बेहद निराशाजनक रही। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े वैश्विक बदलावों के बीच जोखिम से बचने के माहौल ने बाजार को अपनी चपेट में ले लिया। मुनाफावसूली के चलते सेंसेक्स 719.08 अंक लुढ़ककर 73,524.26 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 243.71 अंक टूटकर 23,123.00 के अहम स्तर से नीचे आ गया। यह बिकवाली एशियाई और यूरोपीय बाजारों में भी देखी गई। मंगलवार को बाजार ने शानदार वापसी की और दोनों सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स 394.50 अंक की बढ़त के साथ 73,918.76 पर पहुंचा, वहीं निफ्टी 119.10 अंक मजबूत होकर 23,242.10 पर बंद हुआ। हालांकि बुधवार को बाजार में मिला-जुला रुख दिखा। सेंसेक्स मामूली 64.42 अंक बढ़कर 73,983.18 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 27.15 अंक गिरकर 23,214.95 पर लाल निशान में रहा। इस दौरान रुपये में

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरावट जारी रही। गुरुवार को एक बार फिर बाजार में बिकवाली का माहौल दिखा। सेंसेक्स 150.63 अंक फिसलकर 73,832.55 पर आ गया और निफ्टी 53.35 अंक कमजोर होकर 23,161.60 पर बंद हुआ। भारतीय रुपये में भी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे की और गिरावट दर्ज की गई, जो 95.60 पर पहुंच गया। शुक्रवार का दिन निवेशकों के लिए किसी सौगात से कम नहीं रहा। जबरदस्त खरीदारी के माहौल में बाजार खुलते ही चौतरफा तेजी देखी गई। जोखिम लेने के बढ़ते रुझान के चलते दिनभर सूचकांकों ने जोरदार छलांग लगाई। कारोबारी सत्र के अंत में बीएसई सेंसेक्स 1,695.40 अंकों की लंबी छलांग लगाकर 75,527.95 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ।

मई में बढ़ी खुदरा महंगाई, 3.93 फीसदी पर पहुंचा आंकड़ा

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज उछाल बनी मुख्य वजह, अक्टूबर में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार द्वारा जारी मई के आंकड़ों के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति (रिटेल इनफ्लेशन) बढ़कर 3.93 फीसदी पर पहुंच गई है, जो अप्रैल में 3.48 फीसदी थी। यह इस साल की सबसे बड़ी मासिक बढ़ोतरी है, जिसमें अप्रैल के मुकाबले 0.45 प्रतिशत अंक की वृद्धि दर्ज की गई है। इस वृद्धि का मुख्य कारण खाने-पीने की चीजों की कीमतों में आया उछाल है, जिससे आम आदमी पर महंगाई का बोझ बढ़ा है। मई में उपभोक्ता खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 4.78 फीसदी हो गई, जो अप्रैल में 4.2 फीसदी थी। ग्रामीण इलाकों में यह दर 4.85 फीसदी और शहरी इलाकों में 4.66 फीसदी रही। विशेषज्ञों के अनुसार, टमाटर, अदरक और अन्य सब्जियों जैसी जल्द खराब होने वाली वस्तुओं की कीमतों में तेजी से यह दबाव बना है। हालांकि, कोर इनफ्लेशन लगभग 3.7 फीसदी पर स्थिर रहा, जो दर्शाता है कि मुद्रास्फीति में वृद्धि में खाद्य वस्तुओं का ही प्रमुख योगदान है। बाजार के जानकारों ने कहा कि 4 फीसदी से नीचे का खुदरा और कोर इनफ्लेशन अल्पकालिक राहत का संकेत देता है, लेकिन मानसून के असर पर नजर रहेगी। उन्होंने अक्टूबर में ब्याज दरों में 50 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी की संभावना जताई है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अल-नीनो के संभावित प्रभाव (कमजोर मानसून) से भविष्य में महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है, जिससे पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है।

अमेरिकी आदेश के बाद एन्थ्रोपिक ने बंद किए अपने सबसे एडवांस एआई मॉडल

राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं पर अमेरिकी सरकार का निर्देश; जेलब्रेक की आशंका पर कंपनी असहमत

नई दिल्ली ।

अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी एन्थ्रोपिक ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अमेरिकी सरकार के आदेश के बाद अपने सबसे उन्नत एआई मॉडल फे विल 5 और मायथॉस 5 को सभी विदेशी उपयोगकर्ताओं के लिए बंद कर दिया है। एन्थ्रोपिक को मिले निर्देश में फे विल 5 के सुरक्षा उपायों को बायपास या जेलब्रेक करने की आशंका जताई गई है, जिससे सॉफ्टवेयर कमजोरियों का पता लग सकता है। हालांकि, कंपनी ने केवल एक संभावित सीमित जेलब्रेक के मौखिक सबूत मिलने की बात कही। एन्थ्रोपिक ने करोड़ों लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे कमर्शियल मॉडल को ऐसे सीमित कारण से वापस लेने को अनुचित बताया है, जिससे एआई डेवलपर्स और नियामकों के बीच तनाव बढ़ा है। यह कार्रवाई कंपनी के ट्रंप प्रशासन से पुराने विवाद और अमेरिकी सेना को अपने एआई मॉडल घरेलू निगरानी या स्वचालित हथियारों के लिए देने से इनकार के बाद हुई है, जिसके जवाब में सरकार ने उसे ब्लैकलिस्ट किया था। यह घटना विदेशी एआई क्षमताओं को रोकने के अमेरिकी प्रयासों में एक बड़ा बदलाव भी दर्शाती है।

क्रूड 87 डॉलर के पार, कई शहरों में बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

महानगरों में स्थिर रहीं कीमतें, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की तेजी का असर

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी कीं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 87 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने के बाद देश के कई शहरों में ईंधन के दामों में बदलाव आया है। हालांकि, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे चारों महानगरों में कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों की घोषणा के अनुसार, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) में पेट्रोल 22 पैसे महंगा होकर 101.92 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल में 21 पैसे की बढ़त के साथ यह 95.37 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसी तरह, बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 11 पैसे चढ़कर 113.65 रुपये और डीजल 14 पैसे महंगा होकर 99.36 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके विपरीत, हरियाणा के गुरुग्राम में उपभोक्ताओं को आंशिक राहत मिली है। यहां पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 102.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे की गिरावट के साथ 95.44 रुपये प्रति लीटर के भाव पर आ

गया है। गौरतलब है कि पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें रोजाना सुबह 6 बजे जारी की जाती हैं। इन दामों में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन, वैट और अन्य शुल्कों को जोड़ने के बाद इनका अंतिम मूल्य मूल भाव से लगभग दोगुना हो जाता है।

सोयाबीन खल की कमी ने बढ़ाई लागत, सीएलएफएमए ने जताई चिंता

सीएलएफएमए ने कहा, लागत बढ़ने से पोल्ट्री, एक्वाकल्चर और पशुपालन क्षेत्र पर दबाव

मुंबई ।

पशु आहार उद्योग गंभीर संकट का सामना कर रहा है। कंपाउंड लाइवस्टॉक फीड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीएलएफएमए) ने सोयाबीन तेल-रहित खल (डीओसी), जो पशु आहार में प्रोटीन का मुख्य स्रोत है, की गंभीर कमी पर चिंता व्यक्त की, जिससे चारे की लागत में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इस आपूर्ति व्यवधान के कारण पोल्ट्री, जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) तथा पशुपालन क्षेत्रों पर भारी दबाव पड़ा है। सीएलएफएमए के अनुसार हाल के हफ्तों में सोयाबीन डीओसी की कीमतें 40 प्रतिशत से अधिक बढ़कर लगभग 65-66 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। इस वृद्धि ने चारे के उत्पादन की लागत में इजाफा किया है, जिससे 'एनिमल प्रोटीन' मूल्य श्रृंखला से जुड़े किसानों पर सीधा असर पड़ रहा है। संघ की एक प्रमुख अधिकारी ने कहा, भारत के पोल्ट्री, एक्वाकल्चर और पशुपालन क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण आजीविका और निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। सोयाबीन डीओसी की निरंतर कमी और चारे की बढ़ती लागत से खेती की उत्पादकता और मुनाफे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने सस्ती और गुणवत्तापूर्ण चारे की सामग्री की उपलब्धता को राष्ट्रीय प्राथमिकता बताया। उन्होंने सभी अंशधारकों से किसानों के हितों की रक्षा और देश के चारा एवं पशु कृषि परिवेश को मजबूत करने के लिए एक संतुलित व टिकाऊ समाधान हेतु मिलकर काम करने की अपील की है।

स्पेसएक्स की बंपर लिस्टिंग, एलन मस्क बने दुनिया के पहले ट्रिलियनियर

शेयरों में 23 फीसदी की उछाल, कंपनी का बाजार पूंजीकरण 2.18 लाख करोड़ डॉलर पहुंचा

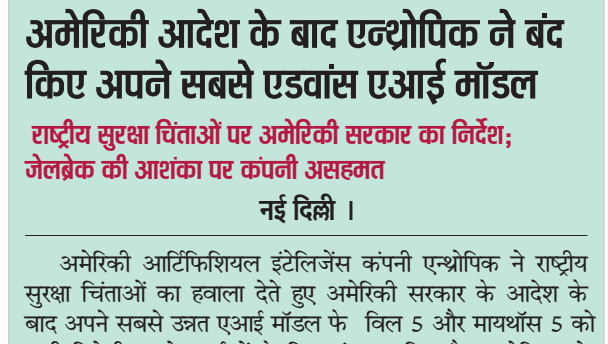

वाशिंगटन ।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी स्पेसएक्स ने अमेरिकी शेयर बाजार में शानदार शुरुआत करते हुए अपने सीईओ एलन मस्क को दुनिया का पहला ट्रिलियनियर बना दिया। कंपनी के शेयर पहले ही दिन 23 प्रतिशत उछल गए, जिससे मस्क की संपत्ति 1.1 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गई। स्पेसएक्स के शेयर 150 डॉलर के भाव पर खुले, जो निर्गम मूल्य से 11 प्रतिशत अधिक था, और शीघ्र ही 166.90 डॉलर तक पहुंचे। इस जोरदार शुरुआत ने कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 2.18 लाख करोड़ डॉलर आंका, जिससे फोर्ब्स के अनुमान के अनुसार एलन मस्क की कुल संपत्ति 1.1 लाख करोड़ हो गई है, और वे इतिहास के पहले ट्रिलियनियर बन गए हैं। कंपनी ने 135 डॉलर प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 55.56 करोड़ शेयर बेचकर रिकॉर्ड 75 अरब जुटाए, जो 2019 के सऊदी अरामको के 26 अरब डॉलर के आईपीओ के रिकॉर्ड को भी तोड़ गया। मस्क ने इन निधियों को उपग्रहों, अंतरिक्ष में डेटा सेंटर स्थापित करने और मंगल पर मानव बस्ती बसाने जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आम लोगों को चंद्रमा और मंगल तक ले जाने की कंपनी की योजनाओं का भी जिक्र किया। हालांकि, कंपनी को जनवरी 2025 से मार्च 2026 के बीच 8.7 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है, और मॉर्निंगस्टार जैसे विश्लेषकों ने इसके आईपीओ मूल्यांकन को अत्यधिक बताते हुए चिंता व्यक्त की है, जो उसके अनुमानित मूल्य का लगभग आधा है। स्पेसएक्स इस वर्ष बाजार में सूचीबद्ध होने वाली तीन बड़ी कंपनियों में से पहली है।

भारत, स्विट्जरलैंड ने दवा क्षेत्र में निवेश अवसरों पर चर्चा की

बर्न ।

भारत और स्विट्जरलैंड ने भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान क्षेत्र में स्विस दवा कंपनियों के लिए नए निवेश अवसरों पर विस्तार से चर्चा की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपने स्विट्जरलैंड दौरे के दौरान इस विषय पर गहन विचार-विमर्श किया। गोयल ने बर्न में स्विट्जरलैंड के आर्थिक मामलों की सचिव हेलेन बुडलिगर आर्टिएडा और प्रमुख दवा एवं जैव-प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की सह-अध्यक्षता की।

उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि चर्चा का केंद्र नवाचार को मजबूत करने के साथ-साथ भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान क्षेत्र में नए निवेश अवसरों पर था। इसके अतिरिक्त केंद्रीय मंत्री ने स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। इस दौरान दोनों देशों के बीच मजबूत और स्थायी साझेदारी को रेखांकित किया गया।

आर्थिक जुड़ाव, निवेश प्रवाह और बहुप्रतीक्षित भारत-ईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) को और

मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

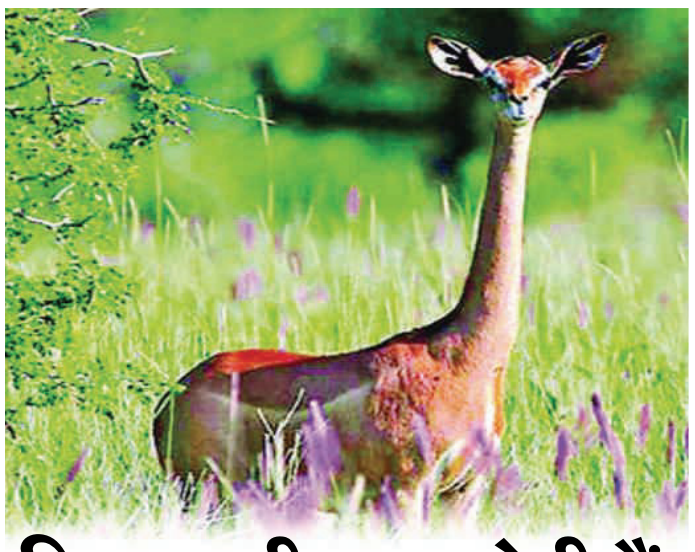

जिराफ की तरह होती हैं गेरेनक की गर्दन

'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के देशों व अफ्रीकन ग्रेट लेक्स में पाया जाने वाला गेरेनक एक ऐसा हिरन है, जो अपनी पतली और लंबी गरदन और छरहरे शरीर के कारण 'जिराफ हिरन' के नाम से जाना जाता है। जब यह किसी पेड़ से सटकर पिछले दो पैरों पर खड़ा होकर उसकी पत्तियां खाता है, तो जिराफ की याद आ जाती है। इसकी लंबाई105 सेंटीमीटर और वजन 52 किलोग्राम तक हो सकती है।

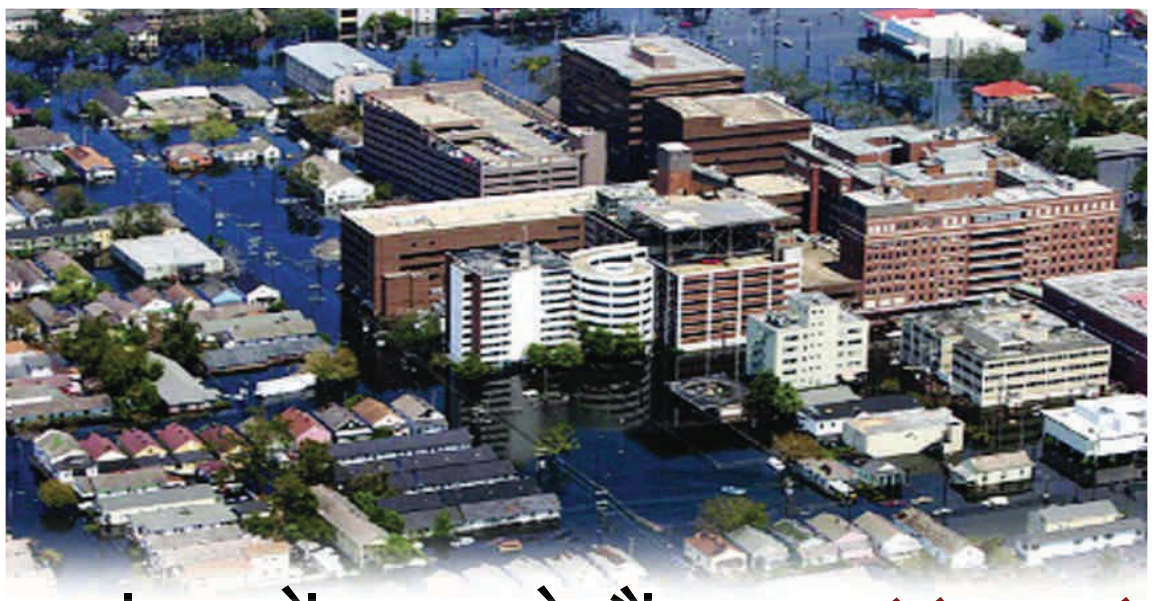

समंदर में डूब रहे हैं दुनिया के ये बड़े शहर

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट ने ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से बढ़ते खतरों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में हैरान कर देने वाली बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री जलस्तर और बाढ़ की वजह से अगले 9 सालों में दुनिया के ये शहर डूब सकते हैं। सिर्फ यही नहीं इस सूची में भारत के कोलकाता शहर का भी नाम शामिल है। चलिए जानते है कि इस रिपोर्ट में किन शहरों के डूबने का खतरा बताया जा रहा है.

जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है.यही वजह है कि अब समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई शहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है.कुछ ऐसे शहर हैं जो अब डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं.समुद्र तटीय शहरों में बसे लोगों को इस खतरे का सबसे ज्यादा सामाना करना पड़ रहा है. जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित किए गए अध्ययन में इसका दावा किया गया है. अध्ययन में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी पर मौजूद बर्फ तेजी से पिघल रही है जिससे पूरी दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है.यही वजह है कि समुद्र के पानी का विस्तार हो रहा है. परिणाम स्वरूप न्यू ऑरलियन्स और जकार्ता जैसे शहरों में समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है.पानी के बढ़ने के साथ ही इन तटीय शहरों की जमीन डूब रही है.

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में पाया कि समुद्र के बढ़ते स्तर की वजह से डूबती हुई भूमि ने दुनिया भर के तटीय निवासियों को असुरक्षित बना दिया है.इन तटीय शहरों में वैश्विक स्तर के मुकाबले समुद्र तट के जल स्तर में वृद्धि तीन से चार गुणा ज्यादा है.

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के टिंडाल सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के अध्ययन के नेतृत्वकर्ता और स्टटी के लेखक रॉबर्ट निकोल्स ने कहा कि हम कोई पूर्वानुमान नहीं बता रहे हैं बल्कि हम जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहे हैं.यह बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय है.शोध में सिल्वर लाइनिंग का जिक्र करते हुए बताया गया कि जिस तरह मानव गतिविधि की वजह से धरती के एक बड़े हिस्से से भूजल गायब होता जा रहा.तटीय इलाकों में मानवीय गतिविधि की वजह से समुद्र से सटे इलाकों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है.

रिसर्च में कहा गया है कि तटीय भूमि के लगातार कम होने के कुछ कारक मानव नियंत्रण से परे हैं.पृथ्वी के कुछ हिस्सों में अभी भी ग्लेशियरों के लुप्त होने से होने वाली समस्या को प्रकृति अपने तरीके से समायोजित कर रही है. लेकिन उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अलावा, भूजल निकासी, तेल और गैस निकासी, रेत खनन, और नदियों के आसपास बाढ़ अवरोधों के निर्माण (बांध) सहित मानव गतिविधियां जमीन डूबने का कारण बन सकती हैं. उन स्थानों पर जहां लोग केंद्रित हैं, ये गतिविधियां, विशेष रूप से भूजल को खत्म करने, भूमि को और अधिक तेजी से कम करने का कारण बनती है, जो अकेले भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होती है.20 वीं शताब्दी में, जकार्ता, न्यू ऑरलियन्स, शंघाई और बैंकाक के तटीय जमीन छह से 10 फीट तक पानी में डूब गए.सैटेलाइट के जरिए इन इलाकों की पैमाइश के अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि समुद्री स्तर में वृद्धि प्रति वर्ष लगभग 33 मिलीमीटर (एक इंच के लगभग आठवें हिस्से) हो रही है.

शोधकर्ता निकोलस और उनके सहयोगियों ने पाया कि औसतन, पृथ्वी की तटरेखाओं ने वास्तव में 1993 से 2015 के बीच लगभग 26 मिलीमीटर प्रति वर्ष (0.1 इंच) की तुलना में थोड़े कम सापेक्ष लिफ्ट का अनुभव किया है, क्योंकि ग्लेशियल रिबाउंड के कारण भूमि अभी भी बढ़ रही है.लेकिन ऐसा वहां नहीं हो रहा जहां अधिकांश लोग रहते हैं.इसी अवधि में, पृथ्वी के तटीय निवासियों ने समुद्र जल स्तर में औसतन 78 से 9 मिलीमीटर सालाना (लगभग आधा इंच) की वृद्धि देखी है. शोध के मुताबिक यह इस तथ्य को दर्शाता है कि तटीय निवासी तेजी से डूबने वाले क्षेत्रों पर आश्रित हैं जिसमें डूबते हुए डेल्टा और डूबते हुए शहर शामिल हैं.समस्या विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में है, जहां 2015 में, 185 मिलियन लोग तटीय बाढ़ के मैदानों में रहते थे.तटीय इलाकों में रहने वाली लोगों की वैश्विक संख्या के 75 फीसदी लोग इन इलाकों में रहते हैं.ऐसे लोग नदी की बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि दोनों के खतरों का सामना कर रहे हैं.

कुछ सालों में डूब जाएंगे दुनिया के ये बड़े शहर!

न्यू ओरलिंस, अमेरिका

अमेरिका के न्यू ओरलिंस शहर में नहरों और जलीय शाखाओं का जाल बिछा हुआ है। ये जाल न्यू ओरलिंस शहर को बाढ़ से बचाता है। अगर ये सुरक्षा जाल नहीं होता तो इस शहर में भारी तबाही मच जाती। वहीं अब कहा जा रहा है कि अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो इस शहर के लिए खतरा है और ये शहर डूब जाएगा।

एम्स्टर्डम, द नीदरलैंड्स

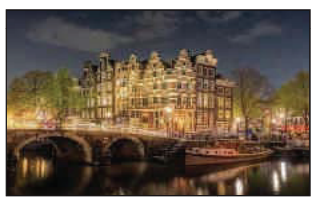

द नीदरलैंड्स में एम्स्टर्डम, रॉटरडम और हॉग जैसे शहर कम ऊंचाई पर स्थित हैं और ये नॉर्थ सी के बेहद नजदीक हैं। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस हिसाब से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, उसे देखकर लगता है कि ये शहर भी डूब जाऐंगे। इतना ही नहीं कोई भी डैम, बैरियर, फ्लडगेट इन शहरों को नहीं बचा पाएंगे।

बसरा, इराक

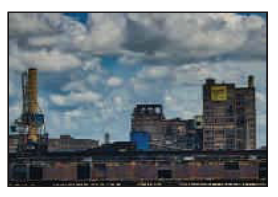

इराक ये शहर शत अल-अरब नाम की बड़ी नदी के किनारे बसा है। ये नदी पारस की खाड़ी से मिलती है। वहीं कई सारी नहरों और बैक वॉटर चैनल के जरिए ये शहर खाड़ी से जुड़ा है। इसकी वजह से इस शहर के आसपास काफी दलदली इलाका भी है। अगर समुद्री जलस्तर बढ़ता है तो इस शहर को खतरा है। बाढ़ आई तो इस शहर में काफी ज्यादा नुकसान हो सकता है। सिर्फ यही नहीं ये नक्शे से खत्म भी हो सकता है।

वेनिस, इटली

इटली का वेनिस शहर पानी के बीच में बसा हुआ है। यहां पर हर साल बाढ़ आती है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस शहर में दो तरह का खतरा है। पहला समुद्र का जलस्तर बढ़ना और दूसरा ये शहर अपने आप डूब रहा है। हर साल 2 मिलिमीटर नीचे धंस रहा है। अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ा तो 2030 तक ये शहर पानी के अंदर डूब जाएगा।

हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम

वियतनाम के पूर्वी इलाके में बसे इस शहर की ऊंचाई समुद्र तल से ज्यादा नहीं है। इस शहर को सबसे बड़ा खतरा मेकॉन्ग डेल्टा से है। इस डेल्टा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि हो ची मिन्ह सिटी साल 2030 तक पानी के अंदर डूब जाएगा।

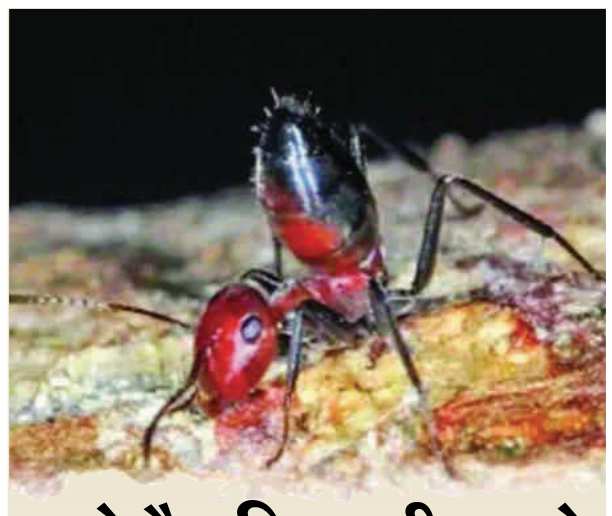

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक चींटियां

दरअसल कुछ ऐसी चींटियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जोकि फिदायीन हमलावर की तरह अपने अंदर धमाका कर लेती हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने जनरल जूकीज में छपी स्टडी के मुताबिक ब्रूनेई के बेलालॉन्ग फील्ड स्टडीज सेंटर के सामने पेड़ों के करीब चींटियों के ऐसे कई घर मौजूद हैं। यह चींटियां अपने घर पर हमला होने की सूरत में अपनी जान तक दे देती हैं।

इन चींटियों के अंदर धमाका करने की एक खास प्रवृत्ति मौजूद है। और इसी वजह से इन्हें कोलोबोपसिस एक्सप्लोडेंस कहा जाता है। जब इन चींटियों के घोसले पर हमला या फिर अतिक्रमण कर दिया जाए तो यह चींटियां अपने पेट में धमाका कर लेती हैं। जिसके बाद इन चींटियों के पेट से चिपचिपा, चमकीला, पीला फ्लूइड बाहर निकल आता है। जो कि बहुत ज्यादा जहरीला होता है। ये बिल्कुल उसी तरह है जैसे कि मधुमक्खी डंक मारने के बाद अपने प्राण त्याग देती है उसी तरह यह चींटियां भी अपने घर को बचाने के लिए अपनी जान देने में पीछे नहीं रहती है। इन चींटियों के द्वारा पेट में किया जाने वाला ये धमाका इनके घरों को जरूर बचा लेता है।

धमाका करने वाली चींटियों को एक्सप्लोडेंस नाम से जाना जाता है। जब इनके घर पर हमला होता है तो यह खुद के पेट मे धमाका कर लेती है। इसके पश्चात इनके पेट से जहरीला पिला चमकीला फ्लूइड बाहर निकलने लगता है। जिस प्रकार मधुमक्खी डंक लगाने के बाद मार जाती है ठीक उसी प्रकार ये चींटियां भी अपना घर बचने के लिए खुद को इस धमाके में नष्ट कर लेती है।

दरअसल वैज्ञानिक अपने अंदर धमाका करने वाली इन चीटियों के बारे में पिछले 200 साल से भी ज्यादा वक्त से जानते हैं। और आपको बतादें की साल 1916 में पहली बार इन चींटियों के बारे में बताया गया था। लेकिन साल 1935 से इस समूह की चींटियों को कोई भी आधिकारिक नाम नहीं मिला था।

चीटियों को आप किस वजह से पहचानते हैं। उनकी मेहनत की वजह से, चीटियां अपने धुन की पक्की होती है और चीटियां जब तक अपने काम को पूरा नहीं कर लेती वह रुकती नहीं है। इसके अलावा चीटियों की तारीफ इस वजह से भी की जाती है कि चीटियां इतनी छोटी होने के बावजूद भी अपने से कई गुना वजन को उठा लेती हैं। चीटियों का ये सामाजिक ताना-बाना बड़ा ही कमाल का है। लेकिन चीटियों से जुड़ी हुई एक ऐसी खबर आई है। जिसे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।

बच्चो, पहले मुर्गी हुई या अंडा की पहेली तो आप लोग बाद में कभी हल करना, लेकिन आज हम आप को बांग देने वाला पक्षी मुर्गा के बारे में बता रहे हैं। सुबह-सुबह अपने कूंकूडू कूं से सबको जगाने वाला मुर्गा एक ऐसा पक्षी है, जो हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। कहा जाता है कि मुर्गे की उत्पत्ति भारत भूमि पर हुई और यहां से ही पूरी दुनिया में मुर्गे को इंसान ले गया।

बांग देने वाला पक्षी मुर्गा

आज मुर्गे की जितनी भी नस्लें सारे संसार में हैं, वे सब लाल जंगली मुर्गे गैलस की वंशज हैं। यह अलग बात है कि आज लाल जंगली मुर्गा विलुप्त होने के कगार पर है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार मुर्गे और मानव जीवन में काफी समानताएं हैं। मानव और मुर्गे के जीनोम में से 50 फीसदी जीन आपस में मिलते हैं। मुर्गे को पालतू बनाने के कारणों में से प्रमुख है इनकी दिलचस्प लड़ाई। ऐसा माना जाता है कि मुर्गा काफी साहसी होता है। इस साहसी गुण के कारण ही इसको पालतू बनाया गया। इंसान में बहादुरी के कोई 20 लक्षणों की यदि लिस्ट बनाई जाए तो उसमें से चार गुण मुर्गे से जरूर मिल जाएंगे।

जब मुर्गे को पालतू बनाया गया तो इसके बारे में काफी कुछ लिखा गया। एक ऐसा पक्षी जिसके माथे पर चटक लाल रंग की कलगी और शरीर खूबसूरत लाल-काले, हरे, किंतु चमकदार पंखों से ढंका हुआ होता है। जब वह मिस्र के राज दरबार में पहली दफा पहुंचा तो उसे देखने वालों की खासी भीड़ जुटी। ऐसा माना जाता है कि लाल जंगली मुर्गे को सबसे पहले मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में 2500-2100 ईसा पूर्व पालतू बनाया। इस दौर के बनाए चित्रों में मुर्गा दिखाई देता है। यहां अनेक मिट्टी के खिलौनों में भी नर और मादा मुर्गे को दिखाया गया है।

बिना सांस लिए भी जिंदा रहता है यह जीव

सांस लिए बिना कोई भी जीव-जंतु या इंसान की जिंदा रहना बेहद ही मुश्किल है। इस बात को हम सभी जानते हैं कि सांस के माध्यम से बिना ऑक्सीजन गैस लिए कोई जिंदा नहीं रह सकता है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्यमयी जीव (परजीवी) मिला है, जो बिना सांस लिए भी धरती पर जिंदा है। यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसके अंदर ये अनोखी विशेषता है। बता दें कि जेलीफिश की तरह दिखने वाले इस बहुकोशिकीय परजीवी में माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम नहीं है। किसी भी जीव को सांस लेने के लिए माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम बेहद ही जरूरी होता है। इन्हीं वजहों से इस परजीवी को जिंदा रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती। इजरायल की तेल-अवीव यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने इस अद्भुत और रहस्यमय परजीवी की खोज की है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह परजीवी मछलियों से ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन इस दौरान वो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। खास बात ये है कि मछलियां भी इस परजीवी को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। ये परजीवी सालमन फिश में पाए जाते हैं और ये तब तक जिंदा रहते हैं, जब तक कि मछली जिंदा रहती है। इस जीव का वैज्ञानिक नाम हेन्नीगुया साल्मिनीकोला है। शोध के प्रमुख डयाना याहलोमी ने बताया कि यह जीव इंसानों या दूसरे जीवों के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। हालांकि, यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है कि आखिर इस तरह का जीव पृथ्वी पर विकसित कैसे हुआ, जो बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा रह सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने इस परजीवी को फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप से देखा, जिसमें उन्हें माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा। इसके बाद यह स्थिति साफ हो गई कि यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसे जीने के लिए सांस लेना जरूरी नहीं है। हालांकि, साल 2010 में भी इटली के शोधकर्ताओं को इसी तरह का एक जीव मिला था, जिसमें साफतौर पर माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा था। उसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन सल्फाइड था। लेकिन नए मिले इस जीव को तो हाइड्रोजन सल्फाइड की भी जरूरत नहीं है।

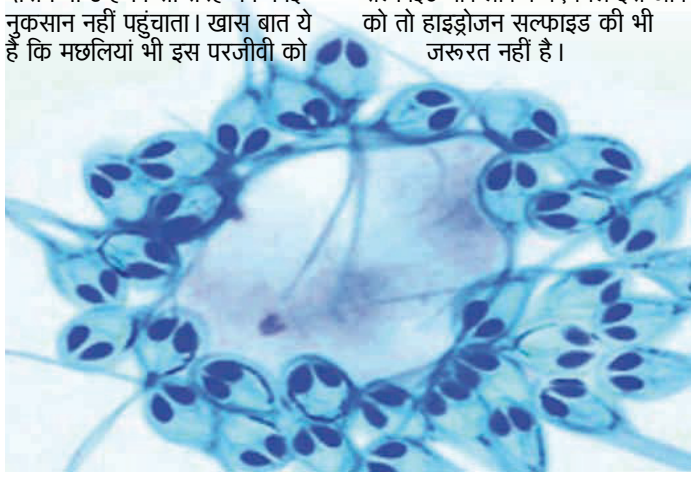

हाथी और चूहा

एक बहुत घना जंगल था। इतना कि उसमें सूर्य की किरणें भी नहीं पहुंच पाती थीं। इस जंगल में तरह-तरह के भयानक जानवर थे। सभी सुख-चैन से रह रहे थे। एक दिन उस घने और भयानक जंगल में एक हाथी आ पहुंचा। देखने में पहाड़ जैसा ऊंचा और शक्तिवान। जब वह चलता, तो सारे जानवर उसे छिपकर देखते थे। उसके चिंघाड़ने से जंगल में भगदड़ मच जाती थी। बड़े जानवर छिप जाते और छोटे जानवर अपनी मांदों में दुबक जाते। जंगल के जानवरों का सुख-चैन छिन गया।

यह देख, हाथी बहुत परेशान रहने लगा। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। वह तो उन्हें दोस्त बनाने के लिए प्यार से आवाज लगाता था, पर होता उलटा ही था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर उसमें कौन सी बुरी आदत है? वह रात-दिन यही सोचने लगा।

एक दिन हाथी उदास मन से धीरे-धीरे घूम रहा था। जब वह जंगल के एक पुराने बरगद के नीचे पहुंचा, तो उसे एक चीख सुनाई पड़ी। कोई चिल्ला रहा था, बचाओ-बचाओ! हाथी ने सिर उठाकर देखा, एक नन्हा सा चूहा पेड़ की टहनियों में उलझा चिल्ला रहा था। हाथी बोला, घबराओ नहीं, मैं अभी तुम्हें बचाता हूं। हाथी को देखकर पहले तो चूहा कुछ डरा। लेकिन मरता क्या न करता! चूहा डर भूल गया और हाथी को डबडबाई आंखों से देखने लगा। हाथी ने अपनी सूंड ऊपर उठा दी और चूहा उस पर बैठकर नीचे उतर आया।

नीचे आते ही चूहा तेजी से भाग गया। उसने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। बेचारे हाथी ने तो सोचा था कि चूहा ही उसका दोस्त बनेगा, पर वह भी भाग गया। अब हाथी को विश्वास हो गया कि उसका कोई भी दोस्त नहीं बन सकता। यह सोचकर वह रोने लगा।

लेकिन थोड़ी ही देर में चिड़ियों का मधुर गाना उसे सुनाई पड़ने लगा। ऐसा गाना उसने इस जंगल में पहले कभी नहीं सुना था। देखते ही देखते जंगल के सारे जानवर हाथी के चारों तरफ एक घेरा बनाकर नाचने-गाने लगे। कोई सीटी बजा रहा था, तो बंदर ढोल पीट रहा था। शेर सुरीली आवाज में गा रहा था। हाथी को यह सब एक सपने की तरह लग रहा था। हाथी ने हैरानी से देखा, झुंड में वही चूहा सबसे आगे था, जिसे हाथी ने बचाया था।

उस छोटे चूहे ने कहा, आज तुमने मुझे बचाया है। तुम बहुत ही अच्छे हो। शरीर से चाहे कितने ही बड़े हो, परंतु तुम्हारा दिल दया और प्रेम से भरा हुआ है। आज से तुम हम सबके दोस्त हो और हम सब तुम्हारे। हाथी ने उन्हें बताया कि असल में उसका जोर से बोलने का मतलब जानवरों को डराना और नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि दोस्त बनाना था। अब हाथी भी उस नाच-गाने में शामिल हो गया। सारे जानवर और भी झूम-झूमकर नाचने लगे। हाथी फिर कभी इतने जोर से नहीं चिल्लाया।

केन विलियमसन के सन्यास पर विराट कोहली का छलका दर्द

कहा- महानतम बल्लेबाज ने क्रिकेट को अलविदा कहा

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने शुक्रवार (12 जून) को इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया. इसके साथ ही न्यूजीलैंड क्रिकेट में तीनों प्रारूपों में एक युग का अंत हो गया।

विलियमसन इस समय इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला खेल रहे हैं जिसमें न्यूजीलैंड पहला मैच 115 रन से हार गई थी. विलियमसन पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे और दूसरी में 18 रन पर आउट हो गए थे. ये मैच उनके करियर का आखिरी मैच बन गया। अपने 16 साल के शानदार करियर में विलियमसन ने देश के लिये कुल 378 मैच खेले. जिसमें 110 टेस्ट, 175 वनडे और 93 टी20 मैच शामिल हैं. विलियमसन ने 2025 में ही टी20 प्रारूप से संन्यास ले लिया था।

विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी बयान में कहा, 'मैंने इस पर काफी सोचा और पिछले कुछ दिन से लग रहा था कि यही सही समय है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिये मेरे भीतर हमेशा मजबूत इच्छाशक्ति और ललक रही है और मुझे इस बात में गर्व है कि न्यूजीलैंड के लिये हर मैच में मैंने अपना सब कुछ दिया है।'

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा , 'हमारे महानतम खिलाड़ियों में से एक विदा हो रहा है. केन विलियमसन ने त्वरित प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला किया है।'

मजदूर का बेटा बना 'गोल्डन बॉय'

बेटे की कामयाबी देख फफक-फफक कर रोए माता-पिता

करनाल (एजेंसी)। हौंसले के तरकश में कोशिश का वो तीर जिंदा रख, हार जा चाहे जिंदगी में सब कुछ, मगर फिर से जीतने की उम्मीद जिंदा रख. इन पंक्तियों को पूरी तरह सच कर दिखाया है करनाल के सुमित ने. सुमित सीकरी गांव के निवासी हैं. गुजरात के अहमदाबाद में 4 जून से 8 जून 2026 तक 'फर्स्ट वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप' का आयोजन हुआ. इस प्रतियोगिता में सुमित ने अपनी अद्भुत खेल प्रतिभा के दम पर ना केवल देश का परचम लहराया, बल्कि वैश्विक पटल पर भारत और हरियाणा का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा दिया।

विश्व मंच पर सुमित का स्वर्णिम प्रदर्शन?- देशभर से आए श्रेष्ठ योगासन खिलाड़ियों के बीच हुए इस कड़े और उच्च स्तरीय मुकाबले में सुमित ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए दो अलग-अलग इवेंट्स में दो गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया. सुमित ने इस विश्व चैंपियनशिप के सीनियर मेल कैटेगरी में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए दो स्पर्धाओं में देश की झोली में स्वर्ण पदक डाले हैं।

लेग बैलेंस इंडिविजुअल इवेंट (सीनियर मेल कैटेगरी)- अपनी एकाग्रता और शारीरिक संतुलन का लोहा मनवाते हुए सुमित ने पहला स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

मप्र शहडोल के 'मिनी ब्राजील' में फीफा का उत्साह

● खिलाड़ी चाहते हैं ब्राजील बने विश्व विजेता ● भारत को फीफा तक पहुंचाने का संकल्प लिया

भोपाल/शहडोल (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से हो गई है, जिसे लेकर दुनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस महाकुंभ पर करोड़ों निगाहें टिकी हैं। इस वैश्विक रोमांच के बीच मध्य प्रदेश के शहडोल जिले का 'मिनी ब्राजील' गांव विचारपुर भी फुटबॉल के रंग में रंग चुका है। विश्व कप शुरू होने से पहले ही विचारपुर के मैदानों में रौनक बढ़ गई है। गांव के बच्चे और युवा खिलाड़ी अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। यहां के अधिकांश खिलाड़ी ब्राजील का समर्थन करते हैं और उन्हें ही फीफा का विश्व विजेता देखना चाहते हैं। वहीं टीम इंडिया का फीफा तक नहीं पहुंच पाना भी उनके लिए निराशा का विषय है। मिनी ब्राजील के मैदान में फुटबॉल खेल रहे बच्चों का कहना है कि हम आने वाले समय में टीम इंडिया को फीफा तक पहुंचाएंगे। मैदान में खेल रहे कुछ युवा अर्जेंटीना और लियोनेल मेसी के प्रशंसक भी हैं। लेकिन इस उत्साह के बीच एक सवाल भी बार-बार उठता है जब दुनिया फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर उतर रही है, तब भारत अब तक वहां क्यों नहीं पहुंच पाया?

क्यों कहा जाता है विचारपुर को मिनी ब्राजील? – शहडोल मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित विचारपुर गांव में फुटबॉल केवल खेल नहीं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा है। गांव के अधिकांश घरों में कोई न कोई खिलाड़ी फुटबॉल से जुड़ा हुआ है। यहां बच्चे चलना सीखने के साथ फुटबॉल को भी अपनाने लगते हैं।

वर्षों पहले गांव के युवाओं ने फुटबॉल को अपनी पहचान बनाया। धीरे-धीरे यहां से कई खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे। महिला खिलाड़ियों ने भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। गांव में फुटबॉल के प्रति इसी जुनून ने इसे मिनी ब्राजील की पहचान दिलाई।

पीएम मोदी ने दिलाई राष्ट्रीय पहचान – विचारपुर को राष्ट्रीय पहचान तब मिली जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 में अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में गांव का उल्लेख किया था। पीएम ने गांव की फुटबॉल संस्कृति और यहां के खिलाड़ियों की सराहना की थी। इसके बाद विचारपुर अचानक राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया।प्रधानमंत्री के उल्लेख के बाद कई प्रशासनिक और खेल विभाग के अधिकारी गांव पहुंचे। गांव की पहचान एक फुटबॉल हब के रूप में बनी और यहां के खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर बढ़े। देशभर के मीडिया संस्थानों ने भी गांव की कहानी को प्रमुखता से प्रकाशित किया।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कुंडे बोलीं- फीफा से सीखने का अवसर

जर्मनी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी खिलाड़ी सानिया कुंडे कहती हैं कि फीफा विश्व कप उनके जैसे खिलाड़ियों के लिए सीखने का सबसे बड़ा मंच है ।सानिया कहती हैं, हम लोग सभी मैच देखेंगे । जो खिलाड़ी हमारी पोजीशन पर खेलते हैं, उन्हें देखकर नई तकनीक सीखने को मिलती है । ऐसे कई शॉट्स और मूवमेंट देखने को मिलते हैं जिन्हें सीखने के लिए बहुत उच्च स्तरीय अभ्यास की जरूरत होती है । हम सब ब्राजील को सपोर्ट करेंगे । हमारी कोशिश है कि एक दिन भारत भी फीफा वर्ल्ड कप में खेले ।

महिला टी20 विश्व कप 2026 में

आज चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान का मुकाबला

बर्मिंघम (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में क्रिकेट प्रेमियों को शुरुआत में ही बड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान रविवार, 14 जून को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर ग्रुप-1 के मुकाबले में आमने-सामने होंगे। दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी।

एजबेस्टन में दिखेगा हाई-वोल्टेज मुकाबला – भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले हमेशा से रोमांच और दबाव से भरे रहे हैं। इन मैचों में आंकड़े और हालिया फॉर्म अक्सर पीछे छूट जाते हैं और खिलाड़ी मानसिक मजबूती की परीक्षा से गुजरते हैं। बर्मिंघम में बड़ी संख्या में दक्षिण एशियाई समुदाय के लोग रहते हैं, जिसके चलते एजबेस्टन में एक बार फिर शानदार माहौल देखने को मिलने की उम्मीद है। स्टेडियम में दोनों टीमों के समर्थकों की भारी मौजूदगी मुकाबले को और खास बना सकती है।

पहली ट्रॉफी की तलाश में भारत – हर्मनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस बार पहली बार महिला टी20 विश्व कप खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। टीम के पास अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन मिश्रण मौजूद है। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा भारत की सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही हैं। दोनों बल्लेबाज शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाकर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखती हैं।

युवा जोश के साथ उतरेगा पाकिस्तान – पाकिस्तान की कप्तानी फातिमा सना के हाथों में है। उनकी टीम में कई युवा खिलाड़ी शामिल हैं जो बड़े मंच पर खुद को साबित करने के लिए बेताब हैं। हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का रिकॉर्ड पाकिस्तान के खिलाफ बेहतर रहा है, लेकिन बड़े टूर्नामेंटों में अक्सर उलटफेर देखने को मिलते हैं। ऐसे में पाकिस्तान भी आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगा।

भारत को माना जा रहा है प्रबल दावेदार

कागजों पर भारतीय टीम अधिक संतुलित और मजबूत नजर आती है । बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में भारत के पास कई मैच विजेता खिलाड़ी मौजूद हैं । हालांकि पाकिस्तान को हल्के में लेना भारत के लिए बड़ी गलती साबित हो सकता है । फातिमा सना की टीम उलटफेर करने और जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज करने के इरादे से उतरेगी ।

शाम 7 बजे से मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच महिला टी20 विश्व कप 2026 का मुकाबला 14 जून को भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे शुरू होगा । मैच का आयोजन एजबेस्टन, बर्मिंघम में किया जाएगा । इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर उपलब्ध रहेगी ।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय शूटिंग टीम घोषित

● मनु भाकर और ईशा सिंह दोनों पिस्टल इवेंट्स में खेलेंगे, पिछले साल 22 मेडल जीते थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने 20वें एशियन गेम्स के लिए भारत की राइफल और पिस्टल टीम घोषित कर दी है। इसमें 30 खिलाड़ी शामिल हैं। शॉटगन टीम पहले ही चुनी जा चुकी है।

जापान के आईची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होंगे। एशियाड के लिए जारी टीमें अगले महीने हांग्जो में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप और अक्टूबर में काहिरा (मिस्र) वर्ल्ड कप में भी खेलेंगी।

मनु और ईशा डबल इवेंट्स में खेलेंगी – एनआरएआई की लिस्ट के मुताबिक, पेरिस ओलिंपिक की डबल मेडलिस्ट मनु भाकर और 2022 एशियन गेम्स की स्टार ईशा सिंह 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल दोनों इवेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। राइफल कैटेगरी में रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल और विदर्शा के. विनोद भी दो-दो इवेंट्स में खेलेंगे। एनआरएआई ने बताया कि टीम का चयन हाल ही में हुए नेशनल सिलेक्शन ट्रायल्स 4 के बाद नेशनल रैंकिंग और चयन नीति के आधार पर किया गया है।

फीफा वर्ल्ड कप- इंग्लैंड टीम का सामान चोरी

गाड़ी से ही फुटबॉल-जूते ले गए चोर, कैंसास पुलिस ने 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड फुटबॉल टीम का सामान चोरी हो गया। यह घटना शुक्रवार को हुई। टीम का सामान फ्लोरिडा में लगे प्री-टूर्नामेंट कैंप से अमेरिका के कैंसास सिटी स्थित स्वोप सॉकर विलेज ले जाया जा रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैंसास सिटी पहुंचने के बाद टीम के वाहन से सामान गायब मिला। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोरी हुए सामान में फुटबॉल और खिलाड़ियों के बूट्स शामिल हैं। कैंसास पुलिस ने इस मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मामले की जांच जारी है। स्वोप सॉकर विलेज कैंसास सिटी में स्थित एक फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर है। इंग्लैंड टीम ने वर्ल्ड कप 2026 के दौरान इसे अपने बेस कैंप और ट्रेनिंग वेन्यू के रूप में चुना है।

स्थानीय पुलिस ने शुरू की जांच, 2 लोग हिरासत में – कैंसास सिटी पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि टीम के वाहन से सामान गायब होने और संभावित चोरी के मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जांच अभी जारी है। इस मामले में दो संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

ग्रुप-एल में शामिल है इंग्लैंड, 18 जून को पहला मैच – वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड की टीम ग्रुप-रु में है। इस ग्रुप में इंग्लैंड के साथ क्रोएशिया, घाना और पनामा की टीमें मौजूद हैं। भारतीय समयानुसार इंग्लैंड की टीम 18 जून को क्रोएशिया के खिलाफ मैच अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगी।

9 खिलाड़ी करेंगे मेजर इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू – थॉमस टचल के कोचिंग में इंग्लैंड की टीम एक नए लुक में नजर आ रही है। इस 26 सदस्यीय टीम में कई नए चेहरों को जगह मिली है। टीम के 9 खिलाड़ी ऐसे हैं, जो पहली बार किसी बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू कर सकते हैं। इन नए खिलाड़ियों में इलियट एंडरसन और मॉर्गन रोजर्स भी शामिल हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

मेजबान अमेरिका की धमाकेदार शुरुआत, पैराग्वे को 4-1 से हराया

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में मेजबान अमेरिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पैराग्वे को 4-1 से मात दी। कैलिफोर्निया में खेले गए इस मुकाबले में फ्लोरिन बालोगुन और क्रिश्चियन पुलिसिक ने अमेरिकी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

बालोगुन और पुलिसिक ने बिखेरा जलवा – अमेरिका की ओर से फ्लोरिन बालोगुन ने दो गोल दागे, जबकि स्टार खिलाड़ी क्रिश्चियन पुलिसिक ने पूरे मैच में पैराग्वे की रक्षापंक्ति को परेशान रखा। पुलिसिक ने कई आक्रामक मूव तैयार किए और टीम के आक्रमण की धुरी बने रहे।

सातवें मिनट में मिली बढ़त – मेजबान टीम ने मैच के सातवें मिनट में ही बढ़त हासिल कर ली। पुलिसिक ने शानदार पास देकर वेस्टन मैकेनी को मौका बनाया, जिसके बाद पैराग्वे के खिलाड़ी डेमियन बोबाडिला से आत्मघाती गोल हो गया। इसके बाद 31वें मिनट में पुलिसिक के सटीक क्रॉस पर बालोगुन ने गोल दागकर अमेरिका की बढ़त 2-0 कर दी।

स्टॉपेज टाइम में बालोगुन ने किया कमाल – दूसरे हाफ में भी अमेरिका का दबदबा जारी रहा। मैच के 90+8वें मिनट में बालोगुन ने दो डिफेंडरों को छकाते हुए अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल दाग दिया। इस गोल ने अमेरिका की जीत पर मुहर लगा दी।

पैराग्वे की वापसी की कोशिश नाकाम – पैराग्वे ने 73वें मिनट में मॉरिसियो मगाल्हाएस के गोल की बदौलत स्कोर 2-1 किया, लेकिन टीम इसके बाद कोई बड़ा दबाव नहीं बना सकी। अमेरिकी खिलाड़ियों ने मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी और विपक्षी टीम को वापसी का मौका नहीं दिया।

सिंधु ऑस्ट्रेलियन ओपन का सेमीफाइनल हारीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में सफर समाप्त हो गया है। महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में सिंधु को जापान की वर्ल्ड नंबर-3 अकाने यामागुची के हाथों सीधे गेमों में 20-22, 12-22 से करारी हार झेलनी पड़ी। पहले गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद सिंधु दूसरे गेम में पूरी तरह अपनी लय खो बैठीं और मुकाबला गंवा दिया। इस जीत के साथ ही टॉप सीड अकाने यामागुची ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर लगातार अपने चौथे फाइनल में जगह बना ली है। वहीं पिछले दो साल से खराब फॉर्म और चोट से जूझने के बाद वापसी की कोशिशों में जुटीं सिंधु का इस साल का पहला खिताब जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में के लिए भारतीय टीम का ऐलान, पीवी सिंधु करेंगी अगुवाई

अगस्त में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु 10 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। नई दिल्ली में 17 से 23 अगस्त तक होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए ग्लोबल फेडरेशन ने क्वालिफिकेशन सूची में पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु सहित 10 खिलाड़ियों को जगह मिली है। भारत

की ओर से पांच स्पर्धाओं में कुल 10 लोगों को जगह मिली हैं, जिनमें पुरुष डबल्स की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी देश के सबसे ऊंची रैंकिंग वाले दावेदार के तौर पर शामिल हैं। पीवी सिंधु ने बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन के क्वालिफिकेशन नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में अपनी जगह पक्की की। 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित इस क्वालिफिकेशन सूची में पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और हर युगल स्पर्धाओं में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में हर कैटेगरी में भारत के दो खिलाड़ी सीधे एंट्री करेंगे।

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी ने क्वालिफाई किया है, जबकि महिला सिंगल्स में सिंधु के साथ उभरती हुई खिलाड़ी उन्नति हुड्डा शामिल हैं। भारत की सबसे अच्छी रैंकिंग वाली एंट्री पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की है, जिन्होंने कुल मिलाकर चौथी रैंकिंग के साथ क्वालिफाई किया। हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन ने भारत के लिए पुरुष डबल्स में दूसरी जगह पक्की की।

क्वालिफाई करने वाली जोड़ियों में 30वें स्थान पर मौजूद ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी के साथ महिला डबल्स में भारत की चुनौती पेश करेंगी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान पर क्वालिफाई किया, जबकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे ने भारत के लिए दूसरी जगह हासिल की। कई भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी रिजर्व लिस्ट में भी शामिल हैं, जिनमें पुरुष एकल में वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, और महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर शामिल हैं।

बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। चीन के पुरुष एकल चैंपियन शी यू की, दक्षिण कोरिया के पुरुष युगल विजेता किम वॉन हो और सियो सेउंग जे, और चीन की महिला युगल चैंपियन लियू शेंग शू और टैन निंग - ये सभी अपने-अपने इवेंट्स में टॉप-रैंक वाले खिलाड़ियों के तौर पर क्वालिफाई हुए। जापान की अकाने यामागुची, जो मौजूदा विमेंस सिंगल्स चैंपियन हैं, तीसरे नंबर पर क्वालिफाई हुईं, जबकि मलेशिया के मौजूदा मिश्रित युगल चैंपियन चेन तांग जी और तोह ई वेई चौथे नंबर पर क्वालिफाई हुए।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

कंगना ने बताया कि 'भारत भाग्य विधाता' में क्यों निभाई नर्स की भूमिका

कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान कामा अस्पताल में घटी सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह फिल्म नर्स की बहादुरी की अनसुनी कहानी को बताती है। इस फिल्म में कंगना ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। अपनी फिल्म और अपने किरदार को लेकर कंगना ने कई बातों का खुलासा किया है।

कंगना रनौत ने फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका निभाई है। एएनआई से बातचीत के दौरान इस फिल्म में नर्स की ड्रेस को लेकर कंगना ने कहा, 'नर्सों की वर्दी बहुत ब्रिटिश लगती है, उन्हें नर्सों की अपनी पसंद के अनुसार भारतीय रूप दिया जाना चाहिए।' कंगना रनौत ने बताया कि उन्होंने 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका क्यों निभाई है। कंगना ने कहा, 'अस्पताल के कर्मचारियों ने देश के लिए दृढ़ता दिखाई। एक नर्स अजमल कसाब की पहचान करने में महत्वपूर्ण गवाह बनकर उभरीं।' इसके साथ ही कंगना ने पीएम मोदी की 'भारत भाग्य विधाता' की योजना के बारे में भी खास बात बताई है।

कंगना रनौत ने कहा, 'भारत भाग्य विधाता 26/11 हमलों की एक अनकही वीरता की कहानी है।' इसके साथ ही कंगना ने बताया कि उस दौरान गोलियों और अफरा-तफरी के बीच, नर्सों ने 20 बच्चों को जन्म देने में मदद की थी।'

फिल्म में कंगना रनौत ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। उनके साथ गिरिजा ओक भी एक नर्स के किरदार में हैं। इस फिल्म को मनोज तापड़िया ने लिखा और निर्देशित किया है। 'भारत भाग्य विधाता' एक पैन-इंडिया फिल्म है। कंगना इस फिल्म की निर्माता भी हैं। कंगना और गिरिजा के अलावा फिल्म में स्मिता तांबे, सुहिता थाटे, आशा शेलार, प्रिया बेर्डे, ईशा डे, रसिका अघासे, अमृता नामदेव, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान भी अहम किरदारों में हैं।

डेली सोप में काम करना आसान नहीं, लेकिन यही संघर्ष मुझे मजबूत बनाता है

मुंबई टीवी शो में हर रोज नए एपिसोड लाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कई बार घंटों शूटिंग करनी पड़ती है, कम समय में डायलॉग्स याद करने पड़ते हैं और अलग-अलग इमोशन्स वाले सीन्स को तुरंत निभाना पड़ता है। ऐसे माहौल में काम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता। इस पर बात करते हुए टीवी अभिनेत्री नेहा हरसोरा ने डेली सोप में काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह सफर आसान नहीं है, लेकिन यही मुश्किलें उनके काम को खास बनाती हैं।

नेहा हरसोरा ने कहा, डेली सोप में काम करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। यह काम कई बार शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला होता है। जिंदगी में जो चीजें आसानी से मिल जाती हैं, उनमें वह संतुष्टि नहीं होती, जो कड़ी मेहनत के बाद मिलने वाली सफलता में होती है। अभिनय का पेशा कभी भी आसान नहीं रहा है और शायद यही वजह है कि यह मुझे इतना पसंद है।

अपने अनुभवों को साझा करते हुए नेहा ने कहा, कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों को सीन शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही लाइन्स दिए जाते हैं। ऐसे में उन्हें तुरंत याद करना और बिना गलती के कैमरे के सामने प्रस्तुत भी करना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि एक सीन में कलाकार को रोना होता है और कुछ ही देर बाद दूसरे सीन में हंसना पड़ता है। इतनी जल्दी इमोशन्स बदलना आसान नहीं होता, लेकिन डेली सोप का हिस्सा होने के कारण कलाकारों को यह सब करना पड़ता है। नेहा ने कहा, डेली सोप का शूटिंग शेड्यूल इतना व्यस्त होता है कि कलाकार अपने घर से ज्यादा समय सेट पर बिताते हैं। सुबह से लेकर देर रात तक शूटिंग चलती रहती है। कई बार परिवार के साथ समय बिताने का मौका भी बहुत कम मिलता है। जब किसी ने अभिनेता बनने का सपना चुना है, तो उसे इस तरह की चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

अभिनेत्री ने कहा, मुझे सेट पर बिताया गया हर पल पसंद है। कैमरे के सामने खड़े होकर एक्टिंग करना, लाइन्स याद करना और सही इमोशन्स के साथ दर्शकों तक पहुंचाना मुझे खुशी देता है। एक्टिंग मेरे लिए सिर्फ रोजगार का जरिया नहीं है, बल्कि एक ऐसा जुनून है जिसे मैं पूरे दिल से जीती हूं। हर दिन का काम मुझे यह याद दिलाता है कि मैंने एक्टिंग की दुनिया में आने का फैसला क्यों किया था।

नेहा ने फिल्मों और वेब सीरीज में काम करने वाले कलाकारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, फिल्मों और वेब सीरीज में कलाकारों को किरदार समझने, भाषा पर काम करने और रिसर्च करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। कई बार वर्कशॉप भी आयोजित की जाती हैं, जिससे कलाकार अपने किरदार में और बेहतर ढंग से ढल सकें। लेकिन डेली सोप की दुनिया बिल्कुल अलग होती है।

विजय की फिल्म में दिखेंगी मालविका

मालविका मोहनन इन दिनों अपने करियर के सबसे व्यस्त दौर से गुजर रही हैं और एक साथ कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रही हैं। हाल ही में मिली जानकारी के अनुसार वह इन दिनों चेन्नई में निर्देशक त्यागराजन कुमाराराजा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि मालविका केवल 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग ही नहीं कर रही हैं, बल्कि इसके साथ-साथ एक अन्य अभी तक घोषित नहीं की गई फिल्म पर भी काम कर रही हैं। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह अपने सभी प्रोजेक्ट्स को लेकर बेहद उत्साहित हैं और पूरी लगन के साथ शूटिंग में जुटी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार चेन्नई में चल रहे लगातार फिल्मांकन के बीच मालविका दोनों फिल्मों के काम को संतुलित कर रही हैं, जो उनके पेशेवर समर्पण और मेहनत को दर्शाता है।

अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म कर लूंगा

अदिवि शेष इन दिनों अपनी एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' को लेकर चर्चा में हैं। 'क्षणम', 'गूढ़चारी' और 'मेजर' जैसी फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बना चुके शेष ने इस फिल्म के माध्यम से एक बार फिर दर्शकों के सामने नई कहानी पेश करने की तैयारी की है। बातचीत में अदिवि शेष ने अपनी आगामी से अपने जुड़ाव और इसके अन्य पहलुओं पर चर्चा की। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था 'डकैत' मूल रूप से सबसे पहले एक प्रेम कहानी है। मैं हमेशा इसे इसी तरह देखता हूं कि यह प्यार की कहानी में बुना गया एक्शन है, न कि एक्शन की कहानी में जोड़ा गया प्यार। अगर आपने फिल्म का गाना 'रूबरू' सुना है, जिसे फहीम अब्दुल्ला ने आवाज दी है, तो उसमें एक बेहद सादगी भरा, रूहानी और पुराने दौर के प्रेम का एहसास मिलता है। यह वैसी ही भावनाओं को दर्शाता है, जैसा कभी पुराने उपन्यासों या पिछली पीढ़ियों की प्रेम कहानियों में देखने को मिलता था। फिल्म का मूल विचार यही था कि जब इतने सरल, पवित्र और भावनात्मक प्रेम के बीच अचानक हिंसा और तीव्र एक्शन प्रवेश करता है, तो पूरा परिवेश किस तरह बदलता है। यही विरोधाभास इस कहानी की सबसे बड़ी ताकत है। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था, बल्कि यह दिखाना था कि भावनात्मक रूप से गहरे रिश्तों के बीच संघर्ष और हिंसा किस तरह असर डालते हैं। यही तत्व फिल्म को अलग, बड़े कैनवास वाली और विश्वसनीय बनाते हैं। मेरा नजरिया हमेशा से स्पष्ट रहा है। मैंने तब भी कहा था कि अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म करने के लिए तैयार हूं। मेरे लिए भाषा नहीं, बल्कि कहानी महत्वपूर्ण है। 'मेजर' के बाद मुझे हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री से 4-5 बड़ी वॉर फिल्में और बायोपिक्स ऑफर हुई थीं, लेकिन मेरे भीतर का लेखक मुझे बार-बार रोक रहा था। मुझे लगा कि मेजर संदीप उन्नीकृष्णन का किरदार निभाने के तुरंत बाद किसी दूसरी सैनिक-आधारित कहानी का हिस्सा बनना सही नहीं होगा। मैं उनके माता-पिता की भावनाओं और उनकी यादों के प्रति ईमानदार रहना चाहता था। मेरे लिए हमेशा वही कहानी मायने रखती है, जो भीतर तक प्रभावित करे।

ओटीटी के बजाय थिएटर फिल्म करना चाहती हैं शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी इन दिनों अपने फिल्मी फैसलों को लेकर काफी साफ और सख्त नजर आ रही हैं। ओटीटी के बढ़ते दौर के बीच उन्होंने खुलकर बताया कि अब वो हर प्रोजेक्ट नहीं करतीं, बल्कि बहुत सोच-समझकर चुनती हैं।

काम में कोई 'कंप्रोमाइज' नहीं करना चाहती

इंटरव्यू में शिल्पा ने साफ शब्दों में कहा कि अब वो अपने काम में कोई 'कंप्रोमाइज' नहीं करना चाहतीं। उनका मानना है कि इतने साल इंडस्ट्री में काम करने के बाद अब वही करना चाहिए जो दिल से सही लगे और स्क्रीन पर दिखने का कोई मजबूत कारण हो।

थिएटर फिल्म करना चाहती हैं शिल्पा

उन्होंने यह भी माना कि आजकल फिल्म इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आया है। कई मेकर्स अब थिएटर के बजाय ओटीटी को सुरक्षित विकल्प मानते हैं, क्योंकि वहां रिस्क कम होता है। लेकिन शिल्पा का नजरिया थोड़ा अलग है। वो अब ऐसी फिल्म करना चाहती हैं, जो थिएटर्स में रिलीज हो। उन्होंने कहा, 'मेरे बच्चों ने मुझे थिएटर्स में नहीं देखा है। इसलिए मैं एक थिएटर फिल्म करना चाहती हूं। मेरे बेटे ने 2023 में सुखी देखी थी, लेकिन वो प्रीव्यू थिएटर में थी। मैं चाहती हूं कि मुझे ऐसी फिल्म मिले, जैसी हम पहले बनाया करते थे।

काफी सोचकर प्रोजेक्ट चुनती हैं शिल्पा

शिल्पा ने बताया कि उन्होंने कई बड़ी फिल्मों को भी मना किया है, लेकिन उन्हें अपने फैसलों का कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा उनके लिए पैसा या बड़ा प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि काम की क्वालिटी ज्यादा मायने रखती है।

शिल्पा शेट्टी ने इंडस्ट्री में खूब पहचान बनाई है। वे आज 51 वर्ष की हो गई हैं। अपनी फिटनेस के लिए भी वे खूब जानी जाती हैं। शिल्पा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' होस्ट करती दिखेंगी।

तीन दशक से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर है एकता कपूर का राज

भारतीय टेलीविजन की बात हो और एकता कपूर का नाम न आए, ऐसा शायद ही कभी हो। पिछले तीन दशकों में अगर किसी एक शख्स ने छोटे पर्दे की दुनिया को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, तो वह हैं एकता कपूर। उन्हें यूं ही 'कंटेंट क्वीन' नहीं कहा जाता। उन्होंने सिर्फ टीवी शो नहीं बनाए, बल्कि ऐसे किरदार, कहानियां और ट्रेंड्स गढ़े जो लोगों की जिंदगी और बातचीत का हिस्सा बन गए।

एकता कपूर ने उस दौर में टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा, जब मनोरंजन के विकल्प बेहद सीमित थे लेकिन उन्होंने भारतीय दर्शकों की नब्ज को जिस तरह समझा, उसने उन्हें बाकी निर्माताओं से अलग खड़ा कर दिया। उनकी कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने भारतीय टेलीविजन को ऐसे शो दिए, जिन्होंने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और घर-घर में अपनी पहचान बनाई। एकता कपूर के धारावाहिकों के किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानने लगे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण था 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मिहिर विरानी की मौत। यह सिर्फ एक कहानी का मोड़ नहीं था, बल्कि एक राष्ट्रीय घटना बन गई थी। दर्शकों ने विरोध किया, भावुक हुए और आखिरकार शो के निर्माताओं को मिहिर को वापस लाना पड़ा। यह भारतीय टेलीविजन के इतिहास के सबसे चर्चित पलों में से एक बन गया।

इसी तरह 'कसौटी जिंदगी की' की कोमोलिका को कौन भूल सकता है? उर्वशी ढोलकिया का यह किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं था, बल्कि एक पॉप कल्चर आइकॉन बन गया। उनकी स्टाइलिश बिंदी, ड्रामैटिक एंट्री और बैकग्राउंड म्यूजिक ने ऐसा असर छोड़ा कि आज भी कोमोलिका का नाम लेते ही वह छवि आंखों के सामने आ जाती है।

एकता कपूर ने सिर्फ ड्रामा नहीं रचा, बल्कि ट्रेंड भी बनाए। 'कुटुंब' और 'कहीं तो होगा' जैसे शोज ने रोमांस को नए अंदाज में पेश किया। ऑफिस रोमांस की कहानियों ने युवाओं के बीच एक नया क्रेज पैदा किया। वहीं 'नागिन' के जरिए उन्होंने सुपरनेचुरल फिक्शन को मुख्यधारा में ला खड़ा किया। मौनी रॉय का इच्छाधारी नागिन वाला किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि यह शो भारतीय टेलीविजन की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में शामिल हो गया।

एकता कपूर की सफलता सिर्फ उनके शोज तक सीमित नहीं है। उन्हें इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन 'टैलेंट स्पॉटर' भी माना जाता है। उन्होंने कई ऐसे कलाकारों को मौका दिया, जो आगे चलकर बड़े सितारे बने। विद्या बालन को शुरुआती पहचान 'हम पांच' से मिली। आज वही विद्या भारतीय सिनेमा की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को भी घर-घर तक पहुंचाने का श्रेय काफी हद तक एकता कपूर को जाता है। 'पवित्र रिश्ता' के मानव के रूप में उन्होंने करोड़ों दर्शकों का दिल जीता और यहीं से उनके फिल्मी करियर की मजबूत नींव पड़ी। इसी तरह मौनी रॉय, प्राची देसाई, अनीता हसनंदानी, राधिका मदान और कई अन्य कलाकारों को भी एकता कपूर के मंच से पहचान मिली। यही वजह है कि इंडस्ट्री में उन्हें सिर्फ निर्माता नहीं, बल्कि 'स्टारमेकर' भी कहा जाता है।

एकता कपूर की एक और खासियत यह रही कि उन्होंने समय के साथ खुद को लगातार बदला। जब टीवी का दौर चरम पर था, तब उन्होंने छोटे पर्दे पर राज किया और जब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का दौर आया तो उन्होंने वेब कंटेंट की दुनिया में भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। वह दर्शकों की बदलते पसंद को समझती रही और उसी के अनुसार कंटेंट तैयार करती रही।

उनकी मेहनत और योगदान को देश-दुनिया में कई बड़े सम्मान मिले हैं। पद्म श्री के साथ ही एकता कपूर को बिजनेस, मीडिया और मनोरंजन जगत के कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

संक्षिप्त समाचार

पेंटागन में ऑफिस सील, फ्लोर खाली और इमरजेंसी अलर्ट

पेंटागन , एजेंसी। ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन में गुरुवार को सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया। इमारत के कई हिस्सों को खाली कराया गया और कुछ मंजिलों को सील कर दिया गया। सीएनएन और अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, पेंटागन की आंतरिक निगरानी प्रणालियों ने समस्या का पता लगाया, जिसके तुरंत बाद एहतियाती कार्रवाई शुरू की गई। प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए गए और खतरनाक पदार्थों से निपटने वाली विशेष टीमें मौके पर पहुंच गईं। पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने बताया कि इमारत की निगरानी प्रणालियों ने ऐसी समस्या का संकेत दिया जिसके लिए तत्काल एहतियात बरतना जरूरी था। हम प्रभावित क्षेत्र में 'शेल्टर इन प्लेस' समेत सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। रेस्क्यू टीम मौके पर तैनात हैं। भवन में मौजूद लोगों की मदद के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सुरक्षा टीम के जारी संदेश में कर्मचारियों को बताया गया कि वायु गुणवत्ता संबंधी समस्या का पता चला है और अतिरिक्त जांच चल रही है, जिसमें एक से दो घंटे का समय लग सकता है। संदेश में कहा गया है कि रेस्क्यू टीम मौके पर हैं। आपको केंद्रीय प्रांगण में कई एजेंसियों के बचावकर्मी दिखाई दे सकते हैं। कृपया इसे सामान्य सुरक्षा अभ्यास मानें। यह घटना उस समय हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका ईरान पर 'आज रात' बड़ा हमला करने जा रहा है, ताकि निकट भविष्य में ईरान के तेल और गैस उद्योगों, खासकर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप पर पूर्ण नियंत्रण हासिल किया जा सके। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार दूसरे दिन हमलों का वार-पलटवार जारी है। इस सप्ताह तीसरी बार मिडिल ईस्ट में जवाबी हमलों ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। पहले ईरान-इजराइल संघर्ष हुआ, उसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच गोलीबारी के दो दौर चले, जिनमें अमेरिकी सैन्य अड्डों वाले देशों को निशाना बनाया गया।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में बड़ा घोटाला, 954 करोड़ का महाघोटालेबाज माखीजानी गिरफ्तार

सैक्रामेंटो , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक बड़ा बैंकिंग घोटाला सामने आया है। इसने वित्तीय जगत के साथ कॉर्पोरेट गलियारों को भी हिलाकर रख दिया है। भारतीय मूल के 44 वर्षीय ग्रीन कार्डधारक फाइनेंसर महेंद्र माखीजानी को एक अमेरिकी बैंक से 954 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में बुधवार सुबह उसकी न्यूपोर्ट बीच स्थित आलीशान हवेली से गिरफ्तार किया गया। माखीजानी पर न सिर्फ शेल कंपनियों और फर्जी इंश्योरेंस दस्तावेजों के जरिये बैंक को ठगने का आरोप है, बल्कि उसने बैंककर्मियों को अपने जाल में फंसाने के लिए अश्लील माध्यमों और ड्रग्स पार्टियों का सहारा लिया और हथियारबंद गुंडों के दम पर संपत्तियों पर कब्जे किए। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया के फर्स्ट असिस्टेंट अमेरिकी अटॉर्नी बिलाल एसायली ने संघीय आपराधिक शिकायत के तहत इस गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि की है। अदालती दस्तावेजों और आईआरएस क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन के एक्टिंग स्पेशल एजेंट इन चार्ज डैरेन लियन के आधिकारिक बयान के अनुसार माखीजानी कैंटर ग्रुप वीएलएलसी नाम की कंपनी चलाता है। बैंक ने इस कंपनी को रियल एस्टेट लोन के लिए 954 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान दिया था। माखीजानी ने सितंबर 2024 से अप्रैल 2025 के बीच शेल कंपनियों का नेटवर्क बनाकर और टाइटल इंश्योरेंस पॉलिसियों में हेरफेर कर बैंक को गलत जानकारी दी।

2 उइगर मुस्लिम थाईलैंड के ब्रह्मा मंदिर में बम ब्लास्ट के दोषी करार, कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड की एक अदालत ने 2015 में बैंकॉक के एरावन मंदिर बम धमाके के मामले में दो उइगर मुस्लिमों आरोपियों को मौत की सजा सुनाई है। इस धमाके में 20 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें एक सिंगापुर का नागरिक भी शामिल था, जबकि 120 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। एरावन मंदिर बैंकॉक का एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यह हिंदू देवता ब्रह्मा को समर्पित है। यहां चार मुख वाले ब्रह्मा की प्रतिमा स्थापित है, जिसे थाई भाषा में फ्रा फ्रोम कहा जाता है। हर दिन हजारों स्थानीय लोग और विदेशी पर्यटक यहां पूजा करने और मनोकामना मांगने आते हैं।

ईरान के विदेश मंत्री अराघची बोले- अमेरिकी कार्रवाई से अप्रैल का सीजफायर निष्प्रभावी हो गया

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने गुरुवार को कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका के नए हमलों ने दोनों पक्षों के बीच अप्रैल में हुए सीजफायर को बेअसर कर दिया है। गुरुवार को यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश नीति के प्रमुख काजा कैलास के साथ फोन पर हुई बातचीत में अराघची ने हाल के अमेरिकी हमले की कड़ी निंदा की और इसे यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया। सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने हमलों के खतरनाक नतीजों के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार सुबह कहा कि उसकी सेनाओं ने ईरान के बेवजह और लगातार हमले के जवाब में कई ईरानी ठिकानों पर और हमले किए हैं। सीईएनटीसीओएम ने एक्स पर लिखा, 'सीईएनटीसीओएम फोर्स ने पूरे ईरान में ईरानी मिलिट्री सर्विलांस कैपेबिलिटी, कम्युनिकेशन सिस्टम और एयर डिफेंस साइट्स पर हमले किए। अमेरिकी मरीन कॉर्प्स, एयर फोर्स और नेवी के एसेट्स ने ईरानी टारगेट पर सटीक हथियार दागे, जो अमेरिकी फोर्स और इलाके के पानी में आने-जाने वाले अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल जहाजों के लिए खतरा थे।' इसमें आगे कहा गया, 'ये हमले ईरान के बिना वजह और लगातार हमलों के जवाब में किए गए हैं। अमेरिकी सेना चौकन्नी, खतरनाक और तैयार है।' हमलों के बाद, ईरान के मुख्य मिलिट्री कमांड, खतम अल-अनबिया सेंट्रल

हेडक्वार्टर ने घोषणा की कि होर्मुज स्ट्रेट को सभी तरह के जहाजों के लिए बंद कर दिया गया है, जिसमें तेल टैंकर और कमर्शियल जहाज शामिल हैं। इसके अलावा, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी हमलों का बदला लेने के लिए जॉर्डन, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी बेस को निशाना बनाया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ नई सैन्य कार्रवाई की धमकी दी और कहा कि अमेरिका आखिरकार ईरान के जरूरी तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर नियंत्रण कर सकता है। यह बात अमेरिकी फोर्स के तीसरे कमर्शियल टैंकर को निष्क्रिय करने के कुछ घंटों बाद कही गई, जिस पर तेहरान के खिलाफ वाशिंगटन की नाकाबंदी तोड़ने का आरोप है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'अमेरिका आज रात ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा।

दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही अपना सकता है नया नाम

यारेन , एजेंसी। दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही अपना नाम बदल सकता है। संसद में एक प्रस्ताव पारित होने के बाद देश में जनमत संग्रह कराया जाएगा, जिसमें नागरिक तय करेंगे कि नाउरू का आधिकारिक नाम बदलकर 'नाओएरो' किया जाए या नहीं। राष्ट्रपति डेविड अडियांग ने संसद में कहा कि 'नाओएरो' नाम देश की विरासत, भाषा और पहचान का अधिक सम्मान करता है। प्रस्ताव बिना किसी विरोध के पारित हुआ है। सरकार के अनुसार, स्थानीय लोग अपनी भाषा में देश को 'नाओएरो' कहते हैं। हालांकि, विदेशी लोगों के लिए इसका उच्चारण कठिन होने के कारण आधिकारिक रिकॉर्ड में 'नाउरू' नाम प्रचलित हो गया। सरकार का कहना है कि यह बदलाव स्थानीय लोगों की पसंद नहीं बल्कि बाहरी सुविधा के लिए किया गया था। नाउरू का नाम कई बार बदल चुका है। 1798 में एक ब्रिटिश नाविक ने इसका नाम 'प्लेजेंट आइलैंड' रखा था। 1888 में जर्मनी के कब्जे के बाद 'नाउरू' नाम आधिकारिक दस्तावेजों में दर्ज हुआ। बाद में ऑस्ट्रेलियाई प्रशासन ने भी यही नाम जारी रखा। देश को 1968 में स्वतंत्रता मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि मूल नामों की वापसी केवल भाषाई बदलाव नहीं बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आत्मनिर्णय का प्रतीक है। दुनिया के कई देशों ने भी अपनी स्थानीय पहचान को मजबूत करने के लिए नाम बदले हैं। यूनेस्को नाउरू की मूल भाषा को गंभीर रूप से संकटग्रस्त मानता है। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि 'नाओएरो' नाम अपनाने से भाषा संरक्षण और सांस्कृतिक निरंतरता को बढ़ावा मिल सकता है।

फिनलैंड में जयशंकर का दो टूक संदेश, कहा- मजबूत सप्लाई चेन से संभव है स्थिर दुनिया

हेलसिंकी , एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा है कि आज की दुनिया में चल रहे संघर्षों का प्रभाव केवल संबंधित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर वैश्विक स्तर पर देखने को मिलता है। ऐसे में मजबूत और विविधीकृत सप्लाई चेन तथा सक्रिय कूटनीति बेहद जरूरी हो गई है। फिनलैंड में 'कुल्तारांता वार्ता' में भारत का प्रतिनिधित्व

फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में आयोजित कुल्तारांता वार्ता में भाग लेते हुए जयशंकर ने वैश्विक शक्ति संतुलन और बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर भारत का दृष्टिकोण रखा। इस चर्चा में फिनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनन और यूएई की सहायक विदेश मंत्री लाना नुसैबेह भी शामिल थीं। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर बताया कि मौजूदा संघर्ष वैश्विक स्तर पर लागत बढ़ा रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं।

कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर : विदेश मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संघर्षों के प्रभाव को कम करने और कूटनीति के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाने पर लगातार काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया को एकजुट होकर वैश्विक स्थिरता की दिशा में प्रयास करने की जरूरत है।

डी-रिस्किंग और सप्लाई चेन को मजबूत बनाने की अपील : जयशंकर ने कहा कि आज के अस्थिर वैश्विक माहौल में सप्लाई चेन को अधिक सुरक्षित, विविध और लचीला बनाना आवश्यक है। उन्होंने डी-रिस्किंग और डाइवर्सिफिकेशन की नीति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भविष्य की आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी है।

ऊर्जा सुरक्षा पर भारत का रुख स्पष्ट : ऊर्जा सुरक्षा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत की ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। देश अपनी जरूरतों के अनुसार ही ऊर्जा खरीदता है, जिसमें उपलब्धता और वहनीयता प्रमुख मानदंड होते हैं। पश्चिम एशिया के साथ संबंधों पर विशेष जोर जयशंकर ने पश्चिम एशिया की भूमिका को भारत की विदेश नीति में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि खाड़ी क्षेत्र भारत के लिए ऊर्जा, रणनीतिक सहयोग और लोगों के बीच मजबूत संबंधों का केंद्र है।

भारत-यूरोप संबंधों में नई गति : विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंध तेजी से मजबूत हो रहे हैं। इस वर्ष दोनों पक्षों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत पूरी हुई है, साथ ही रणनीतिक और रक्षा साझेदारी को भी आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि यह भारत-यूरोप संबंधों की बढ़ती गहराई को दर्शाता है।

भारत से सीमा विवाद पर नेपाल सरकार का यू-टर्न, बोला- बातचीत से सुलझाएंगे सीमा विवाद

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-भारत सीमा विवाद में तीसरे देश की मध्यस्थता मामले में नेपाल सरकार यू-टर्न ले लिया है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशर खनाल ने बताया कि सरकार पड़ोसी देश के साथ सीमा विवाद आपसी बातचीत करके सुलझाना चाहती है। बुधवार को नेपाली संसद में संबोधित करते हुए खनाल ने कहा कि नेपाल-भारत के बीच सीमा विवाद दोनों देश के बीच का मामला है। नेपाल समझौतों, ऐतिहासिक संधियों और नक्शों के आधार पर कूटनीतिक बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संबोधन के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि नेपाल-भारत के बीच सीमा कार्य समूह और अन्य निकायों ने फिर से काम करना शुरू कर दिया है जहां प्रगति काफी समय से रुकी थी।

पहले भी दी है सफाई : बता दें, पिछले हफ्ते ही नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल भारत दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने अपने समकक्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात भी की थी। मीडिया एजेंसी से बातचीत में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के भारतीय इलाके पर नेपाल के कब्जे के बारे में दिए गए बयान पर नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा, 'मेरे विदेश मंत्रालय ने इस पर पहले ही साफ कर दिया है। प्रधानमंत्री उस समय बोल रहे थे जब वे सीमा-पार कब्जे से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। इसलिए हमने इस बारे में पहले ही साफ कर दिया है। भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक और धार्मिक रूप से सदियों से रहा है। दोनों देशों के बीच खुली सीमा है। सदियों से ही नेपाल-भारत में रोटी-बेटी का संबंध रहा है। पिछले कई वर्षों से भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद चल रहा है। इसको लेकर दोनों देशों के बीच समय-समय पर तनाव भी सामने आया।

हाल ही में नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने यह कहकर सनसनी मचा दी कि भारत ही नहीं नेपाल ने भी भारत की जमीन पर कब्जा किया हुआ है। साथ ही उन्होंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता के लिए ब्रिटेन से आग्रह भी किया था, जिसे ब्रिटेन ने ठुकरा दिया था। विशेषज्ञों की मानें तो नेपाल ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की कोशिश की थी, लेकिन उनका यह दांव उल्टा पड़ गया।

नहीं रहीं थाइलैंड की भावी रानी, तीन साल से कोमा में थीं प्रिंसेज बज्रकितियाभा

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की भावी शासक राजकुमारी, बज्रकितियाभा का निधन हो गया है। शुक्रवार सुबह शाही परिवार ने एक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। राजा महा वजिरालॉन्गकॉर्न की सबसे बड़ी बेटी और देश की सबसे लोकप्रिय शाही हस्तियों में से एक, 'प्रिंसेस भा' पिछले साढ़े 3 साल से लाइफ सपोर्ट सिस्टम के सहारे कोमा में थीं। अब उनकी मौत से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है।

पैलेस द्वारा जारी बयान के मुताबिक, 47 वर्षीय राजकुमारी बज्रकितियाभा ने बैंकॉक के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। इससे पहले शाही परिवार ने बीते दिनों एक बयान जारी कर बताया था कि उनकी हालत बिगड़ती जा रही है। मेडिकल टीम ने बताया था कि उनके पेट और आंतों में इन्फेक्शन फैल गया था और उनके कई अंदरूनी अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद स्थानीय समयानुसार गुरुवार रात उनका निधन हो गया।

दिसंबर 2022 में हो गई थीं बेहोश : राजकुमारी बज्रकितियाभा दिसंबर 2022 में बैंकॉक में अपने पालतू कुत्तों को वॉक कराने के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी थीं। डॉक्टरों के मुताबिक, दिल में माइकोप्लाज्मा इन्फेक्शन के कारण अचानक उनकी दिल की धड़कनें पूरी तरह अनियमित हो गई थीं। इससे उनके दिमाग में ऑक्सीजन की कमी हुई और वह कोमा में चली गईं। तब से उन्हें मशीनों के सहारे ही जीवित रखा गया था।

सबसे योग्य उत्तराधिकारी थीं प्रिंसेज : राजकुमारी को यहां के लोग प्यार से प्रिंसेज भा कहा करते थे। राजा वजिरालॉन्गकॉर्न की पहली पत्नी सोअमसावली से जन्मीं प्रिंसेज भा का जन्म 7 दिसंबर 1978 को हुआ था। वह अपने पिता की सात संतानों में सबसे बड़ी थीं। बचपन से ही वे काफी मेधावी थीं। आगे चलकर वे वह एक बेहद काबिल वकील थीं। उन्होंने अमेरिका की प्रतिष्ठित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से कानून में एलएलएम और डॉक्टरेट की डिग्रियां हासिल की थीं। इसके बाद उन्हें राजघराने से अहम जिम्मेदारियां भी मिलीं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में थाई मिशन के लिए काम किया। इसके बाद वे 2012 से 2014 तक ऑस्ट्रिया में थाईलैंड की राजदूत रहीं। इसके अलावा प्रिंसेज भा ने थाईलैंड की जेलों में बंद महिला कैदियों की स्थिति सुधारने और ड्रग्स मामलों में मिलने वाली कड़ी सजाओं के खिलाफ कानून में बड़े सुधारों की वकालत भी की थी। 2021 में उनके पिता ने उन्हें अपनी पर्सनल बॉडीगार्ड विंग का चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया था और उन्हें जनरल की रैंक दी थी। राजकुमारी बज्रकितियाभा के निधन से थाईलैंड में उत्तराधिकार को लेकर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। 73 वर्षीय राजा वजिरालॉन्गकॉर्न ने अभी तक आधिकारिक रूप से अपने उत्तराधिकारी का नाम घोषित नहीं किया है। प्रिंसेस भा के निधन से पहले उन्हें ही सबसे योग्य उम्मीदवार माना जा रहा था।

पीओके में पाकिस्तानी सैनिकों ने फिर बरपाया कहर, फायरिंग में 16 की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सस्ता आटा-चावल, किफायती बिजली और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे आम लोगों को एक बार फिर पाकिस्तानी सेना का कहर झेलना पड़ा। रावलकोट के ईदगाह मैदान में गुरुवार को उस समय भयानक मंजर नजर आया जब सैनिकों ने बिना चेतावनी गोलियां बरसानी शुरू कर दीं, जिसमें कम से कम 16 निहत्थे प्रदर्शनकारी मारे गए और 37 अन्य घायल हो गए। रावलकोट में आर्थिक तंगी से जूझ रहे करीब 60 से 70 हजार लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें पुरुष, महिलाएं और युवा सभी शामिल हैं। ईदगाह मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स की गोलियों की बरसात से अचानक हर तरफ भगदड़ मच गई। थोड़ी ही देर में पूरे इलाके में मंजर एकदम दिल दहला देने

वाला था। खून से सनी सड़कों और खेतों में अपनों को ढूंढ़ते दुखी परिवार हक की आवाज उठाने की मानवीय कीमत चुकाने की निशानी बन गए हैं। पीओके में शुक्रवार से जारी विरोध प्रदर्शनों के दौरान इस तरह की दमनकारी कार्रवाई में अब तक 53 लोगों की जान जा चुकी है। पाकिस्तानी सेना यहां जितनी दमनकारी कार्रवाई कर रही है, सड़कों पर उतरे लोगों का हौसला उससे कहीं ज्यादा बुलंद है। इस खूनी कहर के बावजूद सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी अब भी अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

आर-पार के मूड में जनता : गोलीबारी के बाद भीड़ को संबोधित करते हुए आंदोलन के नेता सरदार अमन खान ने कहा कि संघर्ष अब एक निर्णायक दौर में पहुंच गया है और संकल्प लिया कि जान-माल के नुकसान के बावजूद यह आंदोलन जारी रहेगा। सड़कों पर मौजूद लोग कोई हथियार नहीं लिए हैं। वे बस सस्ते भोजन, सस्ती बिजली और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हैं। फिर भी, उन्हें जवाब में गोलियां मिली हैं।

ईरान की हिट लिस्ट में कई कंपनियां: मस्क की कंपनी पर भी हमले की आशंका

तेहरान , एजेंसी। ईरान ने एक चेतावनी जारी की है। उसने कहा है कि वह एलन मस्क के सभी व्यापारिक संस्थानों को सैन्य निशाना मानेगा। इसमें स्पेसएक्स की स्टारलिंक इंटरनेट सेवा और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) शामिल हैं। ईरान की सरकारी मीडिया 'फार्स' के अनुसार, तेहरान ने अपनी सैन्य हिट लिस्ट बढ़ा दी है। अब इसमें पश्चिम एशिया में मौजूद मस्क की कंपनियों से जुड़े सभी आर्थिक हित और स्टारलिंक के ग्राउंड स्टेशन शामिल हैं।

ईरान का दावा : ईरानी अधिकारियों का दावा है कि मस्क की कंपनियां अमेरिका और इस्त्रायल की सैन्य कार्रवाइयों में सक्रिय रूप से मदद कर रही हैं। उनका कहना है कि ये कंपनियां ड्रोन हमलों और मानवरहित समुद्री जहाजों जैसे आधुनिक हथियारों को चलाने में सहयोग देती हैं। ईरान का मानना है कि अमेरिका ने मस्क की कंपनियों की मदद से युद्ध अपराध किए हैं। इसलिए ईरान इन कंपनियों के ठिकानों पर हमला करने का पूरा अधिकार रखता है।

ईरान की यह चेतावनी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक सोशल मीडिया पोस्ट के तुरंत बाद आई है। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा। ट्रंप ने यह भी कहा था कि अमेरिकी सेना ईरान के मुख्य तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लेगी।

ईरान इन कंपनियों पर भी लगा चुका है आरोप : एलन मस्क की कंपनियों को धमकी देना ईरान की पहली ऐसी कोशिश नहीं है। इस साल की शुरुआत में ईरान की 'इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने अपना ध्यान पारंपरिक हथियारों से हटाकर सूचना तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों पर लगाया था। आईआरजीसी ने 18 से ज्यादा बड़ी अमेरिकी कंपनियों को अपनी हिट लिस्ट में शामिल किया है। इसमें मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप), गूगल, एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल और एनवीडिया जैसी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा बोइंग, टेस्ला और पालान्टिर को भी निशाना बनाने की बात कही गई है। इससे पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। खबरों के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन में अमेजन वेब सर्विसेज के डेटा सेंटरों को ईरानी ड्रोन हमलों से नुकसान पहुंचा था। इन हमलों की वजह से वहां बिजली की सप्लाई रुक गई थी और आग बुझाने वाले सिस्टम से पानी निकलने के कारण काफी नुकसान हुआ था। ईरान अब इन सभी कंपनियों को जायज निशाना मान रहा है।

ईरान पर हमला नहीं करेगा अमेरिका, ट्रंप ने लिया यू-टर्न

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ तय किए गए बड़े हमलों को अचानक रद्द कर दिया है। साथ ही उन्होंने व्यापक शांति समझौते की संभावना जताई है और कहा है कि समझौते पर हस्ताक्षर करने का समय व स्थान बहुत जल्द घोषित किया जाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर विस्तृत पोस्ट में लिखा कि ईरान के साथ हुई चर्चाओं के अंतिम बिंदुओं को संयुक्त राज्य अमेरिका, इजरायल, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, तुर्की, पाकिस्तान, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, मिस्र और अन्य सभी संबंधित पक्षों ने मान लिया है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरानी नेतृत्व के उच्चतम स्तर पर बातचीत पहुंचाई गई थी और उसे मंजूरी मिल चुकी है। इसलिए मैंने अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में आज शाम ईरान के खिलाफ निर्धारित सभी हमलों और बमबारी को रद्द कर दिया है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि शांति समझौता अंतिम रूप से हस्ताक्षरित होने तक नौसैनिक नाकाबंदी पूरी तरह लागू रहेगी। हस्ताक्षर की तारीख, समय और स्थान की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

कुछ घंटे पहले दी थी सख्त चेतावनी : इससे महज कुछ घंटे पहले ट्रंप ने ईरान पर 'बहुत कड़ी और शक्तिशाली' कार्रवाई की चेतावनी दी थी। उन्होंने ईरान के प्रमुख तेल बुनियादी ढांचे पर कब्जे की बात कही थी, जिसे पूर्ण युद्ध की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा था। ट्रंप ने लगातार तीसरी रात 'बड़े और अधिक शक्तिशाली' हमलों की धमकी देते हुए कहा था कि तेहरान को अपने नाममात्र के युद्धविराम को स्थायी शांति समझौते में बदलना होगा। उन्होंने खासतौर पर खार्ग द्वीप का जिक्र करते हुए कहा था कि हम खार्ग द्वीप और ईरान की अन्य महत्वपूर्ण तेल अवसंरचना सुविधाओं पर

कब्जा कर लेंगे। वेनेजुएला की तरह हम उनके तेल और गैस बाजारों पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर देंगे।

चरम पर पहुंच गया था तनाव : दरअसल, हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था। अमेरिका ने ईरान पर कई हमले किए, जिन्हें वाशिंगटन ने खाड़ी क्षेत्र में तैनात अपने अपाचे हेलीकॉप्टर को ईरानी बलों द्वारा गिराए जाने का जवाब बताया। ईरान ने इस दावे को पूरी तरह खारिज करते हुए इसे 'झूठा बहाना' करार दिया। जवाब में तेहरान ने बहरीन, जॉर्डन और कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल व ड्रोन हमले किए। इसके अलावा ईरान ने होर्मुज की निगरानी करने वाले नए सैन्य निकाय के जरिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण जलमार्ग को अगले आदेश तक बंद करने की घोषणा कर दी थी। अमेरिका ने ईरान की इस घोषणा को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि होर्मुज जलमार्ग अंतरराष्ट्रीय आवागमन के लिए खुला रहेगा और किसी भी बाधा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ट्रम्प का दावा- ईरान परमाणु हथियार भी नहीं खरीदेगा : राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान ने न सिर्फ परमाणु हथियार विकसित नहीं करने, बल्कि उन्हें खरीदने से भी सहमति जताई है। ट्रम्प के मुताबिक, शुरुआती समझौते में सिर्फ परमाणु हथियार विकसित न करने की बात थी। उन्होंने कहा, 'मैंने पूछा कि खरीदने का क्या होगा? उन्होंने कहा कि यह शामिल नहीं है। दो दिन बाद वे इस पर भी सहमत हो गए। हमें वह सब मिल गया जो हम चाहते थे।' होर्मुज स्ट्रेट से एक तेल टैंकर गुजरता हुआ। ठीक उस समय जब ईरान ने घोषणा की थी कि स्ट्रेट को फिर से बंद कर दिया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट से एक तेल टैंकर गुजरता हुआ। ठीक उस समय जब ईरान ने घोषणा की थी कि स्ट्रेट को फिर से बंद कर दिया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रम्प के ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला टालने के फैसले के बाद वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में गिरावट जारी है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.21 डॉलर यानी 1.3% गिरकर 89.17 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, अमेरिकी WTI क्रूड 1.23 डॉलर यानी 1.4% टूटकर 86.48 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.